kanwhizztimes

@kanwhizztimes lucknow

@kanwhizztimes

www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

वर्ष-15 | अंक-246 | बुधवार, 07 अक्टूबर 2026 | नगर संस्करण | लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित | मूल्य- ₹ 3.00 | पृष्ठ-12



राहुल गांधी देश में अराजकता, झूठ, छल और भ्रम का माहौल पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गांधी न्यायालय का हवाला देकर अपनी राजनीति को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहे हैं और उसका गलत उद्धरण दे रहे हैं। संबित पात्रा

रक्षा मंत्री ने विशाखापट्टनम में लॉन्च किया पहला फ्लीट सपोर्ट शिप 'सूर्या' 11

उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री ने कई स्वास्थ्य सेवाओं का किया शुभारंभ 12

संक्षेप

एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित होंगे नए वायुसेना प्रमुख

नई दिल्ली। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित को भारतीय वायुसेना का अगला प्रमुख नियुक्त किया गया है। राष्ट्रपति ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। वह 31 अक्टूबर 2026 की दोपहर एयर चीफ मार्शल के पद पर कार्यभार संभालेंगे और 31 दिसंबर 2028 तक इस पद पर रहेंगे। वह मौजूदा वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह का स्थान लेंगे, जो 31 अक्टूबर को सेवानिवृत्त होंगे। एयर मार्शल दीक्षित फिलहाल वायुसेना के उप प्रमुख हैं। उन्होंने 1 जुलाई 2026 को यह जिम्मेदारी संभाली थी। करीब चार दशक के करियर में उन्होंने परिचालन, प्रशिक्षण, परीक्षण और रणनीतिक स्तर पर कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है।

होर्मुज में पोत पर हमले में 11 भारतीय सदस्य घायल

नई दिल्ली। होर्मुज से मंगलवार को गुजर रहे पनामा ध्वज वाले एक वाणिज्यिक पोत पर प्रक्षेप्य (प्रोजेक्टाइल) से किए गए हमले में चालक दल के 11 भारतीय सदस्य घायल हो गए। भारत ने इस हमले की कड़ी निंदा की। विदेश मंत्रालय के अनुसार, एमटी ऑन पीस नाम के इस पोत पर चालक दल के 19 सदस्य सवार थे, जिनमें 17 भारतीय नागरिक थे। मंत्रालय ने बताया कि हमले में चालक दल के कुल 12 सदस्य घायल हुए, जिनमें 11 भारतीय हैं। मंत्रालय ने बताया कि हम इस हमले की निंदा करते हैं। होर्मुज से गुजरते समय पोत पर एक प्रेक्षप्य दागा गया। चालक दल के कुल 19 सदस्यों में से 17 भारतीय नागरिक हैं। क्षेत्र में पोत पर लगातार हो रहे हमले भारत के लिए गहरी चिंता का विषय बने हुए हैं।

विश्व बैंक ने भारत की वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.1% किया

नई दिल्ली। विश्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है। अप्रैल में जारी अनुमान में वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रहने की उम्मीद जताई गई थी। यानी विश्व बैंक ने अपने अनुमान में 0.5 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी की है। यह बदलाव मुख्य रूप से पहली तिमाही में उम्मीद से बेहतर आर्थिक प्रदर्शन को देखते हुए किया गया है। विश्व बैंक ने अपनी ताजा 'इंडिया डेवलपमेंट अपडेट' रिपोर्ट में कहा कि व्यापार और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन उम्मीद से बेहतर रहा है। इसी वजह से वित्त वर्ष 2026-27 के लिए वृद्धि का अनुमान 6.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत किया गया है। भारत की आर्थिक वृद्धि दर वित्त वर्ष 2025-26 में 7.8 प्रतिशत रही, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में यह 7.2 प्रतिशत थी। विश्व बैंक के अनुसार मजबूत निवेश और ठोस निजी खपत ने वृद्धि को गति दी।

एआई के क्षेत्र में लखनऊ को नई पहचान दिलाएंगे : योगी

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार का संकल्प लखनऊ को भारत की अग्रणी एआई इनोवेशन सिटीज में स्थापित करने का है। इसके लिए अगले पांच वर्षों में एक मजबूत इनोवेशन इकोसिस्टम विकसित किया जाएगा, जिसमें विश्व स्तर के कम से कम 50 एआई स्टार्टअप्स को लखनऊ में स्थापित करने, उन्हें मजबूत बनाने और वैश्विक बाजार तक पहुंचाने के लिए सरकार पूरा सहयोग देगी। मुख्यमंत्री ने एचसीएल टेक को भी इस अभियान में भागीदार बनने का आह्वान किया।

एचसीएल टेक लखनऊ कैंपस की 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने एचसीएल को इसके लिए ऑफर दिया है। उन्होंने कहा कि लखनऊ को केवल आईटी सर्विसेज का केंद्र नहीं, बल्कि एआई, सेमीकंडक्टर, साइबर सिक्योरिटी, कंप्यूटिंग टेक्नोलॉजी और डीप टेक का प्रमुख केंद्र बनाना होगा। इसके लिए सरकार और उद्योग जगत को मिलकर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि एचसीएल की पांच दशक की यात्रा के संस्थापक शिव नाडर ने इसी उत्तर प्रदेश से शुरुआत की थी। आज यूपी की धरती से शुरू हुई यह यात्रा वैश्विक पहचान बना चुकी है। दस वर्ष पहले शिव नाडर के विजन के साथ लखनऊ में एचसीएल कैंपस की स्थापना ने इस यात्रा को नई पहचान दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि एचसीएल ने लखनऊ को चुना और लखनऊ ने एचसीएल को अपनाया। दोनों की साझा यात्रा आज उत्तर प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एससीएल कैंपस की सफलता के पीछे कर्मचारियों की मेहनत के साथ किसी मां की दुआ, किसी पिता का सपना और किसी परिवार का विश्वास भी जुड़ा है। जब लखनऊ की बेटी यहां से अपने करियर की उड़ान भरती है तो केवल उसकी जिंदगी नहीं बदलती, बल्कि पूरे परिवार का जीवन बदलता है। उसकी सफलता आने वाली अनेक बेटियों के लिए नई राह और प्रेरणा बनती है। उन्होंने कहा कि दस वर्ष पहले यूपी के युवाओं को बेहतर करियर के लिए दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे शहरों की ओर जाना पड़ता था। आज स्थिति बदल गई है। यूपी का युवा अपने करियर के लिए लखनऊ को चुन रहा है और दुनिया भर का युवा यूपी में आ रहा है। मुख्यमंत्री ने एचसीएल के कर्मचारियों से कहा कि वे केवल कंपनी के कर्मचारी नहीं, बल्कि अब उत्तर प्रदेश के ब्रांड एंबेसडर भी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत उसकी जमीन के साथ उसकी युवा और प्रतिभाशाली वर्कफोर्स है। आज वे गर्व से कहते हैं कि भारत की सबसे युवा वर्कफोर्स यूपी में है और उसकी प्रतिभा प्रदेश की सबसे बड़ी सामर्थ्य है। उन्होंने कहा कि दस वर्ष पहले उत्तर प्रदेश की पहचान को लेकर अलग तरह की चर्चाएं होती थीं। आज प्रदेश की पहचान बदल चुकी है। एक समय वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया की चर्चा होती थी, आज वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज, वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट और वन डिस्ट्रिक्ट वन कुजीन की चर्चा होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। बलिया से बिजनौर तक करीब 1200 किलोमीटर की दूरी अब लगभग 10 घंटे में तय की जा सकती है, जबकि एक दशक पहले यही दूरी तय करने में कई दिन लगते थे। मुख्यमंत्री ने ● शेष पेज 11 पर



- एचसीएल टेक के लखनऊ कैंपस की 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने
- अगले पांच वर्षों में कम से कम 50 एआई स्टार्टअप्स को लखनऊ में स्थापित करने, उन्हें मजबूत बनाने और वैश्विक बाजार तक पहुंचाने में सरकार पूरा सहयोग देगी: मुख्यमंत्री
- लखनऊ को केवल आईटी सर्विसेज का केंद्र नहीं, बल्कि एआई, सेमीकंडक्टर, साइबर सिक्योरिटी, कंप्यूटिंग टेक्नोलॉजी और डीप टेक का प्रमुख केंद्र बनाना होगा: सीएम
- बलिया से लेकर बिजनौर तक की यात्रा को अब मात्र 10 घंटे में पूरा कर सकते हैं

भाजपा के आठों प्रत्याशियों ने किया नामांकन, निर्विरोध जीतना तय



कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के आठों प्रत्याशियों ने मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल कर दिया। इन सभी का निर्विरोध निर्वाचन तय माना जा रहा है। नाम वापसी की समय सीमा खत्म होने के बाद उनके निर्वाचित होने का ऐलान कर दिया जाएगा। इससे पूर्व भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर यूपी प्रभारी विनोद तावड़े, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी, महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह और उपमुख्यमंत्री द्वय केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक की मौजूदगी में सभी राज्यसभा प्रत्याशियों का स्वागत किया गया।

भाजपा ने राज्यसभा की 10 सीटों के लिए होने वाले चुनाव में सोमवार को आठ उम्मीदवारों की घोषणा की थी। इनमें पशुपालन मंत्री धर्मपाल सिंह, इलाहाबाद बार काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष राधाकांत ओझा, भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश पाल, पूर्व सांसद विद्यासागर सोनकर, गोपी कृष्ण पांडेय, पूर्व सांसद प्रियंका रावत, भाजपा के प्रदेश महामंत्री राम प्रताप चौहान और झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार की पुत्री श्रुति गंगवार शामिल थे। पार्टी द्वारा इन चेहरों के ऐलान ने सबको चौंका दिया। चर्चा में चल रहे तमाम बड़े नामों को दरकिनार करते हुए पार्टी ने इन नए चेहरों पर दांव लगाया है। हालांकि इनमें से कोई भी चेहरा दूसरे दल से आया हुआ नहीं है। भाजपा मुख्यालय पर मंगलवार को सुबह से ही भारी भीड़ जमा थी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने सभी प्रत्याशियों का स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा में ही सभी वर्गों का सम्मान सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि हमारे नेतृत्व की कथनी-करनी में अंतर नहीं है। सबका साथ-सबका ● शेष पेज 11 पर

- धर्मपाल, राधाकांत ओझा, प्रकाश पाल, विद्यासागर, गोपीकृष्ण, प्रियंका रावत, रामप्रताप व श्रुति गंगवार ने भरा पर्चा
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और डिप्टी सीएम केशव मौर्य व ब्रजेश पाठक रहे मौजूद

ससुर अशोक की वजह से कई बार पार्टी से निकाले गए आकाश : मायावती

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने बड़े भतीजे आकाश आनंद को कई बार पार्टी से बाहर किए जाने के लिए उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ को जिम्मेदार ठहराया है। बसपा सुप्रीमो ने मंगलवार को एक्स अकाउंट पर सफाई देते हुए आकाश की छवि को सुधारने का प्रयास किया है। वह पारिवारिक कलह के चलते बीते दिनों आकाश को लेकर रहे घटनाक्रम के बाद डैमेज कंट्रोल करती नजर आ रही हैं।

मायावती ने कहा कि आकाश शादी से पहले से पार्टी में काफी सक्रिय भूमिका निभा रहे थे, जिसकी वजह से इनको पार्टी से कभी भी नहीं निकाला गया। आकाश के ससुर अशोक सिद्धार्थ ने अपने निजी स्वार्थ में दामाद आकाश आनंद की इमेज को काफी कुछ खराब करने का प्रयास किया है। आकाश में सुधार लाने के खास मकसद से उन्हें पार्टी से कई बार निकालना भी पड़ा और गलती का एहसास होने पर आकाश को फिर पार्टी में वापस भी लेना पड़ा। मायावती ने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि अशोक सिद्धार्थ के राजनीति से संन्यास लेने के बाद अब ऐसी कोई स्थिति पैदा नहीं होगी, जिससे पार्टी को आकाश को फिर से अलग करना पड़े। मायावती ने कहा कि आकाश ने जिस तरह शादी से पहले पार्टी को कभी किसी शिकायत का मौका नहीं दिया, उन्हें उम्मीद है कि अशोक सिद्धार्थ के संन्यास लेने के बाद अब आकाश को कभी पार्टी से बाहर करने की नौबत नहीं आएगी। आकाश राजनीति में आगे ही बढ़ेंगे, इसकी सभी को पूरी उम्मीद है। मायावती ने सोमवार को आकाश को फिर से पार्टी का ● शेष पेज 11 पर



- बसपा सुप्रीमो का भतीजे आकाश की छवि सुधारने का प्रयास
- विधानसभा चुनाव में सक्रिय भूमिका होने का भी दिया संदेश

जीएसटी रिफंड अब 17 दिन में देने की तैयारी

नई दिल्ली। जीएसटी परिषद की इस सप्ताह होने वाली बैठक में कर रिफंड की प्रक्रिया आसान और तेज करने पर फैसला हो सकता है। परिषद सभी मामलों में जीएसटी रिफंड की समयसीमा घटाकर 17 दिन करने के प्रस्ताव पर विचार करेगी। अभी रिफंड मिलने में 21 से 45 दिन तक लगते हैं। प्रस्ताव के मुताबिक, रिफंड आवेदन की 10 दिन में जांच और पुष्टि की जाएगी। जोखिम के आधार पर पात्र मामलों में रिफंड की 90 फीसदी रकम पहले ही जारी की जा सकती है। इसके बाद जरूरी जांच पूरी कर बाकी रकम जारी की जाएगी। इसी के साथ बैठक में रजिस्ट्रेशन, रिटर्न, रिफंड, इनपुट टैक्स क्रेडिट और कर विवादों से जुड़ी प्रक्रियाओं में व्यापक सुधारों पर चर्चा होगी। करदाताओं को नोटिस जारी करने, सुनवाई और आदेश के लिए एक समान व्यवस्था बनाने का प्रस्ताव है। साथ ही एक तय सीमा से कम की कर राशि वाले मामलों में नोटिस नहीं देने पर भी विचार किया जाएगा। इससे छोटी-छोटी कर गड़बड़ियों को लेकर कारोबारियों को बार-बार नोटिस मिलने की समस्या कम हो सकती है। जीएसटी पंजीकरण की प्रक्रिया भी आसान की ● शेष पेज 11 पर

ब्रह्मांड के रहस्यों का रास्ता खोजने वाले हैल्जेन को नोबेल

एजेंसी

नई दिल्ली। ब्रह्मांड से जुड़े रहस्यों का रास्ता खोजने के लिए बेल्जियम में जन्मे 83 वर्षीय वैज्ञानिक फ्रांसिस हैल्जेन को भौतिकी का नोबेल पुरस्कार देने का ऐलान हुआ है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने मंगलवार को इसकी घोषणा करते हुए बताया कि आइसक्यूब न्यूट्रिनो ऑब्जर्वेटरी में हैल्जेन 1980 के दशक से न्यूट्रिनों पर काम कर रहे हैं। आइसक्यूब न्यूट्रिनो ऑब्जर्वेटरी की वेबसाइट के अनुसार शोध का केंद्र अंटार्कटिका के दक्षिणी ध्रुव पर स्थित है। यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कॉन्सिन-मैडिसन इसकी प्रमुख संस्था है और हैल्जेन इसी से जुड़े हैं। न्यूट्रिनो बेहद छोटे ब्रह्मांतीय कण हैं, जिनका द्रव्यमान बहुत ही कम होता है। इसके बावजूद वे हर जगह मौजूद हैं। सूर्य के आकार वाले तारों से बड़ी संख्या में न्यूट्रिनो निकलते हैं और हर सेकंड खरबों



न्यूट्रिनो हमारे शरीर से होकर गुजरते हैं। वैज्ञानिक इन रहस्यमय कणों को सीधे नहीं देख सकते। वैज्ञानिक इसे मापते हैं कि जब न्यूट्रिनो दूसरे पदार्थों के कणों से टकराते हैं तो क्या होता है। हैल्जेन ने न्यूट्रिनो के एक दुर्लभ समूह का अध्ययन किया जिसे वैज्ञानिक ब्रह्मांड के संदेशवाहक मानते हैं। वैज्ञानिक इन कणों के जरिए ये समझते हैं कि ब्रह्मांड का विकास कैसे हुआ और वहां होने वाली गतिविधि का क्या मतलब है। हैल्जेन को पुरस्कार के तौर पर 12 लाख अमेरिकी डॉलर मिलेंगे।

आइसक्यूब वेधशाला लगातार न्यूट्रिनो से जुड़े आंकड़े जुटाने में लगी है। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि लगातार बढ़ते आंकड़ों से उन ब्रह्मांतीय स्रोतों की पहचान करने का रास्ता आसान होगा जहां से ये अत्यधिक ऊर्जा वाले कण निकलते हैं। आंकड़ों से ब्रह्मांड में अब तक घटित अज्ञात घटनाओं के बारे में भी विस्तृत जानकारी मिल सकती है। हैल्जेन ने अपने शोध के जरिए साबित किया कि उच्च-ऊर्जा वाले न्यूट्रिनो को पकड़कर ब्रह्मांड की उन घटनाओं के बारे में जानकारी हासिल की जा सकती है, जिन्हें सामान्य प्रकाश या अन्य विकिरण से देखना कठिन है। इन कणों से वैज्ञानिकों को ब्लैक होल, सक्रिय आकाशगंगाओं और ब्रह्मांतीय किरणों जैसे अत्यंत ऊर्जावान स्रोतों के बारे में जानकारी मिल सकती है। हैल्जेन की सबसे बड़ी उपलब्धि आइस क्यूब न्यूट्रिनो ऑब्जर्वेटरी के विकास और संचालन से जुड़ी है। यह दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण न्यूट्रिनो ● शेष पेज 11 पर

तीन एक्सप्रेसवे के लिए 656 गांवों की 81,193 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित होगी

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश में तीन नए एक्सप्रेसवे के निर्माण की तैयारी तेज है। प्रदेश कैबिनेट में एक्सप्रेसवे के एलाइनमेंट की मंजूरी के बाद भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया शुरू हो गई है। तीनों एक्सप्रेसवे के लिए 10 जिलों के 656 गांवो की 81,193 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहीत की जाएगी। कुछ जिलों में भूमि अधिग्रहण के लिए गजट अधिसूचना जारी कर दी जाएगी। कई जिलों में यह प्रक्रिया में है। यूपीडा ने आसन्न विधानसभा चुनाव से पहले 15 से 30 दिसंबर के बीच शिलान्यास की तैयारी की है।

विंध्य एक्सप्रेसवे, विंध्य-पूर्वांचल एक्सप्रेसवे तथा मेरठ-हरिद्वार लिंक एक्सप्रेसवे के लिए जरूरी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। विंध्य एक्सप्रेसवे प्रयागराज, भदोही, मिर्ज़ापुर, सोनभद्र से होकर गुजरेगा। प्रयागराज के 71 गांवों की 862,76 हे., मिर्ज़ापुर के 91 गांवों की 1258.79 हेक्टेयर, भदोही के 71 गांवों की 472.74 हेक्टेयर तथा सबसे ज्यादा सोनभद्र के 109 गांवों की 2019.64 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहीत की जानी है। यह प्रयागराज में गंगा एक्सप्रेसवे से शुरू होगा और सोनभद्र में छत्तीसगढ़ की सीमा पर समाप्त होगा। इससे मेरठ से छत्तीसगढ़ की सीमा तक सीधी कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी। इसके टेंडर की प्रक्रिया 15 नंबर तक पूरी की जानी है। विंध्य-पूर्वांचल एक्सप्रेस वे गाजीपुर, चंदौली, मिर्ज़ापुर से गुजरेगा। यह मिर्ज़ापुर में चुनार के पास विंध्य एक्सप्रेसवे में कनेक्ट हो जाएगा। इसके लिए मिर्ज़ापुर के 35 गावों की 318.30 हेक्टेयर, चंदौली के 62 गांवों की 663.72 हेक्टेयर तथा गाजीपुर के 50 गांवों की 576.91 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहीत की जानी है। इसकी भी टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। माना जा रहा है कि दिसंबर में ही शिलान्यास की तैयारी है। मेरठ-हरिद्वार लिंक एक्सप्रेसवे के लिए अमरोहा, बिजनौर तथा हरिद्वार के 189 गांवों की भूमि अधिग्रहित की जानी है। अमरोहा के ● शेष पेज 11 पर



- जिला स्तर पर भूमि के लिए मुआवजा दर और गजट का अनुमोदन किया गया
- उत्तराखंड सरकार से सहमति मिली, एमओयू पर हस्ताक्षर होना बाकी है
- आसन्न विधानसभा चुनाव से पहले इनके भी शिलान्यास की तैयारी की जा रही
- किन जिलों से गुजरेगा एक्सप्रेसवे, कितनी जमीन किस जिले में अधिग्रहित होगी

छोटे उद्योगों को 10 हजार करोड़ की सौगात

परिवहन-लॉजिस्टिक्स के लिए बनेगा एकीकृत प्राधिकरण

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को देश के परिवहन, माल ढुलाई और लघु उद्योग क्षेत्र को गति देने के लिए कई महत्वपूर्ण फैसलों को मंजूरी दी। बैठक में एकीकृत परिवहन एवं माल ढुलाई प्राधिकरण के गठन के साथ-साथ सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए 10 हजार करोड़ रुपये के विकास कोष की स्थापना का निर्णय लिया गया।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि देश की अर्थव्यवस्था 7 से 8 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है, जबकि माल ढुलाई और परिवहन की मांग करीब 10 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। ऐसे में भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए एकीकृत परिवहन एवं माल ढुलाई प्राधिकरण का गठन किया जाएगा। नया प्राधिकरण देश में परिवहन और माल ढुलाई से जुड़ी समग्र योजना, अध्ययन, परियोजना मूल्यांकन, निगरानी, नीतिगत सहयोग और आंकड़ा विश्लेषण का प्रमुख संस्थान होगा।



सरकार के अनुसार, यह प्राधिकरण प्रधानमंत्री गतिशक्ति योजना के आधार को आगे बढ़ाते हुए अगले 10 से 30 वर्षों की परिवहन संबंधी जरूरतों का आकलन करेगा। इसके तहत यह तय करने में मदद मिलेगी कि भविष्य में देश को कितने नए रेल मार्ग, राजमार्ग, हवाई अड्डे, समुद्री बंदरगाह और अंतर्देशीय जलमार्ग की आवश्यकता होगी।

प्राधिकरण सड़क, रेल, बंदरगाह, नागरिक उड्डयन, तटीय जहाजरानी और शहरी परिवहन जैसे सभी साधनों को एकीकृत एवं वैज्ञानिक तरीके से जोड़ने का काम करेगा।

मंत्रिमंडल ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के विस्तार के लिए 10 हजार करोड़ रुपये का विशेष विकास कोष बनाने को भी मंजूरी दी है। इसका उद्देश्य छोटे और मध्यम उद्योगों को कारोबार बढ़ाने के लिए आवश्यक पूंजी उपलब्ध कराना है। इस कोष से उद्योगों को उत्पादन क्षमता बढ़ाने, नई तकनीक अपनाने और अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा मजबूत करने में मदद मिलने की उम्मीद है। सरकार का मानना है कि इससे छोटे कारोबारों के विस्तार के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रस्ताव पारित कर पिछले 25 साल में मोदी की उपलब्धियों की प्रशंसा की

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पिछले 25 वर्षों की उपलब्धियों की तारीफ की गई, जिनमें पहले गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर उनका कार्यकाल और बाद में प्रधानमंत्री के तौर पर उनका कार्यकाल शामिल है। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बारे में संवाददाताओं को जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रस्ताव 7 अक्टूबर 2001 से 7 अक्टूबर 2026 के बीच मोदी की लगातार जनसेवा को रेखांकित करता है। प्रस्ताव में मोदी द्वारा लिए गए उन कई फैसलों का जिक्र किया गया, जिन्होंने आम लोगों के जीवन को प्रभावित किया है और देश में आत्मविश्वास जगाया है। वैष्णव ने कहा कि मोदी की सफलता और लंबी सेवा उनके कामकाज के तरीके में लोगों के भरोसे और विश्वास का नतीजा है, और यह भारतीय लोकतंत्र की मजबूती का जीवंत उदाहरण है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में एबीवीपी की 'चिंतन चौपाल'

कैनविज टाइम्स संवाददाता



लखनऊ। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) लखनऊ विश्वविद्यालय इकाई द्वारा मंगलवार को आयोजित चिंतन चौपाल के छठे संवाद का सफल आयोजन किया गया। इस बार संवाद का मुख्य विषय वैचारिक कार्यप्रणाली एवं सामाजिक क्षति रहा, जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

इस वैचारिक गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में राजनीति विज्ञान संकाय के सहायक आचार्य डॉ. जितेन्द्र शुक्ला मौजूद रहे। उन्होंने छात्रों व शोधार्थियों के साथ विचारधारा, वैचारिक कार्यप्रणाली और समाज पर पड़ने वाले उसके विभिन्न प्रभावों पर गहराई से चर्चा की। संवाद के दौरान समाज में पनप रहे ह्रदिमागी नक्सलवादङ्क की अवधारणा, उसके वैचारिक आधार और काम करने के तरीकों पर विस्तार से विमर्श किया गया। चर्चा में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि किस प्रकार विचारों के प्रसार की कुछ प्रक्रियाएँ समाज और सार्वजनिक जीवन पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं। डॉ. शुक्ला और उपस्थित छात्रों ने इस बात को रेखांकित किया कि उग्र वैचारिक ध्रुवीकरण, संस्थागत अविश्वास और सामाजिक तनाव किस तरह बड़े पैमाने पर समाज में असहमति, आपसी संघर्ष और अव्यवस्था को जन्म दे सकते हैं। इस बौद्धिक विमर्श को समृद्ध बनाने में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से आए शोधार्थियों और छात्र-छात्राओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने विषय से जुड़े कई तीखे व तार्किक प्रश्न पूछे और अपने दृष्टिकोण साझा किए, जिससे यह संवाद बेहद जीवंत

पीएम सूर्य घर योजना में यूपी देश में प्रथम, शर्मा ने उपलब्धि पर जताया आभार

कैनविज टाइम्स संवाददाता



लखनऊ । प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत उत्तर प्रदेश ने देश में प्रथम स्थान हासिल किया है। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में यूपीनेडा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में मंत्री को कुशल मार्गदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

ए.के. शर्मा ने इस उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त करते हुए यूपीनेडा के अधिकारियों-कर्मचारियों, सोलर क्षेत्र से जुड़े हितधारकों और प्रदेशवासियों को बधाई दी।

मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के विजन और मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि पीएम सूर्य घर योजना में देश में प्रथम स्थान हासिल करना किसी एक व्यक्ति या संस्था की उपलब्धि नहीं, बल्कि अधिकारियों-कर्मचारियों, सोलर क्षेत्र से जुड़े सभी हितधारकों और प्रदेशवासियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। श्री शर्मा ने कहा कि यूपीनेडा पूरे प्रदेश के लिए गौरवशाली संस्था है। देश में प्रथम स्थान हासिल करना यूपीनेडा की पूरी टीम के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इस उपलब्धि के बाद रुकना नहीं है, बल्कि सौर ऊर्जा के विस्तार को और तेजी से आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में रूफटॉप सोलर के विस्तार की गति को लगातार बनाए रखते हुए अधिक से अधिक घरों को सौर ऊर्जा से जोड़ने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा के क्षेत्र में प्रदेश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। मंत्री ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अपने पूर्व के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि जब प्रदेश में रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन की शुरुआत हुई थी, तब इसकी संख्या काफी कम थी। उस समय उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा था कि एक दिन यूपीनेडा देश में प्रथम स्थान हासिल करेगा। आज यह उपलब्धि पूरी टीम के परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने गुजरात में अपने पूर्व कार्यकाल का उल्लेख करते हुए बताया कि उस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के प्रथम सोलर पार्क के लिए जमीन तलाशने का दायित्व भी उन्हें सौंपा था। उन्होंने कहा कि देश में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में शुरू हुआ व्यापक अभियान अब जन-जन तक पहुंच रहा है और उत्तर प्रदेश भी इसमें तेजी से आगे बढ़ रहा है। श्री शर्मा ने कहा कि रूफटॉप सोलर केवल बिजली की जरूरतों को पूरा करने का माध्यम नहीं है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। सौर ऊर्जा के उपयोग से स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलता है और प्रदूषण कम करने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा को अपनाना प्रकृति की सेवा भी है।

मोदी और योगी के मार्गदर्शन में यूपी ने आवास निर्माण में रचा नया कीर्तिमान : श्री ए.के. शर्मा



लखनऊ। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश को लगातार तीसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य के रूप में सम्मानित किया गया है। इस उपलब्धि के अवसर पर राज्य नगरीय विकास अभिकरण (सूडा), लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ए.के. शर्मा ने इस उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त करते हुए विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश का राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित होना प्रदेश के लिए गौरव की बात है। मंत्री ने कहा कि इस उपलब्धि में विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के माध्यम से प्रदेश के लाखों परिवारों के पक्के घर का सपना साकार हुआ है। सरकार की प्राथमिकता है कि शहरी क्षेत्रों में रहने वाले पात्र एवं जरूरतमंद परिवारों को बेहतर आवासीय सुविधा उपलब्ध हो और उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिले। कार्यक्रम के दौरान नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र लाभार्थियों के चयन से लेकर आवास निर्माण तक की पूरी प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि योजना का लाभ वास्तविक पात्र लाभार्थियों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचना चाहिए और किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से योजना के क्रियान्वयन में पूरी प्रतिबद्धता और तेजी के साथ कार्य करने को कहा।

गिट्टी-बोल्डर लदे वाहनों से राहगीरों की जान खतरे में, कार्रवाई की मांग

कोरांव में दिनदहाड़े ओवरलोड ट्रैक्टरों का आतंक

कैनविज टाइम्स संवाददाता



प्रयागराज। कोरांव थाना क्षेत्र में ओवरलोड वाहनों के संचालन से राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। आरोप है कि ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में क्षमता से अधिक गिट्टी, बोल्डर, पत्थर, भस्सी और ईंट लादकर दिनदहाड़े परिवहन किया जा रहा है। इससे सड़क पर चलने वाले लोगों के लिए दुर्घटना का खतरा बना हुआ है।

कोरांव मुख्य बाजार में सामने आए एक मामले में ट्रैक्टर-ट्रॉली पर भारी मात्रा में गिट्टी लदी दिखाई दी। आरोप है कि कई वाहन बिना तिरपाल ढके ही चलते हैं, जिससे गिट्टी और पत्थर सड़क पर गिरते रहते हैं। इससे पीछे चल रहे दोपहिया वाहन चालकों के फिसलकर दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका बनी रहती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सुबह से शाम तक बड़ी संख्या में ओवरलोड ट्रैक्टर बाजार से गुजरते हैं।

भारी वाहनों की आवाजाही के कारण कई बार जाम की स्थिति बन जाती है। इससे स्कूली बच्चों, महिलाओं और राहगीरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पुलिस और परिवहन विभाग की प्रभावी कार्रवाई नहीं होने के कारण ओवरलोड परिवहन पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। लोगों ने जिलाधिकारी प्रयागराज और पुलिस आयुक्त प्रयागराज से ओवरलोड वाहनों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है।

शिक्षक-अधिवक्ताओं को जोड़कर सेवा कार्यों का विस्तार करेगी समिति

कैनविज टाइम्स संवाददाता



लखनऊ। समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय भारतीय जन सेवा समिति की महत्वपूर्ण बैठक राजाजीपुरम के ई-ब्लॉक में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष शैलेश बाजपेयी 'शीलू' ने की। इस दौरान संगठन के विस्तार, समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने और सेवा कार्यों को व्यापक स्तर पर संचालित करने पर चर्चा हुई।

बैठक में सर्वसम्मति से पूर्व प्रधानाचार्य, राज्य पुरस्कार से सम्मानित शिक्षाविद् एवं पर्यावरणविद् डॉ. हरि नारायण उपाध्याय को शिक्षक सभा का प्रदेश अध्यक्ष तथा वरिष्ठ अधिवक्ता सत्येंद्र मिश्रा को अधिवक्ता सभा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया। समिति अध्यक्ष शैलेश बाजपेयी ने दोनों नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्षों को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षक भावी पीढ़ी के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जबकि अधिवक्ता न्याय, अधिकार और विधिक जागरूकता के सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक और अधिवक्ता समाज के अनुभवी एवं बुद्धिजीवी वर्ग को संगठन से जोड़कर समाजहित के कार्यों को नई दिशा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि समिति का उद्देश्य केवल सेवा कार्यों तक सीमित रहना नहीं, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाकर उनके अनुभव और प्रतिभा का उपयोग राष्ट्र एवं समाजहित में करना है। शिक्षक सभा और अधिवक्ता सभा का गठन इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इनके माध्यम से शिक्षा, संस्कार, विधिक जागरूकता और सामाजिक सेवा से जुड़े कार्यक्रमों को व्यापक स्तर पर संचालित किया जाएगा। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष डॉ. हरि नारायण उपाध्याय और सत्येंद्र मिश्रा ने समिति के प्रति आभार जताते हुए संगठन के उद्देश्यों के अनुरूप पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। बैठक में अधिवक्ता अवधेश शर्मा, योगेंद्र नारायण तिवारी, अरुण पाठक, आशीष रतन द्विवेदी, कुसुम गुप्ता, मीना चौबे, मीरा बंसल, हेमा झा, रंजना सिंह, दीप्ति सिंह तोमर, मधु चौहान, ज्योति गुप्ता समेत समिति के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

शौच के लिए निकले आठ लोग बाढ़ में बहे, एक युवक की मौत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बख्शी का तालाब,लखनऊ। बाढ़ प्रभावित लासा गांव में मंगलवार सुबह शौच के लिए निकले आठ लोग तेज पानी के बहाव में बह गए। सात लोगों ने किसी तरह अपनी जान बचा ली, जबकि 18 वर्षीय विमल तेज बहाव की चपेट में आकर तालाब की गहराई में चला गया। करीब तीन घंटे की तलाश के बाद उसका शव तालाब के किनारे नाले में मिला। घटना के बाद ग्रामीणों ने गांव में नाव उपलब्ध न होने का आरोप लगाते हुए इटौंजा-माल मार्ग पर प्रदर्शन भी किया। लासा गांव निवासी कृष्ण कुमार का पुत्र विमल मंगलवार सुबह अपने बड़े भाई अनूप समेत हिमांशु, रामहरख, रविंद्र, रोशन, अनुराग और सूरज के साथ शौच के लिए घर से निकला था। ग्रामीणों के मुताबिक बाढ़ का पानी गांव में भरा होने के कारण नाव उपलब्ध नहीं थी। सभी लोग पैदल सड़क से जा रहे थे। लासा मंदिर के पास पानी में डूबी सड़क पार करते समय अचानक तेज बहाव की चपेट में आ गए। सात लोग किसी तरह पानी से बाहर निकल आए, लेकिन विमल बहकर तालाब की गहराई में चला गया। सूचना पर एनडीआरएफ और पीएसी की टीम नाव लेकर मौके पर पहुंची और युवक की तलाश शुरू की। काफी प्रयास के बाद भी उसका पता नहीं चला। इसके बाद स्थानीय ग्रामीण रामकुमार और अन्य लोग नाव से तालाब में उसकी तलाश करने लगे। करीब तीन घंटे बाद तालाब के किनारे नाले में शव दिखाई दिया। जाल और कांटा डालकर शव को बाहर निकाला गया। घटना की जानकारी पर एसडीएम बीकेटी आकाश कुमार, तहसीलदार शरद सिंह और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने नाव की व्यवस्था न होने पर नाराजगी जताते हुए इटौंजा-माल मार्ग पर कुछ देर प्रदर्शन किया।परिजनों ने पहले शव का पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया। मृतक के बड़े भाई अनूप को नौकरी और परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की गई। तहसीलदार शरद सिंह ने रोजगार उपलब्ध कराने का लिखित आश्वासन दिया। इसके बाद परिजन पोस्टमार्टम के लिए शव ले जाने पर सहमत हुए।

बीबीएयू में ईईजी कार्यशाला, न्यूरोसाइंस के नए प्रयोगों की दी जानकारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता



लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) में मंगलवार को स्कूल ऑफ योग, नेचुरोपैथी एंड कॉग्निटिव स्टडीज के योग विभाग की ओर से 'ब्रेन पोटेंशियल : द ईईजी कार्यशाला' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें विशेषज्ञों ने मस्तिष्क संकेतों, इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राफी (ईईजी), इवोक्ड पोटेंशियल्स, इवेंट-रिलेटेड पोटेंशियल्स और ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफ़ेस के वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी। कार्यशाला के मुख्य अतिथि मैगस्टिम ईजीआई, अमेरिका के डॉ. सुहास विंचुरकर ने कहा कि ईईजी तकनीक मस्तिष्क की विद्युत गतिविधियों को वैज्ञानिक तरीके से समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। न्यूरोसाइंस के क्षेत्र में इसका महत्व तेजी से बढ़ रहा है। इसके माध्यम से मस्तिष्क की कार्यप्रणाली को समझने के साथ शोध, शिक्षा और मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में नई संभावनाएं विकसित की जा सकती हैं। उन्होंने ईईजी के वैज्ञानिक और जिम्मेदार उपयोग के साथ तंत्रिका गोपनीयता, सूचित सहमति और नैतिक पहलुओं के प्रति जागरूकता पर जोर दिया। योग विभागाध्यक्ष डॉ. दीपेश्वर सिंह ने बताया कि इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राफी सुरक्षित, गैर-आक्रामक और दर्दरहित तकनीक है, जिसके माध्यम से मस्तिष्क की विद्युत गतिविधियों में होने वाले बदलावों को रिकॉर्ड किया जाता है। उन्होंने डेल्टा, थीटा, अल्फा और बीटा मस्तिष्क तरंगों के महत्व की भी जानकारी दी। कार्यशाला में चार तकनीकी सत्र हुए। इनमें ईईजी के मूल सिद्धांत, मस्तिष्क संकेत, न्यूरोनल कंडक्शन एवं एक्शन पोटेंशियल्स, इवोक्ड एवं इवेंट-रिलेटेड पोटेंशियल्स तथा इनके शोध अनुप्रयोगों पर चर्चा की गई। प्रतिभागियों को ईईजी का व्यावहारिक प्रदर्शन भी कराया गया। कार्यशाला में ईईजी एवं ईआरपी आंकड़ों का संकलन, आंकड़ा विश्लेषण, ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफ़ेस, न्यूरोमॉड्यूलेशन और उपकरणों के चयन से जुड़े पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही तंत्रिका गोपनीयता, सहमति और सुरक्षा जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। अंत में प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर एआई की समन्वयक प्रो. बबिता पाण्डेय, डॉ. नवीन जीएच, डॉ. नरेंद्र सिंह, डॉ. कंचन यादव समेत शिक्षक, शोधार्थी और विद्यार्थी मौजूद रहे।

पुलिस ने डीजे संचालकों को चेतावनी और महिलाओं को किया जागरूक

कैनविज टाइम्स संवाददाता



नैनी, प्रयागराज। थाना नैनी पुलिस ने मंगलवार को कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा को लेकर दो अलग-अलग अभियान चलाए। एक ओर पुलिस ने डीजे संचालकों के साथ बैठक कर ध्वनि मानकों और यातायात नियमों का पालन करने के निर्देश दिए, वहीं दूसरी ओर मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

थाना परिसर में प्रभारी निरीक्षक ने डीजे संचालकों की बैठक लेकर स्पष्ट निर्देश दिए कि डीजे की आवाज निर्धारित मानकों के अनुरूप ही रखी जाए। तेज आवाज में डीजे बजाने और यातायात में बाधा उत्पन्न करने से बचने को कहा गया। डीजे वाहन सड़क किनारे चलाने तथा यातायात व्यवस्था प्रभावित न करने के निर्देश भी दिए गए। नियमों का उल्लंघन करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई। वहीं मिशन शक्ति चरण-5.0 के तहत नैनी थाना क्षेत्र की मिशन शक्ति टीम ने कांशीराम आवास पहुंचकर महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक किया। टीम ने महिला सुरक्षा, अधिकारों और सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान महिला हेल्पलाइन 1090, घरेलू हिंसा हेल्पलाइन 181, बाल हेल्पलाइन 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, स्वास्थ्य सेवा 102, एंबुलेंस सेवा 108 और साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 के बारे में विस्तार से बताया गया। पुलिस टीम ने महिलाओं से किसी भी परेशानी की स्थिति में तत्काल संबंधित हेल्पलाइन या पुलिस से संपर्क करने की अपील की।

संदीप की मौत के बाद मल्हौर रोड पर हंगामा, परिजनों ने लगाया जाम

कैनविज टाइम्स संवाददाता



चिनहट लखनऊ। चिनहट बाजार में सड़क किनारे मरणासन्न हालत में मिले मैकेनिक संदीप सोनी (23) की मौत के मामले में मंगलवार को परिजनों का आक्रोश सड़क पर उतर आया। न्याय की मांग को लेकर परिजनों ने मल्हौर रोड पर जाम लगा दिया और पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गुहार लगाई। सड़क पर जाम लगने से यातायात प्रभावित हो गया।

परिजनों का आरोप है कि संदीप को फोन करके घर से बुलाया गया था और इसके बाद उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए संदीप की कॉल डिटेल निकलवाने, आखिरी बार किन लोगों से बातचीत हुई इसकी जानकारी जुटाने और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने की मांग की है। न्यू नंदी विहार कॉलोनी निवासी संदीप चिनहट स्थित टीवीएस दोपहिया शोरूम की वर्कशॉप में मैकेनिक था। उसके मामा नितिन के मुताबिक, रविवार रात करीब आठ बजे संदीप अपनी पत्नी शोभा से दोस्त की जन्मदिन पार्टी में जाने की बात कहकर पैदल घर से निकला था। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। देर रात पत्नी ने फोन किया तो मोबाइल स्विच ऑफ मिला। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला।

सोमवार सुबह करीब छह बजे चिनहट बाजार में लोगों ने एक युवक को सड़क किनारे मरणासन्न हालत में पड़ा देखा। सूचना पर पहुंची पुलिस उसे राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। दोपहर करीब तीन बजे पुलिस ने परिजनों को घटना की जानकारी दी। अस्पताल पहुंचे भाई तुषार ने शव की पहचान संदीप के रूप में की। भाई तुषार का कहना है कि संदीप के पास मौजूद मोबाइल भी गायब है। परिवार को आशंका है कि किसी ने फोन करके उसे बुलाया और फिर उसके साथ वारदात की गई। परिजनों ने पुलिस से संदीप के मोबाइल की लोकेशन, कॉल डिटेल और आखिरी बातचीत की जानकारी जुटाने के साथ ही रास्ते और घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने की मांग की है। परिजनों के मुताबिक संदीप की शादी महज पांच माह पहले 12 मई को हुई थी। उसकी मौत से पत्नी समेत पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। चिनहट इंस्पेक्टर दिनेश चंद्र मिश्रा के मुताबिक, परिजनों की ओर तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कोरांव-मांडा में योजनाओं के लाभार्थियों से लिया फीडबैक, 50 संकेतकों पर होगी प्रगति की जांच

आकांक्षी विकासखंडों में अफसरों ने परखी विकास की जमीनी हकीकत

कैनविज टाइम्स संवाददाता



प्रयागराज। प्रदेश में विकास, सुशासन, कानून-व्यवस्था और रोजगार सृजन को गति देने के साथ सरकार योजनाओं की जमीनी स्थिति की भी निगरानी कर रही है। इसी क्रम में आकांक्षी विकासखंडों में सरकारी योजनाओं से हुए बदलाव की वास्तविक स्थिति जानने के लिए मंगलवार को उच्च अधिकारियों की दो टीमों ने प्रयागराज के कोरांव और मांडा विकासखंडों का स्थलीय निरीक्षण किया।

प्रदेश के 42 जिलों के 108 आकांक्षी विकासखंडों में प्रयागराज के कोरांव, बहरिया और मांडा का भी चयन किया गया है। इन विकासखंडों में योजनाओं की प्रगति और लोगों को मिल रहे लाभ की वास्तविक स्थिति जानने के लिए विशेष सचिव एवं निदेशक स्तर के अधिकारियों की टीमें पहुंची हैं। विशेष सचिव एवं आईएएस प्रेरणा शर्मा के नेतृत्व में पहली टीम ने कोरांव विकासखंड का निरीक्षण किया। टीम ने रामगढ़ ग्राम पंचायत पहुंचकर प्राथमिक विद्यालय में विद्यार्थियों से बातचीत की और शिक्षा व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। इसके बाद आंगनबाड़ी केंद्र और पंचायत भवन का निरीक्षण कर विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से फीडबैक लिया गया। टीम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोरांव पहुंचकर ओपीडी व्यवस्था देखी और मरीजों से स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। वहीं विशेष सचिव राघवेंद्र पांडे के नेतृत्व में दूसरी टीम ने मांडा विकासखंड का निरीक्षण किया। टीम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मांडा की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के बाद चकडीहा और राजापुर ग्राम पंचायतों का भ्रमण किया। यहां स्थानीय लोगों और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से बातचीत कर सरकारी योजनाओं के असर की जानकारी ली गई। आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि एवं संबद्ध सेवाएं, आधारभूत ढांचा और सामाजिक विकास समेत पांच क्षेत्रों के 50 संकेतकों के आधार पर विकास की निगरानी की जा रही है। अधिकारियों की टीम इन्हीं संकेतकों पर योजनाओं की प्रगति और धरातल पर हुए बदलाव का आकलन करेगी। मंगलवार को कोरांव और मांडा का निरीक्षण पूरा कर लिया गया। बुधवार को टीम जिले के तीसरे आकांक्षी विकासखंड बहरिया का स्थलीय निरीक्षण करेगी। निरीक्षण के बाद विकास की वास्तविक स्थिति पर तैयार रिपोर्ट 9 अक्टूबर तक नियोजन विभाग के पोर्टल पर अपलोड की जाएगी।

कानून और विज्ञान का संगम है फोरेंसिक विज्ञान : डॉ. गोस्वामी

कैनविज टाइम्स संवाददाता



लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य फोरेंसिक विज्ञान संस्थान, लखनऊ में मंगलवार को प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस) 2025 बैच के 38 प्रशिक्षणाधीन अधिकारियों ने संस्थान का भ्रमण किया। इस दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों ने संस्थान में स्थापित डीएनए और ड्रोन प्रयोगशालाओं का अवलोकन कर फोरेंसिक जांच की तकनीकी बारीकियों की जानकारी ली।

संस्थान के संस्थापक निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी ने प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि फोरेंसिक विज्ञान के माध्यम से सच्चाई को वैज्ञानिक आधार पर कानून के समक्ष प्रस्तुत कर न्याय दिलाने में सहयोग करना संस्थान का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि कानून और विज्ञान का संगम ही फोरेंसिक विज्ञान है और फोरेंसिक एक दृष्टिकोण है।

उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि क्षेत्र में सिविल सेवा की जिम्मेदारी चुनौतीपूर्ण होती है और इसके लिए त्याग, समर्पण तथा विषम परिस्थितियों में कार्य करने की मानसिक तैयारी आवश्यक है। डॉ. गोस्वामी ने नए कानूनों के संदर्भ में न्याय, सत्य और साक्ष्य के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में साइबर और फोरेंसिक विज्ञान का महत्व लगातार बढ़ रहा है। आधुनिक तकनीक पर बढ़ती निर्भरता के कारण व्यक्ति अपने पीछे कहीं न कहीं डिजिटल निशान छोड़ता है, ऐसे में फोरेंसिक जांच अपराध की सच्चाई तक पहुंचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रशिक्षु अधिकारियों को मृत्युकालीन बयान के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी गई। डॉ. गोस्वामी ने बताया कि जब ऐसी स्थिति हो कि घायल या पीड़ित की मृत्यु की आशंका हो और तत्काल बयान दर्ज नहीं किया गया तो महत्वपूर्ण साक्ष्य समाप्त हो सकता है, तब बयान दर्ज करना आवश्यक हो जाता है।

उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में पुलिस या चिकित्सक की सूचना पर मजिस्ट्रेट को पीड़ित की भाषा में ही उसका बयान दर्ज करना चाहिए, जो कानूनी रूप से ग्राह्य हो सकता है। उन्होंने संभव होने पर बयान की डिजिटल अभिलेखीय रिकॉर्डिंग कराने पर भी जोर दिया। यदि पीड़ित बोलने में सक्षम न हो लेकिन लिखकर अपनी बात बताने में सक्षम हो, तो ऐसा लिखित बयान भी परिस्थितियों के अनुसार मृत्युकालीन बयान माना जा सकता है। संस्थान के अपर निदेशक संजीव सुमन ने प्रशिक्षु अधिकारियों को संस्थान की गतिविधियों, प्रयोगशालाओं और कार्यप्रणाली की जानकारी दी। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक चिरंजीव मुखर्जी, अतुल यादव, पलक अनेजा, सेंथिल शिव सुब्रमण्यम, जनसंपर्क अधिकारी संतोष कुमार तिवारी, आरआई शैलेन्द्र सिंह सहित संस्थान के शैक्षणिक संवर्ग के अधिकारी एवं संकाय सदस्य मौजूद रहे।

गोमती के उफान से चंद्रिका देवी मंदिर जाने वाला रास्ता बंद

अमावस्या और नवरात्र से पहले बढ़ी चिंता, पानी कम होने तक श्रद्धालुओं के दर्शन पर रोक

कैनविज टाइम्स संवाददाता



बख्शी का तालाब,लखनऊ। गोमती नदी का जलस्तर बढ़ने से मां चंद्रिका देवी मंदिर के आसपास का इलाका जलमग्न हो गया है। मंदिर के तीनों ओर पानी बढ़ने से श्रद्धालुओं के आने-जाने वाले रास्ते डूब गए हैं। सुरक्षा के मद्देनजर मंदिर में श्रद्धालुओं के दर्शन फिलहाल रोक दिए गए हैं। मंदिर मार्ग पर बैरियर, चेतावनी बोर्ड और बांस-बल्लियों से बैरिकेडिंग कर आवागमन बंद कर दिया गया है।

10 अक्टूबर को अमावस्या और 11 अक्टूबर से शुरू हो रहे नवरात्र को लेकर मंगलवार को भाजपा एमएलसी एवं मंदिर संरक्षक पवन सिंह चौहान ने मंदिर कमेटी और पुलिस-प्रशासन के साथ बैठक की। इसमें श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और जलभराव की स्थिति की समीक्षा की गई। तय हुआ कि पानी कम होने और मार्ग सुरक्षित होने के बाद ही अमावस्या व नवरात्र में दर्शन की अनुमति पर फैसला लिया जाएगा।मंदिर मार्ग के संवेदनशील स्थानों पर रस्सी और बांस-बल्लियों से बैरिकेडिंग कर लोगों को आगे जाने से रोका गया है। मंदिर पुजारियों, हनुमानगढ़ी मंदिर के पुजारी और सीताराम दर्शनार्थियों के लिए पास की व्यवस्था करने पर भी चर्चा हुई।

पानी के बीच स्टंट करने और रील बनाने वालों पर पुलिस की विशेष नजर रहेगी। ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। वहीं माल थाना क्षेत्र के कोलवा पुल पर भी बढ़ते जलस्तर को देखते हुए आवागमन रोकने के निर्देश दिए गए हैं।मंदिर संरक्षक एवं महामंत्री अनुराग तिवारी ने कमेटी सदस्यों के साथ जलमग्न मार्गों का निरीक्षण किया। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि जलस्तर कम होने तक मंदिर जाने का जोखिम न उठाएं और सुरक्षा के लिए लगाए गए बैरियर व चेतावनी बोड का पालन करें।

करंट लगने से तीन मासूम बच्चे झुलसे, दो मेडिकल कॉलेज रेफर, इलाज जारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता



मलिहाबाद/लखनऊ। लोहे की चारपाई में उतरे करंट की चपेट में आने से पास खेल रहे तीन मासूम बच्चे गंभीर रूप से झुलस गए। बच्चों की चीख सुनकर समय रहते बिजली का स्विच बंद कर बच्चों को बचा लिया गया। आनन-फानन में तीनों को सीएचसी ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दो बच्चों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें लखनऊ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। मलिहाबाद के टांडखेड़ा मजरा गोशालालपुर निवासी किसान संदीप ने बताया कि उनके दोनों बच्चे आराध्या 6 वर्ष और मयंक 5 वर्ष केजी के छात्र हैं। मंगलवार को दोनों स्कूल नहीं गए थे। सुबह करीब नौ बजे घर के भीतर बनी दुकान के पास आराध्या और मयंक के साथ काकोरी निवासी उनके साले का डेढ़ वर्षीय बेटा दुर्गेश खेल रहा था। वहीं पास में लोहे की एक चारपाई रखी थी। जमीन पर रखे फर्राटा पंखे का तार चारपाई के नीचे दबकर कट गया था, जिससे पूरी चारपाई में करंट दौड़ रहा था। खेलते-खेलते तीनों बच्चे जैसे ही चारपाई के संपर्क में आए, वे करंट की चपेट में आ गये। बच्चों की चीख-पुकार सुनकर सामने काम कर रहे संदीप के भाई अमन दौड़कर मौके पर पहुंचे और बिना देर किए पंखे का स्विच बंद कर बच्चों को अलग किया। जिससे बड़ी अनहोनी होते होते टल गई। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि तीनों बच्चों का इलाज जारी है और डॉक्टरों के अनुसार सभी अब खतरे से बाहर हैं।

चिनहट में अतिक्रमण हटाने पर बवाल, दूसरे दिन भी नहीं थमा विवाद

कैनविज टाइम्स संवाददाता



चिनहट लखनऊ। चिनहट में नगर निगम के अतिक्रमण हटाओ अभियान को लेकर शुरू हुआ विवाद दूसरे दिन भी थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को चिनहट तिराहे पर अतिक्रमण हटाने पहुंची नगर निगम की परिवर्तन दल की टीम और रेहड़ी-पटरी दुकानदारों के बीच हुआ विरोध मंगलवार को नगर निगम जोन-4 तक पहुंच गया। कार्रवाई से नाराज चिनहट प्रथम के पार्षद अरुण राय की अगुवाई में रेहड़ी-पटरी दुकानदारों और समर्थकों ने जोन-4 कार्यालय का घेराव कर धरना शुरू कर दिया।

दरअसल, सोमवार को परिवर्तन दल की टीम चिनहट तिराहे पर फल मंडी और सड़क किनारे रेहड़ी-पटरी पर लगे ठेलों को हटाने पहुंची थी। कार्रवाई शुरू होते ही दुकानदारों ने विरोध जताना शुरू कर दिया। देखते ही देखते विरोध बढ़ गया और मौके पर माहौल गरमा गया। विरोध की सूचना पर चिनहट प्रथम के पार्षद अरुण राय मौके पर पहुंचे। इस दौरान उनकी जोनल अधिकारी शिल्पा कुमारी से तीखी नोकझोंक हो गई। घटना के बाद मंगलवार को पार्षद ने नगर निगम के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और समर्थकों व रेहड़ी-पटरी दुकानदारों के साथ जोन-4 कार्यालय का घेराव कर दिया। पार्षद और उनके समर्थकों ने दोपहर करीब दो बजे से जोन-4 कार्यालय के बाहर धरना शुरू किया।

पार्षद का आरोप है कि नगर निगम की ओर से रेहड़ी-पटरी दुकानदारों के खिलाफ अनुचित तरीके से कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कथित अवैध वसूली का आरोप लगाते हुए मामले की जांच और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई। धरना स्थल पर देर शाम पार्षद अरुण राय ने हनुमान चालीसा का पाठ शुरू कर दिया। उनका कहना है कि दोपहर से धरना चल रहा है, लेकिन अभी तक नगर निगम का कोई अधिकारी उनसे बातचीत करने के लिए मौके पर नहीं पहुंचा है। पार्षद ने साफ कहा कि जब तक उनकी मांगों पर अधिकारियों की ओर से बातचीत और कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक उनका धरना जारी रहेगा। वहीं, मामले को लेकर नगर निगम और पार्षद पक्ष के बीच टकराव बढ़ने से चिनहट में अतिक्रमण हटाओ अभियान को लेकर विवाद गहराता नजर आ रहा है।

बाढ़ पीड़ितों से मिले नीरज सिंह,राशन सामग्री भी वितरित की



लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। फैजुल्लागंज के दाउदनगर क्षेत्र में गोमती नदी के बढ़ते जलस्तर से प्रभावित परिवारों से भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सिंह ने आज नाव से पहुंचकर मुलाकात की और राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी ली। नीरज सिंह ने पुराना दाउदनगर एवं मामा कॉलोनी में बाढ़ प्रभावित परिवारों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और सरकारी सुविधाओं की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली। उन्होंने पीड़ितों को राशन सामग्री भी वितरित किया। इस दौरान भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, क्षेत्रीय विधायक डॉ. नीरज बोरा, रक्षा मंत्री के प्रतिनिधि के.पी. सिंह, उत्तर मंडल 4 की ईमानदार, कर्मठ, जुझारू मंडल मंत्री श्रिया निगम सहित प्रशासनिक अधिकारी एडीएम एम.बी. सिंह एवं उप जिलाधिकारी साहिल कुमार मौजूद रहे।

घर घर जाकर बांटा राशन एवं पानी

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। गोमती नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण दाउदनगर क्षेत्र में बने बाढ़ जैसे हालात के बीच क्षेत्रीय विधायक डॉ. नीरज बोरा की टीम द्वारा लगातार पांचवें दिन भी राहत एवं सहायता अभियान जारी रखा गया। टीम ने बाढ़ प्रभावित परिवारों तक पहुंचकर राशन सामग्री एवं पानी की बोतलों का वितरण किया। इस दौरान बोरा फाउंडेशन की चेयरपर्सन एवं समाजसेवी बिंदु बोरा एवं निदेशक इंजीनियर वत्सल बोरा ने नाव के माध्यम से प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री एवं पेयजल उपलब्ध कराया। और उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। समाजसेवी बिंदु बोरा ने कई महिलाओं से बातचीत की और उनके एवं बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली। टीम ने लोहरामऊ, मामा कॉलोनी, विष्णुपुरी, गणेश विहार, शिव शक्ति नगर, जैन कॉलोनी एवं चौबे की डेयरी सहित अन्य प्रभावित स्थानों पर जरूरतमंद परिवारों से मुलाकात कर राहत सामग्री वितरण किया। टीम में सतीश वर्मा, उत्तर मंडल 4 की ईमानदार, कर्मठ, जुझारू मंडल मंत्री श्रिया निगम, लवकेश सिंह, शिवम श्रीवास्तव, दिव्यांशी शुक्ला, आशुतोष सिंह, शैलेंद्र मौर्य, सुनील सिंह एवं रामशरण सिंह समेत अन्य कई कार्यकर्ताओं ने सहयोग प्रदान किया।

तेज रफ्तार बुलेट की टक्कर से मजदूर की मौत

निगोहां, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता।। निगोहां थाना क्षेत्र के मस्तीपुर गांव निवासी 55 वर्षीय मजदूर बिहारीलाल की सड़क हादसे में इलाज के दौरान मौत हो गई। सोमवार सुबह रायबरेली राजमार्ग पार करते समय तेज रफ्तार बुलेट सवार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी थी। गंभीर रूप से घायल बिहारीलाल का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था, जहां मंगलवार को उन्होंने दम तोड़ दिया। बताया गया कि बिहारीलाल रोज की तरह सोमवार सुबह मजदूरी करने जा रहे थे। रायबरेली राजमार्ग पार करते समय रायबरेली की ओर से लखनऊ जा रही तेज रफ्तार बुलेट ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एनएचएआई एंबुलेंस की मदद से उन्हें मोहनलालगंज सीएचसी पहुंचाया, जहां से हालत गंभीर होने पर परिजन निजी अस्पताल ले गए। ग्रामीणों के मुताबिक हादसे के बाद बुलेट सवार बिना रुके मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है और फरार बाइक सवार की पहचान व तलाश में जुटी है। मजदूर की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

घर में घुसकर युवक को लाठी-डंडों से पीटा, हालत गंभीर

निगोहां, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। निगोहां थाना क्षेत्र के शेरपुर लवल गांव में पुरानी रंजिश को लेकर घर में घुसकर युवक को लाठी-डंडों से पीटकर गंभीर रूप से घायल करने का मामला सामने आया है। घायल विवेक तिवारी को सीएचसी मोहनलालगंज में प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में सिविल अस्पताल रेफर किया गया। पीड़ित महेन्द्र प्रसाद ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि मंगलवार को उनके घर में अर्पित तिवारी पुत्र शिव प्रसाद तिवारी, लाल उर्फ पुत्र स्व. राम बिहारी और लीला तिवारी पत्नी लाल लाठी-डंडों से लैस होकर घुस आए और उनके पुत्र विवेक की पिटाई कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया। परिजनों का आरोप है कि घटना के बाद मुकदमा दर्ज कराने के लिए वे थाने में काफी देर तक भटकते रहे और पुलिसकर्मियों ने टालमटोल की। इसके बाद एसीपी मोहनलालगंज राजेश कुमार सिंह से फोन पर शिकायत की गई। एसीपी ने मामले की जानकारी लेकर कार्रवाई का भरोसा दिया, जिसके बाद पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की। पीड़ित ने पुरानी रंजिश और पैतृक संपत्ति विवाद का हवाला देते हुए आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और परिवार की सुरक्षा की मांग की है। एसीपी राजेश कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

तमंचा और दो कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

बख्शी का तालाब, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र अंतर्गत मामपुर अंडरपास के पास किसान पथ की सर्विस लेन पर बीकेटी पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक युवक को .315 बोर के तमंचे और दो जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है।पुलिस के मुताबिक रात करीब साढ़े बारह बजे संदिग्धों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान रामपुर देवरई निवासी आकाश सिंह (23) को रोककर तलाशी ली गई। उसके पास से एक देशी तमंचा और दो कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर हथियार कब्जे में ले लिया। प्रभारी निरीक्षक सजंय कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार आकाश के खिलाफ वर्ष 2020 में भी बीकेटी थाने में मारपीट, गाली-गलौज और धमकी समेत धाराओं में मुकदमा दर्ज हो चुका है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया जिसके बाद उसे जेल भेज दिया गया है।

भूमि संरक्षण तकनीकी एसोसिएशन के चुनाव संपन्न

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। विभूति खंड स्थित भूमि संरक्षण कार्यालय में मंगलवार को भूमि एवं जल संरक्षण प्राविधिक एसोसिएशन उत्तर प्रदेश का द्विवार्षिक निर्वाचन कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसकी अध्यक्षता संगठन के संरक्षक डॉ. रामसागर गुप्ता द्वारा की गई। संपन्न हुए चुनाव में जिला अध्यक्ष विद्यासागर और जिला उपाध्यक्ष डॉ. यशलोक सिंह बने। जिला महामंत्री पद पर दुर्गेश अवस्थी ने विजय प्राप्त की जबकि कोषाध्यक्ष और संगठन मंत्री के पद पर क्रमशः दीपक कुमार और राजेश रावत निर्वाचित हुए। निर्वाचन कार्यक्रम में प्रांतीय संगठन महासचिव दिनेश कुमार सिंह और प्रांतीय संगठन सचिव कमल किशोर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में संगठन संस्थापक सदस्य जगदेव सिंह मलिक उपस्थित रहे उन्होंने कहा कि आशा है कि सभी निर्वाचित पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारी का पूरी ईमानदारी और कर्तव्य परायणता से निर्वहन करेंगे। जिससे संगठन को मजबूती मिलेगी।

बूथ जीतेंगे तो 2027 जीतेंगे : पुष्कर



कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। बिन्दौवा स्थित समाजवादी पार्टी के क्षेत्रीय कार्यालय में मंगलवार को विधानसभा स्तरीय मासिक बैठक हुई। विधानसभा अध्यक्ष व सांसद प्रतिनिधि उमाशंकर वर्मा की अध्यक्षता और महासचिव गजराज रावत के संचालन में हुई बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने सहित आगामी कार्यक्रमों की रणनीति तय की गई। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए ह्लबूथ जीतो, 2027 जीतोङ्क का मंत्र दिया।

बैठक में निर्णय लिया गया कि 8 अक्टूबर को वोट चोरी और मतदाताओं के नाम काटे जाने के विरोध में जिलाधिकारी कार्यालय पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया जाएगा। वहीं 9 अक्टूबर को मान्यवर कांशीराम जयंती मनाई जाएगी। इसके अलावा प्रत्येक बूथ पर 10 नए मतदाता जोड़ने, पीडीए अभियान के तहत 400 डिजिटल सदस्य बनाने तथा लखनऊ खंड स्नातक-शिक्षक निर्वाचन को लेकर जोनवार बैठकें आयोजित करने की रणनीति बनाई गई।

पूर्व विधायक पुष्कर ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने की अपील करते हुए कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए संगठन को गांव-गांव और बूथ-बूथ तक मजबूत करना जरूरी है। उन्होंने शोषित, वंचित, किसान, गरीब और नौजवानों के मुद्दों तथा संविधान की रक्षा को लेकर कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया।

बैठक में पूर्व मंत्री देवकली प्रसाद रावत, जिलाध्यक्ष राज किशोर रावत उर्फ राजू, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य राम किशोर रावत, पूर्व जिलाध्यक्ष मो. आशिक अली, प्रदेश सचिव महताब सिंह यादव, अधिवक्ता सभा राष्ट्रीय सचिव श्रवण यादव, विजय प्रकाश यादव, अजमेर सिंह यादव, नवनीत सिंह, ज्ञानेन्द्र बहादुर सिंह, शमशेर बहादुर सिंह यादव, महादेव रावत, उमेश वर्मा, उमेश यादव सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मिलिट्री नर्सिंग सर्विस का 101वां स्थापना दिवस मनाया गया



कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। मिलिट्री नर्सिंग सर्विस (एमएनएस) ने समर्पित सेवा, प्रतिबद्धता और पेशेवर उत्कृष्टता के 101वें वर्ष में प्रवेश के अवसर पर स्थापना दिवस समारोह मनाया। समारोह लखनऊ स्थित सेंट्रल कमांड के कमांड हॉस्पिटल के शिवम लॉन्स में आयोजित किया गया। इस दौरान नर्सिंग अधिकारियों की कई पीढ़ियों की गौरवशाली विरासत और सैन्य स्वास्थ्य सेवाओं में उनके योगदान को याद किया गया।

समारोह की शुरुआत एक अक्टूबर को एएमसी वॉर मेमोरियल पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। इसके बाद नर्सिंग ऑफिसर्स मेस में केक काटकर स्थापना दिवस मनाया गया। समारोह का समापन तीन अक्टूबर को शिवम लॉन्स, कमांड हॉस्पिटल, सेंट्रल कमांड में हुआ।

मुख्य अतिथि सेंट्रल कमांड के चीफ ऑफ स्टाफ (सीओएस) लेफ्टिनेंट जनरल सी.जे. जयचंद्रन ने मिलिट्री नर्सिंग सर्विस परिवार को 101वें वर्ष में प्रवेश पर बधाई दी। उन्होंने सैन्य स्वास्थ्य सेवाओं में नर्सिंग अधिकारियों द्वारा कुशल, संवेदनशील और मरीज-केंद्रित देखभाल के लिए दिए जा रहे योगदान की सराहना की।

नेताजी की चौथी पुण्यतिथि पर निकली जन जागरण साइकिल यात्रा

कैनविज टाइम्स संवाददाता



काकोरी लखनऊ। समाजवादी पार्टी की 168 मलिहाबाद विधानसभा क्षेत्र में श्रद्धेय नेताजी की चौथी पुण्यतिथि के अवसर पर जन जागरण साइकिल यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में शामिल कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों का विजय श्री गौतम द्वारा माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान सभी के लिए जलपान की भी व्यवस्था की गई। जन जागरण साइकिल यात्रा का नेतृत्व अजीत यादव ने किया। साइकिल यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ क्षेत्र में भ्रमण करते हुए श्रद्धेय नेताजी को श्रद्धांजलि अर्पित की। यात्रा के माध्यम से सामाजिक जागरूकता, जनसरोकारों और समाजवादी विचारधारा से जुड़े संदेशों को लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर विजय श्री गौतम ने कहा कि श्रद्धेय नेताजी का जीवन संघर्ष और समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने के लिए समर्पित रहा। उनकी पुण्यतिथि पर आयोजित ये यात्रा उनके विचारों और संघर्षों को याद करने का अवसर है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आपसी एकजुटता के साथ जनहित के मुद्दों को उठाने का आह्वान किया।साइकिल यात्रा में अंकित यादव, विनय, शिवांश ठाकुर, सचिन, बलवंत, प्रदीप यादव, प्रदीप यादव बरेली, आकाश रामपुर, शोभित यादव, शिव यादव, अखिलेश यादव, नितेश कुमार, रंजीत कुमार, अष्टविनायक, हिमांशु यादव, अनीश पासी, आदित्य यादव, राष्ट्र यादव, लक्ष्मण यादव, आशीष यादव, सत्यम यादव, जितेंद्र, पंकज यादव, आयुष यादव, अरुण यादव, सुनील यादव, सचिन यादव, कुलदीप यादव, विवेक यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं समर्थक शामिल रहे। यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं ने श्रद्धेय नेताजी के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके बताए सामाजिक एवं जनहित के रास्ते पर आगे बढ़ने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के समापन पर सभी कार्यकर्ताओं ने आपसी भाईचारे और संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया।

मासूमों के बीच पहुँची ब्लड कनेक्ट की टीम

थैलेसीमिया वार्ड में गूंजी उम्मीद की मुस्कान

कैनविज टाइम्स संवाददाता



चौक, लखनऊ। बीमारी से जूझते मासूम चेहरों पर मुस्कान लाने और रक्तदान के प्रति जागरूकता का संदेश लेकर ब्लड कनेक्ट फाउंडेशन की लखनऊ टीम, Institute of Engineering and Technology (IET), Lucknow के सहयोग से किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के थैलेसीमिया वार्ड पहुँची। दान उत्सव देने की खुशी सप्ताह के तहत आयोजित इस पहल में स्वयंसेवकों ने थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों के साथ समय बिताया और उनके बीच चॉकलेट व उपहार वितरित किए। स्वयंसेवकों ने बच्चों और उनके माता-पिता से आत्मीय बातचीत कर थैलेसीमिया से जुड़े संघर्ष और रोजमर्रा की चुनौतियों को करीब से समझा। बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाने के साथ ही परिवारों को भावनात्मक सहयोग देने का भी प्रयास किया गया। थैलेसीमिया एक आनुवंशिक रक्त विकार है, जिसमें मरीजों को नियमित रूप से रक्त चढ़ाने की आवश्यकता होती है। ऐसे में समय पर सुरक्षित रक्त की उपलब्धता इन बच्चों के लिए जीवन की सबसे महत्वपूर्ण जरूरतों में से एक है। ब्लड कनेक्ट फाउंडेशन ने जरूरतमंद मरीजों के प्रति अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को मजबूत करते हुए कहा कि गरीब, असहाय और लाचार मरीजों की मदद निशुल्क की जाएगी। संस्था का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों तक भी समय पर रक्त एवं आवश्यक सहायता पहुँचाना है।ताकि आर्थिक परेशानी किसी मरीज के इलाज में बाधा न बने। ब्लड कनेक्ट फाउंडेशन सहायता दूरभाष सेवा और ऑनलाइन रक्त अनुरोध व्यवस्था के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों को रक्त एवं प्लेटलेट्स उपलब्ध कराने के लिए रक्तदाताओं से जोड़ता है। स्वयंसेवक नजदीकी सत्यापित रक्तदाताओं और रक्त बैंकों के साथ समन्वय कर जरूरतमंदों तक समय पर सहायता पहुँचाने का प्रयास करते हैं। दान उत्सव के दौरान केजीएमयू के थैलेसीमिया वार्ड का यह दौरा स्वयंसेवकों के लिए भी भावुक कर देने वाला अनुभव रहा। मासूम बच्चों की जिजीविषा और उनके परिवारों का संघर्ष देखकर स्वयंसेवकों ने रक्तदान के महत्व को और करीब से महसूस किया। ब्लड कनेक्ट की लखनऊ टीम ने कहा कि रक्तदान किसी के लिए कुछ मिनट का योगदान हो सकता है।

नरमू का आउटसोर्सिंग व निजीकरण के खिलाफ प्रदर्शन

- 08 अक्टूबर को नई दिल्ली में होगा राष्ट्रव्यापी सम्मेलन- नरेन्द्र त्यागी

कैनविज टाइम्स संवाददाता



शाहजहांपुर। ऑल इंडिया रेलवे मैन्स फ़ेडरेशन के महामंत्री शिव गोपाल मिश्रा के आह्वान पर भारतीय रेल में आउटसोर्सिंग के खिलाफ राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन के तहत नादर्न रेलवे मेंस यूनियन शाहजहांपुर शाखा ने जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान आउटसोर्सिंग के खिलाफ प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए सहायक मण्डल मंत्री नरेंद्र त्यागी ने कहा कि भारतीय रेल केवल एक नौकरी नहीं है, बल्कि यह देश की जीवनरेखा है और लाखों परिवारों की उम्मीदों का आधार है। कहा कि आज जब आउटसोर्सिंग और निजीकरण का विस्तार हो रहा है, तो हमें यह समझना होगा कि इसका प्रभाव केवल आज के रेल कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहेगा। बल्कि यात्रियों की सुरक्षा, रेल की सुरक्षा और युवाओ के रोजगार को प्रभावित करेगा। उन्होंने सरकार से मांग की है कि रेलवे में खाली पदों को भरने के लिए युवाओ को स्थायी रोजगार दिया जाए। कहा कि ऑल इंडिया रेलवे मैन्स फ़ेडरेशन के महामंत्री शिव गोपाल मिश्रा के नेतृत्व में आउटसोर्सिंग और निजीकरण के खिलाफ 08 अक्टूबर को नई दिल्ली के करनैल सिंह स्टेडियम में एक सम्मेलन आयोजित होगा। जिसमें अधिक से अधिक शाहजहांपुर के रेलकर्मी भी शामिल होंगें। शाखा सचिव शिव कुमार सक्सेना ने कहा कि युवायों के लिए यह समय जागरूक होने और अपनी आवाज बुलंद करने का है। अन्यथा आने वाले समय में भारतीय रेल में स्थायी रोजगार के अवसर ही सीमित होते चले जाएंगें। सहायक सचिव यतेंद्र त्रिवेदी ने कहा कि देर से जागने से बेहतर है कि समय रहते अपनी आवाज उठाई जाए। सहायक सचिव जितेंद्र कुमार ने कहा कि यह केवल वर्तमान कर्मचारियों की लड़ाई नहीं है, बल्कि युवाओं के भविष्य, स्थायी रोजगार और भारतीय रेल के भविष्य की चिंता है। इसलिए युवाओं से विशेष अपील है कि अब केवल दर्शक बनकर नहीं, बल्कि इस संघर्ष की सक्रिय शक्ति बनकर आगे आएं। इस दौरान चंदा, दिनकर, अनुराग, आशीष, इन्तजार, राजकुमार, रवि बाजपेई, संजीव, भगवानदास, धनंजय, जितेंद्र, वीरपाल, कौशल, रोहित, सलीम, शहजादे, प्रभात आदि मौजूद रहे।

एसपी ने ओसीएफ रामलीला मैदान की सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा, दिए निर्देश

- निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने रामलीला मैदान की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया

कैनविज टाइम्स संवाददाता



शाहजहांपुर। पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित ने ओसीएफ रामलीला मैदान का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने रामलीला मैदान की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और आयोजित होने वाले आगामी कार्यक्रम की सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, प्रवेश एवं निकास व्यवस्था, यातायात व पार्किंग व्यवस्था तथा पुलिस बल की तैनाती आदि के संबंध में जानकारी ली। पुलिस अधीक्षक ने संबन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम के दौरान पर्याप्त पुलिस बल की प्रभावी एवं रणनीतिक तैनाती की जाए। भीड़ के दृष्टिगत आवश्यक बैरिकेडिंग एवं यातायात डायवर्जन/प्रबंधन की व्यवस्था समय से पूर्ण कर ली जाए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर आने-जाने वाले व्यक्तियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सतर्कता के साथ ड्यूटी करने एवं किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियां पूर्ण रखने के निर्देश दिए। साथ ही कार्यक्रम स्थल एवं उसके आसपास निरन्तर प्रभावी पुलिस गश्त एवं निगरानी रखने, संदिग्ध व्यक्तियों, वस्तुओं पर सतर्क दृष्टि रखने तथा कानून एवं शांति व्यवस्था को प्रभावित करने वाले तत्वों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने-अपने दायित्वों का पूर्ण सजगता, संवेदनशीलता एवं समन्वय के साथ निर्वहन करें तथा आमजन को सुरक्षित एवं सुगम वातावरण उपलब्ध कराया जाए। इस दौरान एसपी सिटी, सीओ सिटी और थाना सदर बाजार इंस्पेक्टर सहित ओसीएफ रामलीला कमेटी पदाधिकारी आदि मौजूद रहे।

एलआईसी अभिकर्ता संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह में उत्कृष्ट अभिकर्ताओं को किया सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता



बिसवां, सीतापुर। नगर के बड़े चौराहे स्थित आरके ग्रैंड होटल में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के तत्वावधान में अभिकर्ता संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पिछले वर्ष उत्कृष्ट कार्य करने वाले तथा वर्ष 2026 के अर्धशतकवीर, रजतवीर और दशमवीर अभिकर्ताओं को मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं कार्यक्रम संयोजक वरिष्ठ विकास अधिकारी अशोक चौरसिया के स्वागतीय उद्बोधन से हुआ। मुख्य अतिथि शाखा प्रबंधक विवेक शुक्ला ने एलआईसी के इतिहास, कार्यप्रणाली और विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने एलआईसी से संबंधित वर्ष 1956 के अधिनियम की धारा 37 के प्रावधानों का उल्लेख करते हुए कहा कि निगम द्वारा जारी पॉलिसियों की बीमित राशि और उस पर देय बोनस के भुगतान की गारंटी केंद्र सरकार द्वारा दी जाती है। उन्होंने एलआईसी की नई योजनाओं निवेश प्लस, बीमा प्लैटिनम एवं जीवन रक्षा के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए अभिकर्ताओं से इन योजनाओं को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। सहायक शाखा प्रबंधक नीरज अवस्थी ने विभिन्न बीमा पॉलिसियों की जानकारी देते हुए नए सत्र में अधिक से अधिक पॉलिसियां करने पर जोर दिया। उन्होंने अभिकर्ताओं से आनंदा ऐप के माध्यम से डिजिटल तरीके से पॉलिसी करने की अपील की। समारोह के दौरान अभिकर्ताओं एवं एलआईसी अधिकारियों ने एक-दूसरे पर पुष्प वर्षा कर उत्साहपूर्वक जश्न मनाया। कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ विकास अधिकारी अशोक चौरसिया ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह एवं अपनी लिखी पुस्तक भेंट की और सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर सम्मानित अभिकर्ताओं में लालू राम, पुष्पा देवी, संजय सिंह, सत्यप्रकाश शर्मा, अंकित गौरव, कुलदीप मौर्य, अमर सिंह, रमेश पाल, संतराम, प्रमोद शुक्ला, राजेश कुमार वर्मा, रामनरेश गुप्ता, छविनाथ, सुभाष चंद्र, राजकुमार मौर्य, ललित कुमार, राजकुमार वर्मा, डीपी सिंह, अखिलेश शुक्ला, मनोज कुमार, अरविंद शुक्ला, पंकज मिश्रा, डीके सिंह, शिवम वर्मा, गोकर्ण लाल, जगदंबा प्रसाद, वेद प्रकाश, राम लखन, संजय शर्मा, आशीष कुमार, समर सिंह, श्रीराम मौर्य, सरिता यादव एवं सोनाली सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

15 अक्टूबर से शुरू होगा फुटबॉल लीग टूर्नामेंट

शाहजहांपुर। जिला फुटबाल संघ के अध्यक्ष गजेंद्र गंगवार के नेतृत्व में एक बैठक का आयोजन हुआ और आगामी फुटबॉल लीग टूर्नामेंट को लेकर चर्चा की गई। गजेन्द्र गंगवार ने कहा कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष-2026 मे भी जिला फुटबॉल लीग टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। फुटबॉल लीग टूर्नामेंट का आयोजन 15 अक्टूबर से जीएफ कॉलेज मैदान में किया जाएगा। कहा कि इस टूर्नामेंट में खेलने की इच्छुक टीमें 10 अक्टूबर तक उनसे अथवा जिला फुटबाल संघ के महासचिव दिलीप शर्मा, संयुक्त सचिव कौशल किशोर सक्सेना से सम्पर्क कर सकते हैं। बैठक में जिला फुटबाल संघ के अध्यक्ष गजेंद्र गंगवार, महासचिव दिलीप शर्मा, संयुक्त सचिव कौशल किशोर सक्सेना, मुख्य संरक्षक रवि कुमार, उपाध्यक्ष गौरव अग्निहोत्री, मयूर खन्ना, कोषाध्यक्ष प्रवीण कुमार, रेफरी कमेटी अध्यक्ष संजीव सिंह, एके तिवारी, श्याम कुमार, रंजन कश्यप, खुर्शीद आलम, बिंदु कुमार आदि मौजूद रहे।

सदर चौकी प्रभारी स्वाती चतुर्वेदी बनीं एंटी रोमियो प्रभारी जाम को लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष से हुई थी बहस

- जिला अस्पताल में पंचनामा भरने की ड्यूटी के दौरान हुआ था विवाद गलतफहमी के बाद एसपी ने बदली जिम्मेदारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता



सीतापुर। जिला अस्पताल में जाम को लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला और सदर चौकी प्रभारी स्वाती चतुर्वेदी के बीच हुई बहस के बाद पुलिस अधीक्षक ने स्वाती चतुर्वेदी को सदर चौकी प्रभारी के पद से हटाकर एंटी रोमियो प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी है।

बताया जा रहा है कि घटना के समय स्वाती चतुर्वेदी जिला अस्पताल में एक मामले का पंचनामा भरने की कानूनी प्रक्रिया पूरी करने में व्यस्त थीं। इसी दौरान अस्पताल चौकी प्रभारी के मौके पर मौजूद नहीं होने के कारण अस्पताल के पास जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। जाम को लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला और स्वाती चतुर्वेदी के बीच बातचीत के दौरान गलतफहमी के चलते बहस हो गई।

बताया गया कि जाम की सूचना मिलने पर स्वाती चतुर्वेदी ने पुलिसकर्मियों को मौके पर भेजकर यातायात व्यवस्था संभालने का प्रयास किया था। वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष की ओर से अस्पताल के सामने जाम के कारण मरीजों तीमारदारों और एंबुलेंस को होने वाली परेशानी को लेकर आपत्ति जताई गई थी। घटना के बाद मामला चर्चा में आने पर पुलिस अधीक्षक ने प्रशासनिक स्तर पर स्वाती चतुर्वेदी की जिम्मेदारी में बदलाव करते हुए उन्हें सदर चौकी से हटाकर एंटी रोमियो प्रभारी बना दिया।

तबादले को लेकर भी चर्चा

स्वाती चतुर्वेदी को सदर चौकी से हटाए जाने के बाद उनके समर्थन में लोगों का कहना है कि घटना को किसी व्यक्तिगत विवाद के रूप में देखने के बजाय पूरे घटनाक्रम की परिस्थितियों को समझना चाहिए। समर्थकों का कहना है कि उस समय चौकी प्रभारी कानूनी प्रक्रिया में व्यस्त थीं और अस्पताल चौकी प्रभारी की अनुपस्थिति में जाम की स्थिति बनी थी। लोगों का कहना है कि यदि दोनों पक्षोंके बीच स्थिति को स्पष्ट रूप से समझ लिया जाता तो संभवतः विवाद की नौबत नहीं आती। फिलहाल स्वाती चतुर्वेदी को नई जिम्मेदारी मिलने के बाद मामला शांत होने की उम्मीद है।

कबड्डी प्रतियोगिता में साहबगंज का दबदबा, छेड़ीपुर को मिली शिकस्त

- 12 टीमों ने लिया हिस्सा, उद्घाटन मुकाबले में रोमांचक खेल देखने उमड़ी सैकड़ों की भीड़

कैनविज टाइम्स संवाददाता



पिपरिया धनी खीरी। क्षेत्र रेहरिया के अंतर्गत मंगलवार को कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि साहबगंज ग्राम प्रधान सुदेश कुमार और विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत सदस्य तौहीद खान ने फीता काटकर किया। प्रतियोगिता में क्षेत्र की कुल 12 टीमों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम की शुरुआत में खिलाड़ियों को मैदान में लाइनअप कराकर एक-दूसरे से परिचय कराया गया। इसके बाद साहबगंज और छेड़ीपुर की टीमों के बीच टॉस कराया गया। टॉस जीतकर साहबगंज की टीम ने मुकाबले की शुरुआत की। खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दर्शकों में उत्साह भर दिया। मुकाबले की पहली पारी में छेड़ीपुर की टीम को हार का सामना करना पड़ा, जबकि साहबगंज के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीत अपने नाम की। मैदान पर खिलाड़ियों के शानदार दांव-पेंच और जोरदार रेड ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान सुदेश कुमार ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेलों से युवाओं में आपसी भाईचारा और टीम भावना बढ़ती है। साथ ही खेल शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बेहद जरूरी हैं। उन्होंने युवाओं से खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। प्रतियोगिता के दौरान सानू गाजी ने कमेंट्री कर माहौल को और रोमांचक बनाए रखा। कार्यक्रम में कमेटी सदस्य फौजी सोहेब गाजी, अजीतुल्ला गाजी, अतीक अहमद, जावेद अली, सैफ गाजी, उवैद गाजी सहित क्षेत्र के सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

सोनू सिंह की गुमशुदगी को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा ने उठाई आवाज

- 10 अक्टूबर तक कार्रवाई की मांग

कैनविज टाइम्स संवाददाता



लखीमपुर खीरी। संयुक्त किसान मोर्चा ने ग्राम नानकपुर, थाना मितौली, जनपद लखीमपुर खीरी निवासी सोनू सिंह पुत्र स्व. शेर सिंह, उम्र लगभग 28 वर्ष, की गुमशुदगी के मामले में पुलिस प्रशासन से तत्काल और निष्पक्ष जांच की मांग की है।

मोर्चा के संज्ञान में आए मामले के अनुसार सोनू सिंह 31 जुलाई 2026 से लापता हैं। इस संबंध में थाना मितौली में गुमशुदगी रपट संख्या 53, दिनांक 02 अगस्त 2026 दर्ज है। परिजनों के अनुसार सोनू सिंह अपनी पत्नी को घर लाने के लिए जनपद हरदोई के थाना पिहानी क्षेत्र स्थित ससुराल गए थे, जहां से उनके लापता होने की बात सामने आई। पीड़ित परिवार ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए सोनू सिंह के साथ किसी आपराधिक घटना की आशंका व्यक्त की है। परिवार को हत्या की आशंका भी है। संयुक्त किसान मोर्चा ने स्पष्ट किया कि इन आरोपों को अंतिम सत्य मानने के बजाय निष्पक्ष एवं तथ्याधारित जांच के माध्यम से वास्तविकता सामने लाई जानी चाहिए।

मोर्चा ने मांग की है कि सोनू सिंह की तत्काल तलाश कर उन्हें बरामद किया जाए तथा उनके ससुराल जाने से लेकर लापता होने तक के पूरे घटनाक्रम की जांच की जाए। साथ ही मोबाइल लोकेशन, कॉल डिटेल रिकॉर्ड, सीसीटीवी फुटेज सहित सभी तकनीकी एवं भौतिक साक्ष्यों की जांच कर ससुराल पक्ष समेत मामले से जुड़े सभी प्रासंगिक व्यक्तियों से पूछताछ की जाए। संयुक्त किसान मोर्चा ने कहा कि यदि जांच में हत्या, अपहरण, आपराधिक षड्यंत्र अथवा किसी अन्य अपराध के साक्ष्य सामने आते हैं तो संबंधित लोगों के खिलाफ कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। साथ ही पीड़ित परिवार को जांच की प्रगति और अब तक की गई कार्रवाई की स्पष्ट जानकारी दी जाए।

संयुक्त किसान मोर्चा ने प्रशासन को 10 अक्टूबर 2026 तक सोनू सिंह की तलाश और मामले की जांच में ठोस कार्रवाई करते हुए पीड़ित परिवार को संतोषजनक जानकारी उपलब्ध कराने की मांग की है। मोर्चा ने कहा कि यदि निर्धारित समय-सीमा तक उचित कार्रवाई नहीं होती अथवा पीड़ित परिवार पुलिस कार्रवाई से संतुष्ट नहीं होता है, तो 11 अक्टूबर 2026 को थाना मितौली पर शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक आंदोलन किया जाएगा।

लखीमपुर खीरी में एआरटीओ की एंबुलेंस के खिलाफ कार्रवाई, छह चालान और चार एंबुलेंस सीज



लखीमपुर खीरी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। एआरटीओ शांति भूषण पांडे एवं प्रवर्तन अधिकारी डॉक्टर कौशलेंद्र सिंह के नेतृत्व में एंबुलेंस के खिलाफ चलाए गए विशेष चेकिंग अभियान के दौरान परिवहन विभाग ने कार्रवाई की। अभियान के अंतर्गत छह एंबुलेंस के चालान किए गए तथा चार एंबुलेंस को विभिन्न थानों पर बंद किया गया। इस अभियान का उद्देश्य एंबुलेंस के संचालन में नियमों का पालन सुनिश्चित करना और एंबुलेंस वाहनों के प्रपत्र एवं फिटनेस आदि पूर्ण करना एवं यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाना है। परिवहन विभाग की इस कार्रवाई से नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन संचालकों में हड़कंप मच गया। एआरटीओ श्री शांति भूषण पांडे ने वाहन संचालकों से अपील की कि वे सभी आवश्यक दस्तावेज पूरे रखें और निर्धारित नियमों का पालन करें, ताकि मरीजों को सुरक्षित एवं बेहतर परिवहन सुविधा मिल सके।

तेज रफ्तार बोलेरो की टक्कर से युवक गंभीर घायल, चालक वाहन लेकर फरार



धौरहरा, कैनविज टाइम्स संवाददाता। धौरहरा कोतवाली क्षेत्र के सिसैया कला स्थित पेट्रोल पंप के पास हाईवे मार्ग पर मंगलवार को तेज रफ्तार बोलेरो की चपेट में आने से पैदल जा रहा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद बोलेरो चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। घटना के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जुट गई। जानकारी के अनुसार, सिसैया कला निवासी अजमतउल्ला पुत्र इनायतुल्लाह किसी काम से पैदल जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज गति से आ रही बोलेरो ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि अजमतउल्ला सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद चालक ने वाहन रोकने के बजाय मौके से फरार होना उचित समझा। घटना की सूचना मिलते ही धौरहरा पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को एंबुलेंस की मदद से सीएचसी धौरहरा पहुंचाया, जहां चिकित्सकों द्वारा उनका उपचार किया जा रहा है। परिजनों को भी घटना की जानकारी दी गई। पुलिस ने घटना की जानकारी जुटाते हुए फरार बोलेरो और उसके चालक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों से मिली जानकारी के आधार पर वाहन की पहचान करने का प्रयास कर रही है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने हाईवे पर तेज रफ्तार वाहनों पर अंकुश लगाने और दुर्घटना वाले स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत किए जाने की मांग की है।

गोला में सड़क पर बस अड्डे की 'दबंगई'! दशकों से खुटार रोड पर जमे अवैध ठिकाने से यातायात बेहाल

- विकास चौराहे के पास मुख्य मार्ग पर बसों का जमावड़ा बना मुसीबत, सवारियां भरने के लिए सड़क पर रुकती हैं बसें, अतिक्रमण हटाओ अभियान पर उठे सवाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता



गोला गोकर्णनाथ खीरी। शहर के विकास चौराहे के पास खुटार रोड पर दशकों से संचालित हो रहा अनधिकृत बस अड्डा अब क्षेत्रवासियों के लिए सुविधा से ज्यादा मुसीबत का सबब बनता जा रहा है। मुख्य मार्ग के किनारे बसों के खड़े होने, सवारियां भरने और बसों के आवागमन के कारण अक्सर यातायात व्यवस्था प्रभावित होने की शिकायतें सामने आ रही हैं।

हालात यह हैं कि सड़क किनारे बसों का जमावड़ा होने पर राहगीरों और दूसरे वाहन चालकों को निकलने के लिए जगह तलाशनी पड़ती है। आसपास के दुकानदारों का भी कहना है कि बसों के रुकने और सवारियों की भीड़ के चलते उनकी दुकानों के सामने अव्यवस्था की स्थिति पैदा होती है। सबसे बड़ा सवाल प्रशासनिक कार्रवाई की स्थायित्व को लेकर उठ रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि बस अड्डे को हटाने के लिए पहले भी कई बार प्रयास किए गए, अतिक्रमण हटाने के अभियान चले, लेकिन कार्रवाई के कुछ समय बाद स्थिति फिर पुराने ढर्रे पर लौट आती है। यही वजह है कि अब लोग सवाल पूछ रहे हैं—अगर यह बस अड्डा वास्तव में अनधिकृत है तो इसे स्थायी रूप से हटाने में आखिर अड़चन कहां है? एक तरफ शहर में अतिक्रमण हटाने के अभियान चलाए जाते हैं, दूसरी तरफ मुख्य मार्ग पर वर्षों से बसों के जमावड़े की समस्या बनी रहना जिम्मेदार विभागों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है।

बस संचालन के दौरान सड़क किनारे बसों का रुकना और सवारियां भरना यातायात के लिए चुनौती बन रहा है। व्यस्त समय में जब सड़क पर वाहनों का दबाव बढ़ता है, तब बसों के रुकने से रास्ता और संकरा हो जाता है। ऐसे में पैदल राहगीरों, बाइक सवारों और अन्य वाहन चालकों के लिए खतरा बढ़ने की आशंका रहती है। अगर किसी दिन अचानक ब्रेक लगाने, ओवरटेक करने या भीड़ के बीच वाहन अनियंत्रित होने की स्थिति बनी तो जिम्मेदारी किसकी होगी? यह सवाल भी क्षेत्रवासी उठा रहे हैं। क्षेत्रवासियों की शिकायत केवल बसों के सड़क किनारे खड़े होने तक सीमित नहीं है। बस संचालन में नियमों के पालन को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि कुछ बसों में निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां बैठाकर संचालन किया जाता है। वहीं कुछ बसों की फिटनेस और नियमित जांच को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकती है, लेकिन क्षेत्रवासियों का कहना है कि परिवहन विभाग को मौके पर बसों की जांच कर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

यदि बस अड्डा अनधिकृत है तो स्थायी कार्रवाई क्यों नहीं? मुख्य मार्ग पर बसों को खड़ा कर सवारियां भरने की अनुमति किस आधार पर है? क्या सभी संचालित बसों की फिटनेस और परमिट नियमित रूप से जांचे जा रहे हैं?

क्या बसों में निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां बैठाने की शिकायतों की जांच हुई?

अतिक्रमण हटाओ अभियान के बाद कुछ समय में फिर वही स्थिति क्यों बन जाती है? क्षेत्रवासियों का कहना है कि समस्या का समाधान केवल एक-दो दिन की कार्रवाई या औपचारिक अतिक्रमण अभियान से नहीं होगा। जरूरत है कि संबंधित विभाग संयुक्त रूप से मौके का निरीक्षण करें, बसों के संचालन की वैधता और फिटनेस की जांच करें तथा यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए बसों के लिए उचित और अधिकृत स्थान सुनिश्चित करें। अब निगाहें प्रशासन और परिवहन विभाग पर हैं कि खुटार रोड के इस कथित अनधिकृत बस अड्डे पर सिर्फ अभियान की रस्म अदायगी होती है या वास्तव में स्थायी समाधान निकाला जाता है।

आमने-सामने भिड़ीं बाइक, एक की मौत, दूसरा गंभीर

नैमिषारण्य, सीतापुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। नैमिषारण्य ठाकुर नगर तिराहे पर मंगलवार को दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में एक बाइक सवार की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद दूसरी बाइक सवार अपनी मोटरसाइकिल मौके पर छोड़कर फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, मिश्रिख की तरफ से बाइक पर सवार रामखेलावन पुत्र सुंदर (50) और चेतराम पुत्र बैजू (42), निवासी गोरिया पनाहनगर, ये मिश्रिख से अपने घर गोरिया पनाहनगर, बेलहरी आ रहे थे। इसी दौरान ठाकुर नगर तिराहे पर हरदोई की तरफ से आ रही दूसरी बाइक से उनकी आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नैमिषारण्य पहुंचाया गया। यहां चिकित्सकों ने जांच के बाद रामखेलावन को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल चेतराम का उपचार जारी है। हादसे के बाद दूसरी बाइक सवार अपनी बाइक मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी नवनीत मिश्रा ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया था। मामले की जांच की जा रही है और बाइक छोड़कर फरार हुए चालक की तलाश की जा रही है।

दो चैन स्नैचर चढ़े पुलिस के हत्थे, एक मुठभेड़ में गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

शाहजहांपुर, सीतापुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता।। थाना सदर बाजार पुलिस ने कैन्ट क्षेत्र में एनसीसी तिराहे के पास हुई चेन लूट की घटना का खुलासा करते हुए घटना में शामिल एक अपचारी किशोर को अभिरक्षा में लिया। इसके बाद उसके साथी प्रेमपाल को कैंट क्षेत्र के जंगल में मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया। मुठभेड़ में अभियुक्त प्रेमपाल के बाएं पैर में गोली लगी है। पुलिस ने दोनों अभियुक्तों के कब्जे से लूटी गई चैन बरामद की है। रविवार को थाना सदर बाजार क्षेत्र के कैन्ट में एनसीसी तिराहे के पास मऊ खालसा रोड से पीपल घाट जाने वाले कच्चे रास्ते पर एक व्यक्ति की दो अज्ञात लड़कों ने चेन लूट ली थी। सदर पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की और घटनास्थल के आसपास लगे सीसी कैमरों की फुटेज खंगाली तो दो संदिग्ध दिखाई दिए। यक्ष एप की मदद से एक अपचारी किशोर की पहचान हुई। सोमवार रात को पुलिस ने उस किशोर को अभिरक्षा में लिया। जिसके कब्जे से पुलिस ने लूटी गई चेन का छह ग्राम वजन का आधा हिस्सा बरामद किया।

आकांक्षात्मक विकासखंडों की प्रगति में तेजी लाने के निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ बैठक में स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि एवं संबद्ध सेवाओं से संबंधित अन्य सामाजिक विकास से जुड़े विभिन्न संकेतकों की समीक्षा की गई

बदायूँ। विशेष सचिव, नगर विकास विभाग, उत्तर प्रदेश शासन उदय भानु त्रिपाठी तथा विशेष सचिव सदस्य (न्यायिक), राजस्व परिषद, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ संजय कुमार सिंह यादव ने मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला व अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आकांक्षात्मक विकासखंडों में संचालित विकास कार्यों एवं विभिन्न सूचकांकों की समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में स्वास्थ्य एवं पोषण से संबंधित 17 सूचकांक(इंटीकेटर्स), शिक्षा से संबंधित 17 सूचकांक, कृषि एवं संबद्ध सेवाओं से संबंधित 04 सूचकांक सहित अन्य सामाजिक विकास से जुड़े विभिन्न संकेतकों की समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जिन सूचकांकों में प्रगति राज्य औसत से कम है, उनमें विशेष रणनीति बनाकर सुधार सुनिश्चित किया जाए तथा संबंधित विभागीय एवं क्षेत्रीय कर्मचारियों के माध्यम से नियमित अनुश्रवण किया जाए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को स्वास्थ्य एवं पोषण से जुड़े ऐसे सूचकांक, जिनकी प्रगति राज्य औसत से कम है, उनमें सुधार के लिए क्षेत्रीय कर्मचारियों के साथ प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान बताया गया कि 02 किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) अच्छा कार्य कर रहे हैं। निर्देश दिए गए कि अम्बियापुर एवं आसफपुर विकासखंडों में भी अच्छे एफपीओ तैयार कर उन्हें प्रोत्साहित किया जाए। साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के लाभार्थियों की आधार सीडिंग का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा में प्रत्येक विद्यालय में छात्र-शिक्षक अनुपात को मानक के अनुरूप करने के निर्देश दिए गए। जल निगम की परियोजनाओं की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को परियोजनाओं को शासन की मंशा के अनुरूप निर्धारित मानकों के अनुसार पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। आंगनबाड़ी केंद्रों पर शौचालयों की स्थिति की समीक्षा करते हुए सभी शौचालयों को क्रियाशील कराने के निर्देश दिए गए। जिला विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया कि अम्बियापुर में संचालित टीएचआर प्लांट धनराशि के अभाव में बंद है, इसे शीघ्र संचालित कराया जाए, जिससे योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जा सके। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मतदाता सूची में नाम अवश्य जांचें, पात्र युवा आवेदन करें

बदायूँ। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अवनीश राय ने जनपदवासियों से अपील की है कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2026 के अंतर्गत मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांच लें। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार आगामी विधानसभा निर्वाचन को दृष्टिगत रखते हुए मतदाता सूची के निरंतर पुनरीक्षण का कार्य किया जा रहा है। इसका उद्देश्य पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करना तथा किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से छूटने न देना है। जिलाधिकारी ने बताया कि पुनरीक्षण के दौरान 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके तथा ऐसे युवा जो शीघ्र ही 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले हैं, उनके नाम मतदाता सूची में शामिल किए जाएंगे। इसके साथ ही ऐसे पात्र नागरिक, जिनका नाम अभी तक मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वे भी निर्धारित प्रक्रिया के माध्यम से अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नाम शामिल होने के साथ ही नागरिकों को अपने नाम, पते अथवा अन्य विवरण में किसी प्रकार की त्रुटि होने पर उसे संशोधित कराने का अवसर भी उपलब्ध है। जिलाधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची में नाम शामिल होने के साथ ही कोई भी पात्र मतदाता छूटने न पाए, इसके लिए संबंधित विभागों के सहयोग से अभियान चलाया जाएगा। उच्च शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, चिकित्सा विभाग, दिव्यांगजन, ग्राम्य विकास, युवा कल्याण सहित संबंधित विभागों का सहयोग लिया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक पात्र युवाओं एवं नागरिकों को मतदाता सूची से जोड़ा जा सके। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि यदि उनका नाम मतदाता सूची में नहीं है तो वे निरंतर पुनरीक्षण-2026 के अंतर्गत ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। निर्वाचन आयोग के ईसीआईएनईटी, मोबाइल एप वोटर हेल्पलाइन एवं वेबसाइट https://voters.eci.gov.in पर मतदाता सूची में नाम खोजने तथा मतदाता संबंधी विभिन्न सेवाओं का लाभ लिया जा सकता है।

बूथ स्तर से बदायूं पहुंचेगा कार्यकर्ताओं का हुजूम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ विकसित भारत संकल्प सभा के बाद निकलेगी भव्य पदयात्रा

बदायूं। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 7 अक्टूबर को बदायूं की पावन धरा पर 'विकसित भारत संकल्प सभा' का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस ऐतिहासिक अवसर पर पूरे जनपद से बूथ स्तर तक के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में एकत्र होकर विकसित भारत के संकल्प को मजबूती प्रदान करेंगे। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के सीधे लाइव संबोधन का प्रसारण कार्यकर्ताओं एवं उपस्थित जनसमुदाय द्वारा सुना जाएगा। विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन सुबह 9:00 बजे इस्लामिया इंटर कॉलेज ग्राउंड, बदायूं में होगा। जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले भाजपा कार्यकर्ता निर्धारित समय पर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष के संबोधन को सुनेंगे तथा उनके मार्गदर्शन से विकसित भारत के निर्माण के संकल्प को और मजबूत करेंगे। लाइव संबोधन एवं सभा के उपरांत भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा हाथों में प्ले कार्ड लेकर भव्य पदयात्रा निकाली जाएगी। यह पदयात्रा बदायूं शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरेगी। पदयात्रा महाराणा प्रताप चौक से प्रारंभ होकर परशुराम चौक, बदायूं क्लब, भामाशाह चौक एवं कचहरी होते हुए इस्लामिया इंटर कॉलेज ग्राउंड पहुंचेगी। पदयात्रा के माध्यम से कार्यकर्ता विकसित भारत, जनसेवा और राष्ट्र निर्माण का संदेश जन-जन तक पहुंचाएंगे। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित यह 'विकसित भारत संकल्प सभा' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की विकास यात्रा और विकसित भारत के संकल्प को जनभागीदारी से जोड़ने का महत्वपूर्ण अवसर होगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बूथ स्तर के कार्यकर्ता सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम को लेकर जनपदभर के कार्यकर्ताओं में उत्साह का वातावरण है। बूथ स्तर से लेकर जिला स्तर तक कार्यकर्ता कार्यक्रम की तैयारियों में जुटे हुए हैं। लाइव संबोधन सुनने के बाद निकलने वाली पदयात्रा में कार्यकर्ता पूरे उत्साह के साथ सहभागिता करते हुए विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाएंगे।

जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की तैयारियां तेज

बदायूं। जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों के क्रम में प्रमुख जनगणना अधिकारी/जिलाधिकारी अवनीश राय ने निर्देश पर जिला एवं चार्ज स्तर के अधिकारियों तथा फील्ड ट्रेनर्स का अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। राज्य स्तर से प्रशिक्षण प्राप्त मास्टर ट्रेनर्स ने अधिकारियों एवं फील्ड ट्रेनर्स को जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान गणना में पूछे जाने वाले 40 प्रश्नों का अवलोकन कराया गया तथा गणना कार्य के महत्वपूर्ण बिंदुओं से अवगत कराया गया। अधिकारियों ने जनगणना कार्य की गोपनीयता एवं संवेदनशीलता पर विशेष जोर देते हुए स्पष्ट किया कि गणना कर्मियों द्वारा किसी भी व्यक्ति से कोई दस्तावेज अथवा कागज नहीं मांगा जाएगा। जनपद में द्वितीय चरण के प्रशिक्षण के लिए तीन मास्टर ट्रेनर्स नामित किए गए हैं, जिनके माध्यम से 118 फील्ड ट्रेनर्स को तीन बैचों में तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। अपर जिलाधिकारी ने सेल्फ एन्युमेरेशन (स्व-गणना) को अधिकाधिक प्रोत्साहित करने के निर्देश देते हुए बताया कि बदायूं सहित उत्तर प्रदेश में स्व-गणना की अवधि 16 अक्टूबर से 30 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित है।

2511 आंगनबाड़ी केंद्रों पर सुनी गई पोषण पाठशाला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ विशेषज्ञों ने ऊपरी आहार और बाल पोषण के प्रति किया जागरूक

कुड़वार, सुल्तानपुर। समाजवादी पार्टी द्वारा इसौली विधानसभा क्षेत्र के शिव दयाल का पुरवा गंजेहड़ी गांव में वोट बचाओ लोकतंत्र बचाओ संगोष्ठी का आयोजन किया गया।संगोष्ठी में उपस्थित लोगों को इसौली विधायक मो ताहिर खान ने वोट कटने से बचाने व पात्र मतदाताओं को वोटर लिस्ट में शामिल करवाने की शपथ दिलाई।

मंगलवार को लोकतंत्र बचाओ सप्ताह के अंतर्गत वोट बचाओ देश बचाओ गोष्ठी आयोजित हुई। बैठक में उपस्थित लोगों से इसौली विधायक द्वारा वोट कटने से बचाने के लिए अपील की।उन्होंने कहा कि सत्तासीन पार्टी द्वारा एसआईआर के दौरान पात्र मतदाताओं के वोट कटवाने के लिए भारी मात्रा में फर्म 07 भरकर बीएलओ को दिए गए थे लेकिन पार्टी कार्यकर्ताओं की सजगता से उनके मंसूबे कामयाब नहीं हुए। उसी तरह अब भी वोटो की रखवाली करना है जिससे कोई भी पात्र मतदाता मताधिकार से वंचित न हो।साथ ही जो पात्र मतदाता अभी सूची में शामिल नहीं है उनका नाम फर्म 06 भरकर बीएलओ के माध्यम से सूची में शामिल करवाए। उन्होंने कहा कि पीडीए का मतलब प्रेम,दया व अपनापन है।बाबा साहब का सपना था कि लोकतंत्र में सभी को बराबर हक मिले। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष स्वामीनाथ यादव, जिला महासचिव सलाउद्दीन, जिलाध्यक्ष महिला नफीसा बानो, डीके यादव, बृजेश यादव, प्रधान हसीब, अनंतराम चौरसिया, अमर यादव सहित दर्जनों लोग शामिल रहे।

जोताई के दौरान रोटावेटर से कटकर किसान की मौत, परिवार में मचा कोहराम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ संतुलन बिगड़ने से हादसा हुआ। घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मच गया

बदायूं। जरीफनगर थाना क्षेत्र के भीमपुर दोस्तपुर गांव में सोमवार रात खेत जोतते समय रोटावेटर की चपेट में आने से किसान की मौत हो गई। वह ट्रैक्टर के मडगार्ड पर बैठा था, संतुलन बिगड़ने से हादसा हुआ। घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। आपको बता दे कि जरीफनगर थाना क्षेत्र के गांव भीमपुर दोस्तपुर में सोमवार रात खेत की जोताई कराने गए युवक की रोटावेटर की चपेट में आने से मौत हो गई।

हादसा उस समय हुआ, जब युवक ट्रैक्टर के मडगार्ड पर बैठा था। अचानक संतुलन बिगड़ने से वह नीचे गिर गया और रोटावेटर की चपेट में आ गया। हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर को खेत में छोड़कर जुनावई थाने पहुंचा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। संभल जिले के जुनावई थाना क्षेत्र के गांव मिठनपुर निवासी छत्रपाल (35 वर्ष) क्षेत्र में बटाई पर खेती करता था। सोमवार रात करीब नौ बजे वह भीमपुर दोस्तपुर स्थित अपने खेत की जोताई कराने के लिए ट्रैक्टर के साथ गया था। वह ट्रैक्टर के मडगार्ड पर बैठा था। खेत में पहुंचने के दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से वह नीचे गिर गया। इसी दौरान वह ट्रैक्टर के पिछले पहिये के नीचे आने के बाद पीछे लगे रोटावेटर की चपेट में आ गया। गंभीर रूप से कट जाने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक घबरा गया और ट्रैक्टर को खेत में ही छोड़कर जुनावई थाने पहुंचा। उसने पुलिस को घटना की जानकारी दी। जुनावई पुलिस की सूचना पर जरीफनगर पुलिस मौके पर पहुंची और शव कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए बदायूं भेज दिया। छत्रपाल की मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। उसके चार बच्चे हैं, जिनमें दो बेटे और दो बेटियां हैं। परिजनों के मुताबिक वह परिवार का इकलौता कमाने वाला था। उसकी मौत से पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। सीओ सहसवान अशोक कुमार सिंह ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रतियोगिताएं आयोजित, लगाई प्रदर्शनी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत मेरे सपनों का भारत चित्र सेवा प्रतियोगिता का जनपद स्तरीय आयोजन अटल बिहारी प्रेक्षागृह में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना तथा स्वागत गीत से हुई।

सेवा संकल्प अभियान के तहत बेसिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में गत माह से कक्षा 05 से 12 तक के छात्र-छात्राओं के लिए पोस्टर प्रतियोगिता, कक्षा 09 से 12 तक के लिए भाषण प्रतियोगिता तथा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा था। जनपद स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए चयनित बच्चों ने आज अटल बिहारी प्रेक्षागृह में अपने चित्रों की प्रदर्शनी लगाई। इस प्रदर्शनी में पूर्व माध्यमिक विद्यालय राघवपुर सिकंदरपुर की आशिया ने प्रथम, उच्च प्राथमिक विद्यालय जेवां पुवायां की दिव्या तथा कंपोजिट विद्यालय मझोला मदनापुर की साहिबा ने संयुक्त रूप से द्वितीय तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय लखोहा तिलहर की नन्हीं ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं, माध्यमिक स्तर की भाषण प्रतियोगिता में आचार्य राममोहन मिश्रा विद्या मंदिर इंटर कॉलेज जलालाबाद की प्रगति प्रथम, राजकीय इंटर कॉलेज कंट की उमैमा द्वितीय तथा लाल हरिराम इंटर कॉलेज खुदागंज की शिक्षा सिंह तृतीय स्थान पर रहीं। कक्षा 9 से 12 की पोस्टर प्रतियोगिता में काकोरी शहीद इंटर कॉलेज जलालाबाद की आयशा अंसारी प्रथम, रामदत्त पंचायत राज इंटर कॉलेज के सार्थक द्वितीय तथा स्वामी धर्मानंद इंटर कॉलेज के देवधर तृतीय स्थान पर रहे।

चुनाव आयोग के विरोध में सपा का प्रदर्शन, कार्यकर्ताओं ने की नारेबाजी

कैनविज टाइम्स संवाददाता



अमेठी। समाजवादी पार्टी ने मंगलवार को गौरीगंज स्थित पार्टी कार्यालय से चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष राम उदित यादव के नेतृत्व में बड़ी संख्या में नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता सड़क पर उतरे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध जताया। भाजपा के खिलाफ प्रतीकात्मक रूप से 'पाप का घड़ा' लेकर भी प्रदर्शन किया गया।

जिलाध्यक्ष राम उदित यादव ने कहा कि चुनाव लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। यदि चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची को लेकर सवाल उठ रहे हैं तो चुनाव आयोग को पारदर्शिता के साथ जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता के वोट के अधिकार से किसी भी तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। राम सिंह यादव ने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी होना चाहिए, जबकि जिला महासचिव अरशद अहमद ने चुनाव प्रक्रिया से जुड़े सवालों का स्पष्ट जवाब देने की मांग की।

प्रदर्शन में राम सिंह यादव, श्री राम बौरासी पासी, शिवप्रताप यादव, गुंजन सिंह, प्रतिभा यादव, महेंद्र यादव, मनीराम वर्मा, सोनू अंसारी, राम प्रसाद यादव, राकेश यादव कौहार, दिलीप यादव, बबलू यादव, राजलू, राम अचल, लाईक अहमद, शिव दर्शन यादव, इजहार अहमद, संदीप चौधरी, विजय प्रकाश, विक्रम सिंह, हसन उल्ला, राजेश सिंह, अंकुश यादव, मनु पाल, अकरम अहमद, लालजी यादव, राम अभिलाख, वकील खान, महेंद्र सोनकर, चंद्रकांत पाल, विकास पाल, शेर बहादुर, उदय प्रताप सिंह, सूबेदार यादव, दीपू तिवारी और अशोक यादव समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। सपा प्रवक्ता राजेश मिश्रा एडवोकेट ने बताया कि पार्टी लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के मुद्दे पर लगातार आवाज उठाती रहेगी।

मूर्ति विसर्जन को लेकर संग्रामपुर पुलिस ने किया फ्लैग मार्च, किया घाटों का निरीक्षण



कैनविज टाइम्स संवाददाता

संग्रामपुर,अमेठी। आगामी मूर्ति विसर्जन को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए मंगलवार को थाना संग्रामपुर पुलिस ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। थानाध्यक्ष संजय सिंह के नेतृत्व में भारी पुलिस बल के साथ क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला गया तथा संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण किया गया।

फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस टीम ने मूर्ति विसर्जन के लिए निर्धारित प्रमुख घाटों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस क्रम में रामघाट ठेंगहा, भवसिंहपुर स्थित भुवालापुर घाट तथा विशेषरगंज घाट की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। पुलिस अधिकारियों ने घाटों पर सुरक्षा, बैरिकेडिंग, आवागमन और भीड़ नियंत्रण संबंधी तैयारियों की समीक्षा की। थानाध्यक्ष संजय सिंह ने संबंधित पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि मूर्ति विसर्जन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने क्षेत्रवासियों से प्रशासन का सहयोग करने तथा शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में पर्व मनाने की अपील की। साथ ही कहा कि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस पूरी तरह सतर्क है और सभी प्रमुख स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा।

संग्रामपुर पुलिस ने दबोचा अंतर्जनपदीय अपराधी, तमंचा-कारतूस बरामद

अमेठी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. के निर्देशन में चलाए जा रहे ''ऑपरेशन चक्रव्यूह'' के तहत थाना संग्रामपुर पुलिस ने एक शातिर अपराधी को अवैध तमंचा और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, क्षेत्राधिकारी अमेठी मनोज कुमार मिश्रा के पर्यवेक्षण में संग्रामपुर पुलिस संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल से जा रहे अंसार उर्फ चितऊ निवासी भैसना, थाना सांगीपुर, जनपद प्रतापगढ़ को रोककर पूछताछ की गई। वाहन के कागजात न दिखा पाने पर उसकी तलाशी ली गई, जिसमें एक तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। बरामद मोटरसाइकिल को भी सीज कर दिया गया है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी अंतर्जनपदीय शातिर अपराधी है। उसके विरुद्ध अमेठी और प्रतापगढ़ जनपद के विभिन्न थानों में हत्या के प्रयास, लूट, आर्म्स एक्ट और गैंगस्टर एक्ट समेत कई गंभीर मामलों में कुल 14 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपी की आपराधिक गतिविधियों को देखते हुए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

रामलीला मंचन की तैयारियां शुरू, भूमि पूजन के साथ हुआ शुभारंभ



अमेठी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। आगामी 11 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक रामलीला मैदान, अमेठी में आयोजित होने वाले भव्य रामलीला मंचन की तैयारियों का शुभारंभ भूमि पूजन के साथ किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के बीच आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम में रामलीला समिति के पदाधिकारियों एवं गणमान्य लोगों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि (राजेश मसाला) मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ हरिकेश श्रीवास्तव, अनिल पाल, निखिल अग्रवाल, संतोष कसौधन, राजेश अग्रहरि टिकरी सहित रामलीला समिति के सदस्य और क्षेत्र के सम्मानित नागरिक मौजूद रहे। भूमि पूजन के बाद आयोजित बैठक में रामलीला मंचन की तैयारियों और व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। समिति के पदाधिकारियों ने आयोजन को भव्य एवं आकर्षक बनाने के लिए विभिन्न जिम्मेदारियां तय कीं। आयोजकों ने बताया कि 11 से 20 अक्टूबर तक चलने वाले रामलीला मंचन के दौरान भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों का मंचन किया जाएगा। इसके साथ ही धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है।

थाना उझानी पुलिस द्वारा टप्पेबाजी की घटनाओं को अंजाम देने वाले आरोपी गिरफ्तार

बदायूँ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद बदायूँ द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी उझानी बदायूँ के पर्यवेक्षण व नेतृत्व में चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत मंगलवार को थाना उझानी पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर टप्पेबाजी की घटनाओं को अंजाम देने वाले अभियुक्तगण को थाना उझानी क्षेत्रान्तर्गत रेलवे स्टेशन खंडहर से गिरफ्तार किया गया। वहीं गिरफ्तार अभियुक्तगण से पूछताछ करने पर उनके द्वारा बताया गया कि वे कागज की गड्डियां बनाकर उसके ऊपर 500 रुपये का नोट लगाते थे तथा नीचे कागज के टुकड़े रखते थे। इसके बाद आने-जाने वाली वृद्ध महिलाओं को अपनी बातों में बहला-फुसलाकर उनके कानों के कुंडल एवं सोने की चेन धोखाधड़ी से उतरवा लेते थे। उक्त आभूषणों को आने-जाने वाले लोगों को बेचकर प्राप्त धनराशि को अपने ऐशो-आराम में खर्च करते थे। अभियुक्तगण द्वारा लोगों को डराने-धमकाने के उद्देश्य से तमंचा एवं कारतूस रखने की बात भी बतायी गयी है। वहीं गिरफ्तारी में कैशू पुत्र सेवाराम फिरोजाबाद, रवि पुत्र शत्रू निवासी आगरा, कृष्णा पुत्र रवि गहलौत आगरा, सपना पत्नी रवि गहलौत आगरा, रामलि पत्नी डाकुर लखनऊ, वहीं अभियुक्त केशू पुत्र सेवाराम निवासी इन्द्रा नगर नई आबादी रहना फौजी वाली गली थाना उत्तर जनपद फिरोजाबाद से एक तमंचा व जिन्दा कारतूस के साथ पुलिस ने गिरफ्तार किया है, आज पुलिस इन सभी को जेल भेजने की कार्रवाई पूर्ण करेंगी।

31 अक्टूबर को निकलेगी भव्य निशान यात्रा, सजेगा बाबा श्याम का कीर्तन दरबार

अमेठी, कैनविज टाइम्स संवाददाता।। श्याम मित्र मंडल अमेठी की बैठक में आगामी बाबा श्याम के भव्य कीर्तन महोत्सव की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में आयोजन को सफल, भव्य और श्रद्धामय बनाने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया तथा उपस्थित सदस्यों ने अपने सुझाव रखे।बैठक को संबोधित करते हुए महेश सोनी ने बताया कि 31 अक्टूबर को प्रातः 7 बजे भव्य निशान यात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद सायंकाल बाबा श्याम का भव्य कीर्तन दरबार आयोजित होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि बाबा श्याम की कृपा से कार्यक्रम को दिव्य एवं यादगार बनाने के लिए सभी पदाधिकारी और सदस्य पूरी निष्ठा के साथ तैयारियों में जुटे हैं। आयोजन की व्यवस्थाओं, श्रद्धालुओं की सुविधाओं और कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई।

एसडीएम के औचक निरीक्षण के बाद बहाल हुई बंद पड़ी अल्ट्रासाउंड सेवा



कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) अमेठी में कई महीनों से बंद पड़ी अल्ट्रासाउंड सेवा की शिकायत मिलने पर एसडीएम पंकज कुमार मिश्रा ने अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अल्ट्रासाउंड कक्ष खुलवाकर मौके पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान पता चला कि चिकित्सक के पारिवारिक कारणों से अवकाश पर रहने के चलते अल्ट्रासाउंड जांच प्रभावित थी। इससे गर्भवती महिलाओं सहित अन्य मरीजों को निजी केंद्रों पर जांच कराने के लिए मजबूर होना पड़ रहा था। एसडीएम ने अस्पताल प्रशासन से जानकारी लेने के साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में मरीजों को समय पर सभी सुविधाएं मिलनी चाहिए। अस्पताल प्रशासन के अनुसार संबंधित चिकित्सक के वापस लौटने के बाद अल्ट्रासाउंड सेवा दोबारा शुरू कर दी गई है। इससे अब क्षेत्र के मरीजों को सीएचसी में ही जांच की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

जर्जर भवन और अव्यवस्था से घिरा संग्रामपुर ब्लॉक, सुविधाएं प्रभावित

कैनविज टाइम्स संवाददाता



संग्रामपुर, अमेठी। विकास खंड संग्रामपुर परिसर में स्थित अधिकांश आवासीय भवन जर्जर हो चुके हैं। भवनों के चारों ओर उगी घनी झाड़ियां और खराब रखरखाव के कारण परिसर की स्थिति बदहाल नजर आ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आवासीय भवन रहने योग्य नहीं बचे हैं, जिसके चलते कई अधिकारी और कर्मचारी ब्लॉक मुख्यालय पर नियमित रूप से नहीं रुकते। इसका असर आम जनता को मिलने वाली सुविधाओं पर पड़ रहा है।

फरियादियों के अनुसार विभिन्न कार्यों से ब्लॉक कार्यालय पहुंचने पर कई बार संबंधित अधिकारी और कर्मचारी समय पर नहीं मिलते, जिससे उन्हें घंटों इंतजार करना पड़ता है। कई मामलों में लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार ब्लॉक कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि आवासीय भवनों की मरम्मत कर उन्हें उपयोग योग्य बनाया जाए तो अधिकारी एवं कर्मचारी मुख्यालय पर रह सकेंगे और निर्धारित समय पर जनता के लिए उपलब्ध रहेंगे।

ब्लॉक कर्मचारियों ने भी परिसर की जर्जर स्थिति पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि आवासीय भवनों के अलावा कार्यालय के कई कमरे भी मरम्मत की मांग कर रहे हैं। बारिश के दौरान छतों से पानी टपकता है, जिससे कार्यालयी कार्य प्रभावित होते हैं और कर्मचारियों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। कई स्थानों पर भवनों की स्थिति दुर्घटना की आशंका भी पैदा कर रही है। क्षेत्रीय लोगों ने प्रशासन से जर्जर भवनों की मरम्मत, परिसर की साफ-सफाई और झाड़ियों की कटाई कराने की मांग की है। उनका कहना है कि आवश्यक मरम्मत और रखरखाव से ब्लॉक परिसर की व्यवस्था बेहतर होगी तथा आम जनता को समय पर सुविधाएं मिल सकेंगी।

मामूली अंतर की जीत के बाद भाजपा के सामने सीट बचाने की चुनौती

❐सपा को मामूली हार के बाद 2027 में वापसी की उम्मीद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। जिले की 296 सदर विधानसभा सीट पर 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राजनी तिक सरगर्मी धीरे-धीरे तेज होने लगी है वर्ष 20 22 में यहां भाजपा और सपा के बीच बेहद कांटे का मुकाबला देखने को मिला था।भाजपा से प्रती क भूषण सिंह ने सपा के पूर्व मंत्री पंडित सिंह के भतीजे सूरज सिंह को महज 6699 वोटों के अंतर से हराया था। कम अंतर की यह जीत आने वाले चुनाव में भाजपा के लिए चुनौती का संकेत भी मा नी जा रही है।वहीं सपा के पास पिछली मामूली हार को जीत में बदलने का अवसर है।

2022 में कांटे की टक्कर 2027 में फिर आमने-सामने होने के आसार

गोंडा सदर विधानसभा 296 सीट पर 2022 के चुनाव मे आखिरी दौर तक मुकाबले वाला रहा, भाजपा ने जीत दर्ज तो की, लेकिन अंतर बेहद कम रहा।ऐसे में 2027 के चुनाव में पिछली जीत का अंतर दोनों दलों की रणनीति का अहम आधार बन



सकता है।भाजपा जहां अपनी सीट बचाने के लिए संगठन और मतदाता आधार को मजबूत कर ने में जुटेगी, वहीं सपा पिछली हार की कमियों को दूर कर सत्ता पक्ष को चुनौती देने की कोशिश करे गी।सामाजिक समीकरण में छोटे समूहों की भूमि का अहम सदर विधानसभा क्षेत्र में मुस्लिम दलित, यादव कुर्मी, निषाद, पासी, अन्य पिछडा वर्ग और सवर्ण मतदाता चुनावी परिणाम को प्रभावित कर ने की स्थिति में हैं।खासतौर पर छोटे सामाजिक समूहों का रुख किसी एक दल की ओर होने पर चुनावी तस्वीर तेजी से बदल सकती है। पिछली जीत का अंतर केवल 6699 वोट रहा था।ऐसे में कुछ हजार वोटों का मामूली बदलाव भी परिणाम को पलटने की क्षमता रखता है। यही वजह है कि भाजपा और सपा दोनों के लिए बूथ स्तर पर मत दाताओं तक पहुंच और सामाजिक समीकरण सा धना महत्वपूर्ण होगा।

2022 में महज 6699 वोटों से जीती थी भाजपा, मेहनौन और सदर सीट पर अलग-अलग चुनौतियां

जिले की दोनों विधानसभा सीटों पर 2027 का चु नाव भाजपा और सपा के बीच दिलचस्प मुकाबले का रूप ले सकता है। 296 भिनगा विधानसभा में सपा के सामने अपनी बढ़त बनाए रखने की चुनौ ती है जबकि भाजपा वापसी के लक्ष्य के साथ मै दान में उतर सकती है। वहीं सदर विधानसभा में भाजपा को अपनी सीट बचाने की चुनौती है और सपा के पास पिछली मामूली हार को जीत में बद लने का अवसर। कुल मिलाकर 2027 के विधान सभा चुनाव में गोंडा जिले की दो सीटों पर भाजपा सपा का सीधा मुकाबला, बसपा और कांग्रेस की वोट हिस्सेदारी,प्रत्याशियों का रुझान निर्णायक भूमिका निभा सकता है। चुनाव नजदीक आने के साथ स्थानीय मुद्दों और प्रत्याशियों के चयन के बाद तस्वीर और साफ होने की उम्मीद है।

भाजपा के सामने जीत दोहराने की बड़ी चुनौती

भाजपा सदर विधायक प्रतीक भूषण सिंह के साम ने 2027 में सबसे बड़ी चुनौती अपनी पिछली जी त को दोहराने की होगी।मामूली अंतर से मिली जी त यह संकेत देती है कि सीट को पूरी तरह सुरक्षि त मानकर चलना भाजपा के लिए जोखिम भरा हो सकता है।पार्टी को अपने परंपरागत मतदाता आ धार के साथ सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों, युवाओं, महिलाओं और स्थानीय मतदाताओं के बीच पकड़ मजबूत करनी होगी।इसके साथ ही सड़क, जलनिकासी, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और क्षेत्रीय विकास जैसे स्थानीय मुद्दों पर जनता की अपेक्षाओं को पूरा करना भी अहम होगा।

विकास और रोजगार बनेंगे चुनावी मुद्दे

गोंडा सदर विधानसभा क्षेत्र मेंसड़क,जलभराव,जलनिकासी,स्वास्थ्य,शिक्षा,रोज गार और किसानों से जुड़े मुद्दे आगामी चुनाव में प्रमुख बन सकते हैं। बरसात में जलनिकासी की समस्या भी मतदाताओं के बीच महत्वपूर्ण मुद्दा रहेगी। इसके अलावा क्षेत्र को स्थानीय रोजगार और अर्थव्यवस्था से जोड़ने की मांग भी चुनावी बहस का हिस्सा बन सकती है।जिला मुख्यालय होने के नाते सड़क संपर्क और सुरक्षा से जुड़े सवाल भी मतदाताओं के बीच चर्चा में रहेंगे।

सपा को मामूली हार से वापसी की उम्मीद

2022 में सपा के सूरज सिंह बेहद कम अंतर से चुनाव हारे थे।ऐसे में पार्टी के लिए यह सीट मज बूत वापसी की संभावनाओं वाली सीटों में शामिल हो सकती है। यदि सपा संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने,सामाजिक समीकरण साधने और पिछले चुनाव की कमियों को दूर करने में सफल रहती है तो भाजपा के सामने चुनौती बढ़ सकती है।वहीं, बसपा और कांग्रेस की मौजूदगी भी चुना वी गणित को प्रभावित कर सकती है।दोनों दलों को मिलने वाला वोट किस दिशा में जाता है, इस का असर भाजपा और सपा के बीच मुकाबले पर पड़ सकता है।

बिजलीकर्मी की मौत पर सड़क जाम, सपा नेता विनोद शुक्ला समेत 25 पर मुकदमा



❐ शव सड़क पर रख छह घंटे तक प्रदर्शन, कौड़िया थाने के एसआई की तहरीर पर कार्रवाई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। जिले के कौड़िया थाना क्षेत्र में लाइन जोड़ते समय इलेक्ट्रीशियन सीताराम की मौत के बाद सड़क पर शव रखकर प्रदर्शन करना सपा नेता विनोद शुक्ला समेत 25 अज्ञात लोगों को भारी पड़ गया। पुलिस ने मामले में विनोद शुक्ला समेत 25 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।मुकदमा कौड़िया थाने के उपनिरीक्षक की तहरीर पर दर्ज किया गया।सीताराम की लाइन जोड़ते समय मौत हो गई थी।घटना के बाद परिज नों और स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया।प्रदर्श नकारियों ने शव को सड़क पर रखकर विरोध ज ताया और करीब छह घंटे तक मार्ग बाधित रहा। इससे आवागमन प्रभावित रहा और मौके पर पु लिस को स्थिति संभालने के लिए पहुंचना पड़ा।

पुलिस के अनुसार,सड़क जाम कर प्रदर्शन किए जाने के मामले में उपनिरीक्षक की तहरीर के आ धार पर मुकदमा दर्ज किया गया है।नामजद सपा नेता समेत अज्ञात लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है।पुलिस ने मामले में विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

हलधरमऊ में वीबी-जी राम जी योजना में चल रहा लूट का खेल...

❐ कागजों पर लाभार्थी जमीन पर फर्जीवाड़ा, वीबी राम जी योजना में फल-फूल रहा भ्रष्टाचार !

❐ नाम बदला,खेल नहीं ! वीबी जी राम जी योजना में मलौना, धोबहाराय, वीरपुर और रोन वारी मे फर्जी वाड़े के गंभीर आरोप...

❐ मनरेगा से वीबी - राम जी नाम बदला लेकिन भ्रष्टा चार के आरोप वही...

❐ कागजों में मिट्टी खोदाई.....मस्टर रोल में फर्जी हाजिरी.? गरीबों के रोजगार पर किसका डाका



कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा योजना का नाम बदलकर जी राम जी किया गया है सरकार दावा करती है कि नाम परिवर्तन से योजना में फैले भ्रष्ट चार पर रोक लगेगी और धांधली खत्म होगी,केंद्री य कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस योजना को लेकर बड़े दावे किए थे लेकिन नाम बदलने के बाद भी जमीन पर हालात यथावत हैं भ्रष्टाचार का खेल जारी है और जरुरतमंदों को रोजगार की गारं टी नहीं मिल पा रही है।हलधरमऊ विकासखंड में जिम्मेदारों की मिलीभगत से मनरेगा योजना में फ र्जी मस्टर रोल का खेल जारी है। सरकारी धन की बंदर बांट का आलम यह है कि पुराने कार्य और नाम बदलकर मनरेगा श्रमिकों के घर-घर जाकर हाजरी लगाकर भिन्न-भिन्न कार्यों पर अपलोड की जा रही है।इतना बड़ा खेला होने के बाद भी जिम्मे दार अधिकारी आंखें बंद किए हुए हैं,बीडीओ,एपी ओ,रोजगार सेवक व अन्य जिम्मेदार अधिकारी वं कर्मचारी वीबी रामजी योजना का भट्ठा बैठाने में लगे हुए हैं। केंद्र व प्रदेश सरकार वीबी राम जी यो जना में मोदी सरकार ने पारदर्शिता के लिए तमाम कायदे - कानून बना रखी है, जिससे श्रमिकों को गांव में ही काम मिल सके,परन्तु जिले के करनैल गंज ब्लॉक की ग्राम पंचायत मलौना, धोबहाराय, वीरपुर और रोनवारी के जिम्मेदार इस योजना में तमाम तरह के हथकंडे अपना कर शासनादेश की धज्जियां उड़ाने से नहीं चूक रहे हैं।इन ग्राम पंचाय तों में वीबी- जी राम जी (मनरेगा) कार्यों में चल रहे फर्जी मस्टर रोल के जरिए न सिर्फ सरकारी धन को चूना लगाया जा रहा है,बल्कि सरकार की मंशा पर पानी फ़ेरने का भी काम किया जा रहा है,वहीं क्षेत्र में चर्चा है कि मलौना के ग्राम प्रधान सत्ता पक्ष के इसारे पर वीबी-जी राम जी में चाहे आंधी चले या भारी बरसात लेकिन मनरेगा श्रमि कों की हजारी साइड पर होती रहेगी अपलोड वही ग्रामीणों की मानें तो गांव में कराए जा रहे का र्यों पर कुछ मनरेगा मजदूर ही कार्य करते हैं,बाकी मजदूर कागजों में दि खाई देते हैं।ग्रामीणों के अनु सार, रोजगार सेवक, प्रधान (प्रशासक) के द्वारा अपने स्वार्थ के लिए दर्जनों से अधिक की संख्या में मनरेगा योजना की लिस्ट में अपने चहेतों का ना म पहले से ही डलवा दिया गया है और उनके नाम पर भुगतान भी होता रहा है।वहीं कैं नविज टाइम्स इन आरोपों की पुष्टि नहीं करता है।ग्रामीणों का कहना है कि अगर जिले के सम्बन्धित उच्चाधिका री मनरेगा योजना के कार्यों का औचक निरीक्षण करें तो जमीनी सच्चाई खुद -ब - खुद सामने आ जाएगी।सवा लों के घेरे में उपायुक्त श्रम रोजगार मनरेगा की भू मिका का है,क्यों कि कागजो पर चल रहे का खेल का जिम्मा इनका ही है, लेकिन जिम्मेदार आंख मूं द कर बैठे हुए हैं।

क्या कहते हैं मुख्य विकास अधिकारी

हलधरमऊ विकास खंड में वीबी- जी राम जी योजना में किए जा रहे भ्रष्टाचार के बाबत मुख्य विकास अधिकारी दयानंद प्रसाद का कहना है कि वीबी जी राम जी में पारदर्शिता का हरसंभव प्रया स किया जाता है।इस संबंध में सख्त हिदायत भी दी जाती रहती है और समय-समय पर कार्यों की निगरानी भी कराई जाती है।उन्होंने कहा कि माम ले की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

साहब ! मेरी जमीन मुझे मिल गई वृद्धा की आंखों की खुशी ने बयां की डीआईजी की संवेदनशील कार्यशैली

❐ डीआईजी की पहल का असर,भूमिविवाद का हुआ निस्तारण मिठाई खिलाकर वृद्ध महिला ने दिया आशीर्वाद

कैनविज टाइम्स संवाददाता



गोंडा। साहब! मेरी जमीन मुझे मिल गई....., भूमि विवाद सुलझने के बाद वृद्ध कलावती के चेहरे पर आई खुशी और....आंखों की चमक ने पुलिस की संवेदनशील कार्यशैली की तस्वीर सामने रख दी। समस्या के समाधान से भावुक हुई महिला ने डी आईजी देवीपाटन परिक्षेत्र अशोक कुमार को मि ठाई खिलाकर आभार जताया और आशीर्वाद दि या।पकवानगांव, निरंजन तिवारीपुरवा निवासी क लावती पत्नी अंशुमान तिवारी ने 24 अगस्त को डीआईजी के समक्ष पहुंचकर भूमि विवाद की शि कायत की थी।उनका आरोप था कि अभिलेखों में जमीन उनके नाम दर्ज होने के बावजूद विपक्षी उ न्हें अपनी भूमि पर कब्जा नहीं करने दे रहे थे।इस से वह लंबे समय से परेशान थीं और निर्माण कार्य भी नहीं करा पा रही थीं।डीआईजी अशोक कुमार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना उमरीबेगम गंज प्रभारी से सीधे टेलीफोन पर वार्ता कर जांच और नियमानुसार समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दि ए,इसके बाद पुलिस ने आवश्यक जांच - पड़ताल और कार्रवाई करते हुए महिला के भूमि संबंधी वि वाद का निस्तारण कराया,6अक्टूबर को कलावती फिर डीआईजी के सामने पहुंचीं। इस बार हाथ में शिकायत नहीं,बल्कि समस्या के समाधान की खु शी थी।उन्होंने मिठाई भेंट कर डीआईजी को आ शीर्वाद दिया और आमजन की समस्याओं को गं भीरता से सुनने,तत्काल पहल करने और समय बद्ध कार्रवाई के लिए आभार जताया।इस मौके पर डीआईजी अशोक कुमार ने कहा कि शिकायत कर्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से लेना और उनका नियमानुसार,निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्ता रण सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता है।

दो महीने बाद टूटी तलाश की चुप्पी, मीडिया में मामला उठा तो पुलिस ने आरोपी को दबोचा

❐ मीडिया में मामला गरमाया तो जागी मनकापुर पुलिस, दो महीने बाद नाबालिग बालिका बरामद

❐ मीडिया की लगातार खबरों के बीच पुलिस को मिली सफलता, नाबालिग सकुशल बरामद

❐ दो महीने की तलाश पर सवाल किशोरी की बराम दगी के बाद अब पुलिस की शुरुआती कार्रवाई और लंबी चली तलाश भी बना चर्चा का विषय



कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। कोतवाली मनकापुर क्षेत्र से दो महीने पहले लापता हुई नाबालिग किशोरी आखिरकार सकु शल बरामद हो गई।किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने के आरोप में वांछित चल रहे राजू खां पुत्र तशरीफ निवासी तेंदुआ कला को पुलिस ने एलबी एस चौराहे से गिरफ्तार कर लिया।पुलिस के अनु सार आरोपी कहीं जाने के लिए साधन का इंतजार कर रहा था और पुलिस को देखते ही भागने लगा, लेकिन घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया।पुलिस के मुताबिक 27 व 28 जून की रात किशोरी घर से लापता हुई थी।परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की गई थी।काफी स मय तक किशोरी का सुराग नहीं मिलने पर मामला मीडिया में भी उठा।परिजनों का आरोप था कि का र्रवाई में अपेक्षित तेजी नहीं दिखाई गई,खबरें प्रका शित होने के बाद पुलिस ने तलाश तेज की। इसी दौरान पत्रकार द्वारा लगातार खबर प्रकाशित होने पर जिले के एक मंत्री के प्रतिनिधि ने पत्रकार पर दबाव बनाने के लिए और मुकदमा दर्ज कराने का आरोप भी सामने आया है।इसके बावजूद मीडिया में मामला लगातार उठता रहा।पुलिस टीम किशो री और आरोपी की तलाश में रोडवेज बस स्टेशन सहित संभावित स्थानों पर

दो महीने बाद बरामदगी ने उठाए कई सवाल

किशोरी की बरामदगी के बाद अब यह सवाल भी चर्चा में है कि यदि पुलिस ने तलाश पहले ही तेज की होती तो क्या उसे इतनी लंबी अवधि तक बाह र रहना पड़ता ? फिलहाल पुलिस कार्रवाई के बाद परिवार को राहत मिली है।मामले की आगे की जां च और न्यायिक प्रक्रिया जारी है।

निगरानी कर रही थी। इसी बीच मुखबिर ने सूचना दी कि किशोरी और आरोपी एलबीएस चौराहे पर मौजूद हैं।सूचना मि लते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर दी।पुलिस को देखते ही आरोपी ने भागने की कोशिश की,लेकिन टीम ने उसे पकड़ लिया।मौके पर बुर्के में मिली किशोरी की पहचान उसके भाई ने अपनी बहन के रूप में की।महिला पुलिसकर्मी की निगरानी में उसे सकुशल थाने लाया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्र वाई पूरी कर उसे न्यायालय भेज दिया।

उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित हुए डॉ. लोहंस कल्याणी



गोंडा। विश्व शिक्षक दिवस पर कानपुर में आयोजित सम्मान समारोह में श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज के बीएड विभाग के असिस्टेंट प्रोफ़ेसर डॉ. लोहंस कुमार कल्याणी को उत्कृष्टशिक्षक पुरस्कार 2026 से सम्मानित किया गया।यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान,समर्पण और उत्कृष्ट शिक्षण कार्य के लिए प्रदान किया गया।पूर्व कुलपति प्रो.एचएन मिश्र ने उन्हें पुरस्कार प्रदान किया।समारोह में द इंटरनेशनल सेंटर, कानपुर के चेयरमैन सुष्मित मिश्र एडवोकेट सहित महाविद्या लय के प्रभारी प्राचार्य प्रो.जितेंद्र सिंह,मुख्य नियंता प्रो.संदीप कुमार श्रीवास्तव,उपमुख्य नियंता प्रो. अ रविंद कुमार शर्मा समेत शिक्षकों ने डॉ.कल्याणी को बधाई दी।

नानपारा की नुपूर पांडेय का यूपी अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम में चयन

कैनविज टाइम्स संवाददाता



नानपारा, बहराइच। तराई की प्रतिभाओं ने एक बार फिर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। नानपारा तहसील के भग्गापुरवा निवासी नुपूर पांडेय का चयन उत्तर प्रदेश की अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम में हुआ है। अपनी धारदार गेंदबाजी से बल्लेबाजों के विकेट चटकाने वाली नुपूर अब बीसीसीआई द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश की टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। प्रतियोगिता नौ अक्तूबर से शुरू होगी। नुपूर को बचपन से ही क्रिकेट में रुचि रही है। अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए वह बालकों के साथ भी क्रिकेट खेलती थीं। नुपूर की मां रुचि पांडेय ने बताया कि नुपूर का जन्म वर्ष 2011 में हुआ था। वह सआदत इंटर कॉलेज के मैदान में नियमित रूप से क्रिकेट का अभ्यास करती रही हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद नुपूर के सपने को पूरा करने के लिए परिजनों ने उनका पूरा साथ दिया। नुपूर ने भी अपनी मेहनत और लगन में कोई कमी नहीं छोड़ी। निजी कंपनी में कार्यरत नुपूर के पिता नीरज पांडेय ने कहा कि बेटी ने अपनी मेहनत से परिवार का सिर गर्व से ऊंचा किया है। जिला क्रिकेट एसोसिएशन बहराइच के फाउंडर इशरत महमूद खान ने बताया कि नुपूर मंगलवार को मुंबई के लिए रवाना हो गई हैं। उन्होंने बताया कि नुपूर का चयन उत्तर प्रदेश की 20 सदस्यीय अंडर-19 महिला टीम में हुआ है। नुपूर नौ अक्तूबर से प्रतियोगिता में खेलेंगी। नुपूर ने अपनी सफलता का श्रेय जिला क्रिकेट एसोसिएशन बहराइच के सचिव इशरत महमूद खान और कोच आसिफ रजा को दिया। उन्होंने कहा कि उनकी मेहनत के साथ-साथ इशरत महमूद खान और आसिफ रजा ने उनके सपनों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नुपूर ने अपनी सफलता में माता-पिता के योगदान को भी अहम बताया।

जनपदीय युवा क्रीड़ा एवं सांस्कृति प्रतियोगिता का सांसद ने किया शुभारम्भ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । श्री शंकर इंटर कॉलेज, नानपारा के तत्वावधान में इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित 75वीं जनपदीय युवा क्रीड़ा एवं सांस्कृति प्रतियोगिता का शुभारम्भ सांसद बहराइच डॉ. आनन्द कुमार गोंड ने विधायक पयागपुर सुभाष त्रिपाठी के साथ दीप प्रज्जवलित कर शुभारम्भ किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. गोंड ने जूनियर एवं सब-जूनियर बालक वर्ग की 100 दौड प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों का परिचय प्राप्त कर उत्साहवर्द्धन किया तथा हरी झण्डी दिखाकर दौड़ को झण्डी दिखाई। प्रतियोगिता में जनपद के विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राएं खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में अपनी प्रतिभा और हुनर का प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रतियोगिता में प्रतिभागी खिलाड़ियों द्वारा सांसद श्री गोंड को सलामी दी गयी। साथ ही आसमान में गुब्बारा छोड़कर हरी झण्डी दिखाकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये गये। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सांसद डॉ. गोंड ने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। डॉ. गोंड ने कहा कि खेल के मैदान हमें हार कर जीतने का सबक देते हैं। इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी सौरभ दुबे, सिटी मजिस्ट्रेट राजेश प्रसाद, जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वदानन्द, सहित अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

एडुलीडर्स सम्मान-2026 में बहराइच की शिक्षिका बेबी मालिक सम्मानित

नानपारा, बहराइच। शिक्षा में श्रीमद्भगवद्गीता के मूल्यों के समावेश और उनकी उपयोगिता को लेकर मथुरा के केएम विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय शैक्षिक समागम में प्रदेश के 75 जनपदों से चयनित 150 उत्कृष्ट शिक्षकों को एडुलीडर्स सम्मान-2026 से सम्मानित किया गया। जनपद बहराइच से पूर्व माध्यमिक विद्यालय सिलेटनगंज की शिक्षिका बेबी मालिक को भी उनके शैक्षिक कार्य एवं योगदान के लिए इस सम्मान से नवाजा गया। सम्मान समारोह के बाद मंगलवार को खण्ड शिक्षा अधिकारी अरुण वर्मा ने बेबी मालिक को सम्मानित किया। विद्यालय के इंचार्ज विजय प्रताप सिंह एवं शैलेश श्रीवास्तव ने बेबी मालिक को मिले सम्मान को उत्सव के रूप में मनाया। मथुरा में आयोजित 'शिक्षा में श्रीमद्भगवद्गीता आधारित मूल्यों का समावेश' विषयक संगोष्ठी एवं एडुलीडर्स सम्मान समारोह में शिक्षकों ने शिक्षा के क्षेत्र में गीता के मूल्यों की उपयोगिता पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में प्रदेश के 75 जनपदों से चयनित 150 उत्कृष्ट शिक्षकों को उनके उल्लेखनीय शैक्षिक कार्यों एवं योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

उद्यान विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ उठायें कृषक: डीएचओ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । जिला उद्यान अधिकारी दिनेश चौधरी ने बताया कि बागवानी क्षेत्र के समग्र विकास हेतु कृषकों को औद्यानिक विकास की योजनाओं से लाभान्वित करने के उद्देश्य से उद्यान विभाग में एकीकृत बागवानी मिशन एवं मुख्यमंत्री राज्य औद्यानिक विकास योजना का संचालन किया जा रहा है। इच्छुक कृषक आधार कार्ड, बैंक पासबुक, खतौनी, पासपोर्ट साइज फोटो एवं मोबाइल नम्बर की सहायता से उद्यान विभाग के पोर्टल वन डाट यूपीहर्टीकल्चर डाट कॉम पर स्वयं अथवा जनसेवा केन्द्र के माध्यम से पंजीकरण करा सकते हैं। से कर सकते है। कृषकों का चयन पंजीकरण, कार्यालय में प्रस्तुत अभिलेख एवं कोटेशन के आधार पर प्रथम आवक-प्रथम पावक वरीयता के अनुसार किया जायेगा।

श्री चौधरी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रस्तावित कार्यक्रम में केला क्षेत्र विस्तार, आम, अमरूद, स्ट्रावेरी, ड्रेगन फ्रूट, पपीता, संकर शाकभाजी के अतिरिक्त प्याज, लहसुन, हनी बी कालोनी, जैविक खेती, मचान विधि से सब्जियों की खेती, औषधीय फसलें, बागवानी में मशीनीकरण एवं फ़ेन्सिंग का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। पंजीकृत आवेदित कृषक आवेदन के अनुसार वांछित अभिलेख एक सप्ताह के अन्दर कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि निर्धारित तिथि तक पंजीकृत कृषकों द्वारा अभिलेख प्रस्तुत न किये जाने की दशा में अभिलेख के आधार पर सूची के अनुसार क्रमवार आगे के कृषकों को अनुदान का भुगतान कर दिया जायेगा। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय अथवा योजना प्रभारी पंकज वर्मा के मो.न. 9455108000 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

सियार प्रभावित क्षेत्र में वन विभाग द्वारा की जा रही है गश्त, ग्रामवासियों को किया जा रहा है जागरूक

बहराइच । प्रभागीय वनाधिकारी बहराइच ने बताया कि 04 अक्टूबर 2026 को रात्रि में क्षेत्रीय वनाधिकारी, नानपारा को सूचना प्राप्त हुई कि तहसील नानपारा अन्तर्गत थाना मटेरा के ग्राम भगड़वा करौंदा निवासी चंदी चौहान का 06 वर्षीय पुत्र मिथलेश अपने घर के बाहर प्रांगण में बैठा हुआ था एवं रोहित वर्मा की 05 वर्षीय पुत्री कु. सुनैना 04 अक्टूबर को जब वह तालाब के किनारे शौच के लिए गयी थी लगभग सायं 7.30 से 8.00 बजे के मध्य सियार द्वारा उन पर हमला किया गया। डीएफओ बहराइच ने बताया कि सूचना प्राप्त होते ही क्षेत्रीय स्टाफ अपनी टीम के साथ मौके पर पहुँचे एवं तत्काल घायलों का प्राथमिक उपचार कराया गया। स्वास्थ्य लाभ उपरान्त दोनों घायल अपने-अपने घर चले गये, जो पूर्णतः स्वस्थ हैं। घटना स्थल पर पूर्ण रूप से अन्धेरा था। तथापि घटनास्थल के आस-पास छान-बीन करने पर सियार के पदचिन्ह पाये गये। स्थानीय ग्रामवासियों को जागरूक करते हुए अपील की जा रही है कि वह अपने-अपने घरों में प्रकाश की समुचित व्यवस्था रखें और अपने बच्चों को घर के बाहर अकेले न छोड़े तथा सायंकाल में बच्चों को घर के अन्दर दरवाजा बन्द कर रखें। स्थानीय स्टाफ द्वारा क्षेत्र में लगातार गश्त करते हुए निगरानी की जा रही है।

डीएम का दो टूक, तहसील की जमीन पर नहीं होगा निर्माण,फिर भी कब्जा जारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। तहसील परिसर की राजस्व भूमि पर निर्माण को लेकर जिलाधिकारी आलोक कुमार ने दो टूक कहा कि सरकारी जमीन पर किसी तरह का निर्माण नहीं होने दिया जाएगा। इसके बावजूद तहसील परिसर में निर्माण का सिलसिला थमता नजर नहीं आ रहा है।

हाल ही में अधिवक्ताओं के चेंबर निर्माण को लेकर विवाद सामने आने के बाद जनसेवा केंद्र और फोटो स्टेट संचालकों के निर्माण भी जांच के घेरे में तहसील परिसर में अधिवक्ताओं के चेंबरों के अलावा जनसेवा केंद्र संचालकों, फोटो स्टेट संचालकों और स्टांप विक्रेताओं द्वारा भी सरकारी जमीन पर पक्के निर्माण किए जाने की बात सामने आ रही है। इससे तहसील प्रशासन की निगरानी और भूमिका पर सवाल उठने लगे हैं।पुरानी तहसील भवन के ध्वस्तीकरण के बाद परिसर की राजस्व भूमि पर कब्जों और

❒ जनसेवा केंद्र और फोटो स्टेट संचालकों ने भी किया पक्का निर्माण

निर्माण को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। कुछ दिन पहले तहसीलदार ने एक निर्माणाधीन चेंबर की करीब दो फीट दीवार गिराकर कार्रवाई की थी। इसके बाद अधिवक्ताओं के विरोध और अधिकारियों से वार्ता के बाद मामला फिर चर्चा में आ गया। वहीं, संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम से अधिवक्ताओं की वार्ता के बाद अधिवक्ता संगठन की ओर से संदेश प्रसारित किया गया कि नए बने चेंबर नहीं तोड़े जाएंगे और प्रशासन के साथ नए स्थान को लेकर सहमति बनने तक नई जगह पर निर्माण न किया जाए। इस पूरे घटनाक्रम के बीच सवाल यह उठ रहा है कि जब डीएम का स्पष्ट निर्देश है कि सरकारी जमीन पर निर्माण नहीं होगा तो तहसील परिसर में पक्के निर्माण आखिर कैसे होते रहे। प्रशासन

तहसील प्रशासन की निगरानी पर सवाल

सरकारी जमीन पर कब्जा को लेकर तहसील प्रशासन की कार्य प्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। कब्जामुक्त कराने के लिए स्पष्ट निर्देश जारी होने के बावजूद निर्माण जारी रहना तहसील प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। यदि तहसील परिसर की जमीन पर लगातार निर्माण होता रहा तो इसकी जानकारी जिम्मेदार अधिकारियों को क्यों नहीं हुई? और यदि जानकारी थी तो समय रहते निर्माण रुकवाने की कार्रवाई क्यों नहीं की गई? अब लोगों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि प्रशासन केवल एक-दो निर्माणों पर कार्रवाई करता है या तहसील परिसर की पूरी राजस्व भूमि की जांच कराकर सभी कब्जों पर निष्पक्ष कार्रवाई करेगा।

बार का सुझाव, बिना सहमति न करें नया निर्माण

शनिवार डीएम से मुलाकात के बाद प्रगतिशील अधिवक्ता एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं महामंत्री के निर्देशानुसार मीडिया प्रभारी जसविंदर सिंह एडवोकेट ने एक मैसेज वायरल किया। इसमें बताया गया कि किया कि उच्च अधिकारियों एवं विधायक बाबूराम पासवान से हुई वार्ता के क्रम में जिन नए चेंबरों का निर्माण हुआ है, उन्हें नहीं तोड़ा जाएगा। उन्होंने अधिवक्ताओं से आश्वस्त रहने की अपील की। साथ ही कहा कि जब तक नए स्थान को लेकर प्रशासन और बार एसोसिएशन के बीच सहमति नहीं बन जाती, तब तक बार एसोसिएशन से पूछे बिना किसी नई जगह पर नवनिर्माण न किया जाए।

को निर्माण शुरू होते ही कार्रवाई करनी चाहिए थी, लेकिन कार्रवाई उस समय हुई जब निर्माण काफी आगे बढ़ चुका था। ऐसे में अब सवाल केवल नए चेंबरों का नहीं, बल्कि तहसील परिसर की पूरी राजस्व भूमि पर हुए कब्जों का है। लोगों का कहना है कि प्रशासन को पूरी जमीन की पैमाइश कराकर यह स्पष्ट करना चाहिए कि किसके कब्जे में कितनी सरकारी जमीन है और वहां निर्माण किस आधार पर हुआ।

दूसरे दिन भी संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने काला फीता बांधकर सांकेतिक विरोध किया दर्ज

पीलीभीत। संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों का पिछले कई दिनों से समान वेतन और स्थायीकरण को लेकर ज्ञापन एवं काला फीता बांधकर सांकेतिक विरोध का सिलसिला चल रहा है। उसकी क्रम में संविदा स्वास्थ्य अधिकारियों/ कर्मचारियों द्वारा मंगलवार को जनपद के समस्त सीएचसी व पी एच सी एवं जिला अस्पताल- (पुरुष/ महिला) और मेडिकल कॉलेज और मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय पर काला फीता बांधकर काम कर विरोध प्रदर्शन किया।प्रादेशिक आह्वाहन पर दिनांक 05-10-2026 से 07-10-2026 तक पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अंतर्गत जिला अध्यक्ष देवेन्द्र अस्थाना के नेतृत्व मे जनपद पीलीभीत के समस्त संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने काला फीता बांधकर सांकेतिक विरोध दर्ज किया। इसमे डॉ0 शरीफ अहमद, डॉ0 समन इसरार, डॉ0 शरीफ, डॉ0 अनुपम जायसवाल, डॉ0 प्रियंका चतुर्वेदी, डॉ0 रेहान, गौरव गंगवार, प्रशांत सक्सेना, राजीव गंगवार, शकुंतला, राजीव, शिवम् भारती, माला शर्मा, डॉ0 दिनेश, भूपेंद्र सिंह, रविता, मोहनलाल, राजकुमार, प्राची अग्रवाल, दुर्गपाल, विष्णु कुमार विश्वास, डॉ0 शरीफ हसन, धर्मपाल, प्रेमसिंह, मीनाक्षी सिंह, विश्ववीर, संजीव नायर, आशीष कुमार यादव, हैदर अली, मो0 अफसार, मो0 नाज़िर, नितिन गंगवार, महेन्द्र सिंह गंगवार, कौशल कुमार, अनुराग सिंह, अमित शर्मा समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत मेडिकल कॉलेज बिठौरा कला में बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज मेडिकल कॉलेज, बिठौरा कला में बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग, पीलीभीत द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पोषण, मातृ एवं बाल स्वास्थ्य तथा विभागीय योजनाओं से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत हेल्दी बेबी कार्यक्रम, रेसिपी प्रतियोगिता एवं रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गईं। हेल्दी बेबी कार्यक्रम में परियोजना मरौरी से 09 तथा परियोजना बरखेड़ा से 03 बच्चों ने प्रतिभाग किया। इनमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को माननीय विधायक बरेखडा स्वामी प्रवक्तानन्द एवं जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।इसी क्रम में प्रधानमंत्री



मातृ वंदना योजना सहित अन्य विभागीय कार्यों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली परियोजना मरौरी की 10, परियोजना बरखेड़ा की 07 तथा परियोजना ललौरीखेड़ा की 05 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को भी पुरस्कृत किया गया।रेसिपी प्रतियोगिता में परियोजना ललौरीखेड़ा ने प्रथम, परियोजना मरौरी ने द्वितीय तथा परियोजना बरखेड़ा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं पोषण माह एवं सेवा संकल्प अभियान की थीम पर आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में परियोजना मरौरी ने प्रथम तथा परियोजना बरखेड़ा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में बाल विकास परियोजना मरौरी, ललौरीखेड़ा एवं बरखेड़ा की समस्त मुख्य सेविकाओं सहित लगभग 500 आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिकाओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से पोषण एवं स्वास्थ्य के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले बच्चों एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रोत्साहित करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य, जिला मंत्री सत्यपाल वर्मा, भारतीय जनता युवामोर्चा से हर्षित चैधरी, जिला मीडिया प्रभारी अभिमन्यु गंगवार, हेमराज, दिवाकर, हरेंद्र सिंह, कार्यालय प्रभारी, जिला विकास अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, युगल किशोर सांगुड़ी बाल विकास परियोजना अधिकारी मरौरी, ललौरीखेड़ा एवं बरखेड़ा तथा विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे हैं।

अनुसूचित जनजाति किसान की भूमि पर दबंगकर रहे कब्जा, पीड़ित ने मुख्यमंत्री से की शिकायत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। कलीनगर तहसील क्षेत्र के ग्राम सेल्हा में एक अनुसूचित जनजाति किसान की भूमि पर दबंगों द्वारा अवैध कब्जा करने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने इस संबंध में मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर न्याय की गुहार लगाई है।ग्राम सेल्हा निवासी रामजी पुत्र विश्वनाथ ने मुख्यमंत्री को भेजे शिकायती पत्र में बताया कि गांव में स्थित गाटा संख्या 128 में वह सहखातेदार हैं और प्रथम पक्ष के रूप में उक्त भूमि पर काबिज हैं। आरोप है कि गांव के ही मंगा सिंह, गुलजार सिंह, जनरल सिंह, मुख्तार सिंह, सतनाम सिंह, सुखदेव सिंह आदि अपने साथियों सुशांत विश्वास और कन्हैया के साथ मिलकर उक्त भूमि पर अवैध रूप से कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं और भूमि की अवैध बिक्री भी कर रहे हैं।पीड़ित का कहना है कि जब उसने इसका विरोध किया तो उक्त लोगों ने उसे जाति सूचक गालियां दीं और मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने धमकी देते हुए कहा कि यहां से भाग जा, नहीं तो जान से मार देंगे। इस घटना से पीड़ित परिवार काफी भयभीत है।रामजी ने बताया कि उसने इस मामले की शिकायत पहले स्थानीय पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारियों से भी की थी, लेकिन अभी तक किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं हुई है। दबंगों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं और वह खुलेआम भूमि पर कब्जा करने में लगे हैं।अनुसूचित जनजाति के किसान ने मुख्यमंत्री से मामले में हस्तक्षेप कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और उसकी पैतृक भूमि को कब्जा मुक्त कराने की मांग की है।

गांव-गांव पहुंचीं सभ्यता देवी वर्मा, महिलाओं को बताए अधिकार और योजनाओं के लाभ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। 128 विधानसभा बरखेड़ा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम शिवनगर, विधिपुर और इटोरिया में ब्लॉक प्रमुख मरौरी सभ्यता देवी वर्मा ने ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। उन्होंने गांव-गांव पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुनीं और केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न लोककल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा की। इस दौरान महिलाओं से विशेष संवाद करते हुए उन्हें उनके अधिकारों और सरकार की ओर से महिलाओं के लिए संचालित योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया।सभ्यता देवी वर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार का उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। कोई भी पात्र परिवार सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे, इसके लिए जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि वे गांवों तक पहुंचकर लोगों को योजनाओं की जानकारी दें और उनकी समस्याओं को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाएं।उन्होंने महिलाओं से कहा कि सरकार ने महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की हैं। महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होकर इन योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं से शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वरोजगार और आर्थिक सशक्तीकरण से जुड़ी योजनाओं की जानकारी लेने और पात्रता के अनुसार आवेदन करने का आह्वान किया।जनसंवाद के दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और विकास कार्यों को लेकर भी सभ्यता देवी वर्मा के समक्ष अपनी बात रखी। उन्होंने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि जनसमस्याओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों तक पहुंचाया जाएगा और उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। सभ्यता देवी वर्मा ने कहा कि सरकार की योजनाएं तभी सार्थक हैं, जब उनका लाभ पात्र व्यक्ति तक पहुंचे। इसलिए गांवों में जाकर लोगों से संवाद करना और उन्हें उनके अधिकारों तथा योजनाओं के प्रति जागरूक करना जरूरी है।

उपाधि महाविद्यालय में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कैनविज टाइम्स संवाददाता



पीलीभीत। उपाधि महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक विशेष साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में साइबर सुरक्षा सेल के विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से बचाव एवं सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को साइबर क्राइम, व्हाट्सऐप एवं फ़ेसबुक पर होने वाले विभिन्न प्रकार के स्कैम, ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, संदिग्ध कॉल एवं संदेश, सोशल मीडिया पर निजी जानकारी साझा करने के खतरे तथा साइबर अपराध से बचने के उपायों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया। विद्यार्थियों को सलाह दी गई कि वे किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें तथा अपनी व्यक्तिगत जानकारी, पासवर्ड, ओटीपी एवं बैंक संबंधी जानकारी किसी के साथ साझा न करें। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डॉ. दुष्यंत कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक रहना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों से सोशल मीडिया एवं इंटरनेट का सावधानीपूर्वक और जिम्मेदारी के साथ उपयोग करने का आह्वान किया।मुख्य अनुशासन अधिकारी डॉ. दुर्गेश धर द्विवेदी ने भी विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के प्रति सचेत करते हुए कहा कि जागरूकता और सावधानी ही साइबर अपराध से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों को किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी संबंधित अधिकारियों को देने के लिए प्रेरित किया।राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कविता कनौजिया ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए साइबर सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला तथा कहा कि विद्यार्थियों को डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करते समय विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया पर अनजान व्यक्तियों से संपर्क एवं संदिग्ध संदेशों से सावधान रहने की अपील की।

कार्यक्रम में रुद्रभान सिंह,डॉ. शैफाली सक्सेना सहित महाविद्यालय के अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे हैं।

वांछित आरोपी की तलाश में पहुंची पुलिस से भिड़े यदुवंशी के परिजन

❒ कानून के दरवाजे पर सियासी हनक! 'लाठी लाओ रे वाले वीडियो ने बढ़ाई मुश्किलें

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। अपराधियों की धरपकड़ के लिए पुलिस रात के अंधेरे में भी दबिश दे रही है, लेकिन एक गांव में पुलिस के सामने एक अलग ही तस्वीर सामने आने का दावा किया जा रहा है। जानलेवा हमले के मामले में वांछित आरोपियों की तलाश में पहुंची पुलिस टीम को कथित तौर पर राजनीतिक रसूख दिखाकर रोकने की कोशिश की गई। मामले में शिवा यदुवंशी का नाम सामने आया है जो खुद को इसौली विधानसभा क्षेत्र का भावी प्रत्याशी बताते हैं।

पुलिस के मुताबिक नगर कोतवाली और धम्मौर थाने की संयुक्त टीम न्यायालयीय प्रक्रिया के तहत वांछित आरोपियों की तलाश में उघड़पुर पहुंची थी। आरोप है कि पुलिस टीम के पहुंचने के बाद सहयोग करने के बजाय गेट खोलने से इनकार किया गया और काफी देर तक पुलिसकर्मियों को बाहर खड़ा रहना पड़ा। मामला यहीं नहीं रुका। पुलिस के अनुसार जब विधिक कार्रवाई आगे बढ़ाने की कोशिश की



गई तो कथित तौर पर विरोध और तीखी बहस की स्थिति पैदा हो गई। वायरल वीडियो में शिवा यदुवंशी की आवाज में ले आओ रे लाठी... जैसे शब्द सुनाई देने का दावा किया जा रहा है।

अब सवाल यह है कि जिस पुलिस के कंधों पर अपराधियों को पकड़ने और कानून-व्यवस्था कायम रखने की जिम्मेदारी है अगर उसी पुलिस के सामने लाठी लाने की बात कही जाए तो यह राजनीतिक हनक है या कानून को चुनौती। शिवा यदुवंशी आगामी विधानसभा चुनाव में इसौली से चुनाव लड़ने का दावा कर रहे हैं। ऐसे में इस पूरे घटनाक्रम ने राजनीतिक गलियारों में भी सवाल खड़े कर दिए हैं। जनप्रतिनिधि बनने का सपना देखने वाले व्यक्ति से जनता संयम, सहयोग और कानून के सम्मान की उम्मीद करती है। यदि वायरल वीडियो में दिखाई और सुनाई दे रही बातें सही हैं तो यह सवाल स्वाभाविक है कि जो व्यक्ति आज पुलिस की कार्रवाई को प्रभावित करने की कोशिश करता दिखाई दे रहा है वह कल जनप्रतिनिधि बनकर कानून के प्रति कैसी मिसाल कायम करेगा।

पुलिस पर आरोप या कार्रवाई से बचने की रणनीति

मामले के बाद सोशल मीडिया पर पुलिस के खिलाफ बदसलूकी और शराब के सेवन जैसे आरोप लगाए जाने की बात भी सामने आई है। हालांकि पुलिस अधिकारियों ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इन्हें कार्रवाई से बचने का प्रयास बताया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार जफरूल हसन के बेटे पर हुए जानलेवा हमले के मामले में संजय यदुवंशी और शिवा यदुवंशी नामजद एवं वांछित हैं और पुलिस टीम नियमानुसार उनकी तलाश में पहुंची थी।

सियासी रसूख बनाम कानून का इकबाल

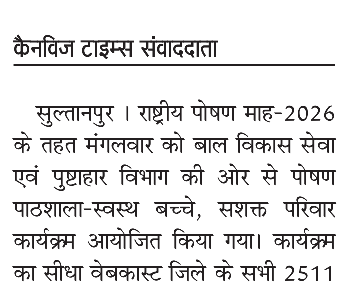
पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या किसी राजनीतिक दावे या भविष्य की चुनावी महत्वाकांक्षा के आगे कानून की कार्रवाई रुक सकती है। सुल्तानपुर पुलिस का रुख साफ है कि कानून की नजर में न कोई भावी प्रत्याशी बड़ा है न कोई रसूखदार और न ही कोई आम आदमी छोटा।

विशेषज्ञों ने ऊपरी आहार और बाल पोषण के प्रति किया जागरूक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर । राष्ट्रीय पोषण माह-2026 के तहत मंगलवार को बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग की ओर से पोषण पाठशाला-स्वस्थ बच्चे, सशक्त परिवार कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का सीधा वेबकास्ट जिले के सभी 2511 आंगनबाड़ी केंद्रों पर किया गया, जिसे लाभार्थी परिवारों, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और विभागीय कर्मचारियों ने सुना।

कार्यक्रम में बच्चों के पोषण, ऊपरी आहार और परिवार की भूमिका पर विशेषज्ञों ने महत्वपूर्ण जानकारी दी। अपर मुख्य सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग लीना जौहरी ने कहा कि बच्चों का बेहतर पोषण केवल मां की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि पूरे परिवार को इसमें सहयोग करना चाहिए। निदेशक आईसीडीएस हर्षिता माथुर ने डिजिटल माध्यमों के जरिए पोषण संबंधी सही जानकारी लाभार्थियों तक पहुंचाने की उपयोगिता बताई। यूनिसेफ की ड. शालिनी रमन और वरिष्ठ पोषण विशेषज्ञ तपस्विनी सेन ने



बताया कि छह माह की आयु पूरी होने के बाद बच्चों को उनकी आवश्यकता के अनुसार विविधतापूर्ण ऊपरी आहार देना चाहिए। भोजन की मात्रा, समय और विविधता का ध्यान रखने के साथ बच्चे के संकेतों को समझना भी जरूरी है। कार्यक्रम में डी2सी डिजिटल प्लेटफर्म के माध्यम से मोबाइल, व्हाट्सऐप और एसएमएस के जरिए लाभार्थियों तक पोषण संदेश पहुंचाने की जानकारी दी गई। एनआईसी सुल्तानपुर में जिला कार्यक्रम अधिकारी शरद कुमार त्रिपाठी समेत बाल विकास परियोजना अधिकारी, डीसी एवं मुख्य सेविकाएं मौजूद रहीं। अधिकारियों ने पोषण संबंधी संदेशों को गांव-गांव और परिवार-परिवार तक पहुंचाने पर जोर दिया।

भाजपा ने धर्मपाल को बनाया राज्यसभा उम्मीदवार, ब्लॉक प्रमुख ने दी बधाई

पीलीभीत,कैनविज टाइम्स संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री आंवला से विधायक धर्मपाल सिंह को राज्यसभा उम्मीदवार घोषित किया है। भाजपा शीर्ष नेतृत्व द्वारा उन्हें राज्यसभा के लिए प्रत्याशी बनाए जाने के बाद से कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है।धर्मपाल सिंह को राज्यसभा उम्मीदवार बनाए जाने पर मरौरी ब्लॉक प्रमुख सभ्यता वर्मा ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। ब्लॉक प्रमुख सभ्यता वर्मा ने कहा कि मंत्री धर्मपाल सिंह एक वरिष्ठ, अनुभवी और जमीनी नेता हैं। उन्होंने लंबे समय तक संगठन और सरकार में रहकर प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।उन्होंने कहा कि भाजपा नेतृत्व ने एक बार फिर साबित किया है कि पार्टी में निष्ठावान और कर्मठ कार्यकर्ताओं का सम्मान होता है। मंत्री धर्मपाल सिंह के राज्यसभा में जाने से पश्चिमी उत्तर प्रदेश और विशेषकर रुहेलखंड क्षेत्र की आवाज संसद में और अधिक मजबूती से उठेगी। उनके अनुभव का लाभ पार्टी और देश दोनों को मिलेगा।सभ्यता वर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और प्रदेश नेतृत्व का आभार जताते हुए धर्मपाल सिंह के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

साइबर मामले में पीड़ित की गुहारः दस्तावेज देने के बाद भी कार्रवाई का इंतजार

पूरनपुर,कैनविज टाइम्स संवाददाता। साइबर अपराध से जुड़े एक मामले में पीड़ित अज़ीमुल्ला खान पुत्र मजीदुल्ला ने पुलिस से जल्द कार्रवाई की मांग की है।पीड़ित के अनुसार, लगभग 50 हजार रुपये की राशि से जुड़े एक लेनदेन के कारण उसके परिवार का बैंक खाता प्रभावित हो गया है और खाता होल्ड पर लगा दिया गया है। पीड़ित ने बताया कि उसने बैंक रिकॉर्ड, लेनदेन का पूरा विवरण और अन्य जरूरी जानकारी जांच अधिकारियों को उपलब्ध करा दी है।इसके बावजूद लगभग एक माह बीत जाने के बाद भी मामले में मुकदमा दर्ज नहीं किया गया है और न ही कोई ठोस कार्रवाई हुई है। शिक्षा क्षेत्र से जुड़े पीड़ित का कहना है कि लगातार बैंक और पुलिस कार्यालयों के चक्कर लगाने से उसका व्यक्तिगत कार्य भी प्रभावित हो रहा है और उसे आर्थिक व मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।पीड़ित ने आरोप लगाया कि साइबर से जुड़े पुलिस कर्मचारी मामले में रुचि नहीं दिखा रहे हैं और पीड़ितों को न्याय दिलाने में लापरवाही बरती जा रही है। नगर पूरनपुर में कई ऐसे खाताधारक हैं, जिनके खाते इसी तरह होल्ड पर लगे हुए हैं और वह अपने खातों से लेनदेन नहीं कर पा रहे हैं।पीड़ित ने उच्च अधिकारियों से मामले में हस्तक्षेप कर जल्द न्याय दिलाने की मांग की है।

दिनेश आर्य को राज्यसभा उम्मीदवार घोषित होने पर राज्य मंत्री शोएब अहमद ने दी बधाई

नैनीताल,कैनविज टाइम्स संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी द्वारा उत्तराखंड से वरिष्ठ नेता दिनेश आर्य को राज्यसभा प्रत्याशी घोषित किया गया है। पार्टी के इस फैसले के बाद से प्रदेश भर के कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है। दिनेश आर्य को राज्यसभा उम्मीदवार घोषित होने पर उत्तराखंड सरकार में दर्ज़ा प्राप्त राज्य मंत्री शोएब अहमद ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।दर्ज़ा राज्य मंत्री शोएब अहमद ने कहा कि दिनेश आर्य एक जमीनी और समर्पित कार्यकर्ता हैं, जिन्होंने लंबे समय तक संगठन को मजबूत करने का कार्य किया है। उन्हें राज्यसभा प्रत्याशी बनाया जाना न केवल उनके व्यक्तिगत संघर्ष और सेवा का सम्मान है, बल्कि यह पूरे कार्यकर्ता वर्ग के लिए गौरव की बात है। पार्टी नेतृत्व ने एक सच्चे और कर्मठ कार्यकर्ता को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देकर यह संदेश दिया है कि भाजपा में मेहनत और निष्ठा का पूरा सम्मान होता है।शोएब अहमद ने कहा कि दिनेश आर्य दलित समाज से आते हैं और उन्होंने हमेशा समाज के वंचित, शोषित वर्ग की आवाज को बुलंद किया है। राज्यसभा में उनके जाने से उत्तराखंड की आवाज और अधिक मजबूती के साथ देश की संसद में गूंजेगी। उन्हें विश्वास है कि दिनेश आर्य उत्तराखंड के विकास, सामाजिक न्याय और संगठन की मजबूती के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे।उन्होंने इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने एक योग्य कार्यकर्ता को राज्यसभा के लिए चयनित किया। उन्होंने दिनेश आर्य के उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनका राज्यसभा में जाना पार्टी और प्रदेश दोनों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा।

डीएम से मिले कॉलोनी वासी, जर्जर सड़क निर्माण एवं खाली जगह पर पार्क निर्माण की करी मांग

पीलीभीत,कैनविज टाइम्स संवाददाता। अवध नगर कॉलोनी में रहने वाले लोगों ने जिलाधिकारी आलोक कुमार से मुलाकात कर जर्जर सड़क के निर्माण और पार्क निर्माण की मांग की है।कॉलोनी वासियों ने बताया कि रेशम उद्योग दफ्तर होते हुए टनकपुर हाईवे पर निकलने वाली सड़क काफी जर्जर हालत में है। इस सड़क पर दो लाइब्रेरी स्थित हैं और बालिका इंटर कॉलेज की छात्राएं प्रतिदिन इसी रोड से होकर कॉलेज जाती हैं, जिससे उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कॉलोनी के लोगों का भी इसी सड़क से आवागमन होता है।थोड़ी सी बारिश होने पर सड़क और तालाब एक हो जाते हैं, जिससे जलभराव की स्थिति बन जाती है और आए दिन दुर्घटनाएं भी होती हैं। कॉलोनी वासियों ने जिलाधिकारी से जल्द सड़क निर्माण कराने की मांग की है।इसके साथ ही कॉलोनी में खाली पड़ी भूमि पर पार्क निर्माण की भी मांग की गई, ताकि बच्चों और बुजुर्गों को घूमने के लिए स्थान मिल सके। ज्ञापन देने वालों में संजीव त्रिवेदी, मोहित त्रिवेदी, गेंदालाल एडवोकेट, बंटी अभिषेक, आदेश, शुभम मिश्रा, अमरनाथ ठाकुर, मोनू शर्मा सहित दर्जनों कॉलोनी वासियों के हस्ताक्षर हैं।

परमात्मा सहज सरल स्वभाव के व्यक्ति को करते हैं पसंद : आचार्य शान्तनु जी महाराज



तिलोई अमेठी,कैनविज टाइम्स संवाददाता। आरबीएस इण्टर कालेज तिलोई के प्रांगण में राज्यमंत्री राजा मयंकेश्वर शरण सिंह द्वारा आयोजित श्रीराम कथा में अंतर्राष्ट्रीय कथा व्यास आचार्य शान्तनु जी महाराज ने रघुवंश की माताओं का चरित्र सुनाते हुये कहा कि मां कौशल्या सुमित्रा मां जानकी एवं उर्मिला जी के चरित्र को आदर्श चरित्र होता है और कहा यह देश यह धर्म संस्कृति यदि सुरक्षित है तो इन सबकी देन है। श्रीराम चरित मानस के सबसे रस भरे प्रसंग केवट प्रसंग को सुनाते हुये महाराज जी ने कहा यदि परमात्मा से मिलन करना हो एकदम सरल सहज और भोले हो जाइये भोले भक्ति को परमात्मा बहुत पसंद करता है। केवट भगवान से चरण धुलवा कर पार उतारने की बात करता है यही तो भक्त और भगवान के बीच का संबंध है केवट भगवान से अनेक तर्क करता है कि प्रभु मैं आपसे रोना इसलिये रो पा रहा हूं क्योंकि आप दयालु भक्तों के रुदन बर्दाश्त नही कर पाते इसलिये महाराज श्री ने बताया रूदन ही वह भक्ति मार्ग की साधना है जो भगवत मिलन करा देती है। केवट की नाव से भगवान ने गंगा पार की और केवट को उतराई देना चाहा लेकिन केवट ने मना कर दिया कि मैं बचने से विमुख नही हो सकता और भेज देना ही चाहते हो लौटकर जब आओगे तब भगवान तब दे देना जो दोगे हम ले लेंगे केवल भगवान को गंगा पार करता है बहुत देना चाहते हैं लेकिन केवट ने कुछ नहीं लिया और जो भगवान से कभी नहीं लेता भगवान उसके ऋणी हो जाते हैं। श्रीराम कथा के छठवें दिन श्रोताओं को प्रधान संघ तिलोई द्वारा प्रसाद वितरित किया गया।यजमान के साथ अन्य तमाम लोगों ने आरती पूजन किया। राज्यमंत्री राजा मयंकेश्वर शरण सिंह ने अतिथियों को प्रतीक चिन्ह भेंटकर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन धर्मेश मिश्रा ने किया। इस मौके पर रायबरेली की सदर विधायक अदिति सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष सुल्तानपुर के प्रतिनिधि शिव कुमार सिंह, कुंवर मृगांकेश्वर शरण सिंह, उत्कर्ष शरण सिंह,मुन्ना सिंह, हिमांशु सिंह, अखण्ड प्रताप सिंह,संजय सिंह, मनीष सिंह, ज्ञानेंद्र सिंह,राम प्रसाद मिश्रा, भवानी दत्त दीक्षित, दलजीत सिंह, सिद्धार्थ सिंह राठौर, शिवाकांत अवस्थी, पुत्ती महाराज, सहित अन्य तमाम लोग मौजूद रहे।

पुलिस ने गुमशुदा बालक को परिजनों के सुपुर्द किया

शुकुल बाजार अमेठी,कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना शुकुल बाजार पुलिस ने आपरेशन मुस्कान के तहत गुमशुदा बालक को सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया गया। बीती पांच अक्टूबर को समय करीब साढ़े सात बजे पीआरवी के माध्यम से थाना बाजार शुकुल पर सूचना प्राप्त हुई कि कालर का पुत्र उम्र करीब दस वर्ष घर से बिना बताये कहीं चला गया है।पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी मुसाफिरखाना अतुल कुमार सिंह के निकट पर्यवेक्षण में आपरेशन मुस्कान के तहत थाना बाजार शुकुल पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर जानकारी की गई तो ज्ञात हुआ कि उक्त बालक घर से बिना बताये कहीं चला गया है। प्राप्त जानकारी के आधार पर थाना बाजार शुकुल पुलिस द्वारा दो टीमों का गठन कर उक्त बालक को खोजने का प्रयास किया गया। तलाश के क्रम में कालर का पुत्र गांव के पास ही बने मंदिर से समय करीब प्रातः चार बजे सकुशल बरामद कर लिया गया। बालक द्वारा बताया गया कि वह घरवालों के डाटने के कारण मंदिर में छिप गया था। पुलिस द्वारा उक्त बालक के परिजनों को सूचना दी गयी एवं थाने पर बुलाकर परिजनों एवं बालक की काउन्सलिंग के उपरान्त बालक को परिजनों को सकुशल सुपुर्द किया गया। बालक के परिजनों द्वारा अमेठी पुलिस को धन्यवाद दिया गया।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिये चलाया जायेगा विशेष अभियान

अमेठी,कैनविज टाइम्स संवाददाता। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जनपद में निरंतर पुनरीक्षण के अंतर्गत ईपी श्रेणी, जेंडर गैप को कम करने तथा युवा मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे की अवधारणा को प्रभावी रूप से लागू किया जा सके। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ज्योति सिंह ने बताया कि एक जनवरी 2026 को अर्हता तिथि मानते हुए चल रहे निरंतर पुनरीक्षण के दौरान सभी पात्र युवा, छूटे हुये मतदाता, पहली बार मतदाता बनने के योग्य नागरिक तथा दिव्यांग एवं महिला मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल किये जाएंगे। अभियान में समाज कल्याण, उच्च शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, चिकित्सा विभाग, दिव्यांगजन सशक्तीकरण, ग्राम्य विकास तथा युवा कल्याण सहित विभिन्न विभागों का सहयोग लिया जायेगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिन पात्र नागरिकों का नाम अभी तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं है वे अपने निकटतम मतदान केंद्र पर नियुक्त अधिकारी बीएलओ से आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त तहसील कार्यालय एवं जिला निर्वाचन कार्यालय से भी फार्म उपलब्ध कराये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मतदाता ऑनलाइन माध्यम से भी अपना आवेदन कर सकते हैं। निर्वाचन आयोग के मोबाइल एप तथा वोटर्स सर्विस पोर्टल के माध्यम से नागरिक फार्म छेड़, फार्म सात एवं फार्म आठ ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। जनपदवासियों से अपील की गई है कि वे समय रहते अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज कराकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

सम्पादकीय

एशियाई खेलों में भारत

हम संतोष कर सकते हैं कि एशियाई खेलों में भारत चौथे स्थान पर रहा है। इस प्रतिष्ठित खेल स्पर्धा में भारतीय खिलाड़ियों ने कुल 85 पदक जीते। जिसमें 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक शामिल हैं। आइची-नागोया में संपन्न एशियाई खेलों के आखिरी दिनों में भारतीय खिलाड़ियों ने दमखम दिखा कर सोने के तमगों की संख्या बढ़ाई है। निस्संदेह, कह सकते हैं कि हम एशिया में पहले चार देशों में शुमार हैं। लेकिन यहां सवाल यह है कि भले ही हम चौथे स्थान पर रहे हैं, लेकिन इन खेलों में नंबर एक व दो रहे चीन व जापान के आगे हम कहां खड़े हैं? इस बार भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने यह भी सोचने को मजबूर किया कि आने वाले कुछ दशकों में भारत ओलंपिक की दावेदारी में कहां ठहरता है? वैसे इस बार के एशियाई खेलों से जुड़ी कुछ सुखद स्मृतियां भी हैं, मसलन तीरंदाजी में हमने नौ मेडल जीते हैं। जिसमें पांच स्वर्ण पदक शामिल हैं। सुखद यह भी है कि कुमकुम मोहोद रिकर्व कैटेगरी में भारत की पहली व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल करने वाली खिलाड़ी बनीं। भारतीय खिलाड़ियों को बॉक्सिंग और रेसलिंग में क्रमशः तीन और दो स्वर्ण पदक मिले। वहीं दूसरी ओर प्रणवी उर्स एशियाई खेलों में व्यक्तिगत गोल्फ गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी हैं। वहीं दूसरी ओर इस बार भी भारतीय खिलाड़ियों ने क्रिकेट, हॉकी और कबड्डी में अपना वर्चस्व कायम रखा। महिला हॉकी में भारतीय खिलाड़ियों की उपलब्धि बहुत खास रही। उन्होंने अनुशासन और ऊंचे मनोबल के साथ बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। भारतीय महिला हॉकी टीम ने मौजूदा चौंपियन चीन को हराकर एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक का 44 साल का हमारा इंतजार खत्म किया। लेकिन हमारे खिलाड़ी एथलेटिक्स में हमारी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। एकमात्र स्वर्ण महिलाओं की 4ˣ 400 मीटर रिले रेस में हासिल हुआ। निशानेबाजों का प्रदर्शन भी उत्साह जगाने वाला नहीं रहा। इस बार हमें, पिछले ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली मनु भाकर ने निराश किया। वह इस बार खाली हाथ लौटी हैं। वैसे पिछली बार चीन में हुए एशियाई खेलों से तुलना करें तो इस बार हमारा प्रदर्शन फीका रहा। तब हमने 28 स्वर्ण पदकों के साथ 106 मेडल जीते थे। इस बार सात स्वर्ण समेत कुल 21 पदकों की कमी, हमारे खेल नीति-नियंताओं के लिये एक चेतावनी जैसी है। हालांकि, यह वक्त हमारे लिये नागोया में मिली कामयाबियों का जश्न मनाने का है। लेकिन हमें अपनी कमजोरियों को लेकर भी आत्ममंथन करने की जरूरत है। निस्संदेह, भारत में खेलों का भविष्य चंद खिलाड़ियों की कामयाबी से तय नहीं किया जा सकता है। हमें एशियाड के बाद ओलंपिक के लिये युद्ध स्तर पर तैयारियां करनी होंगी। इस कामयाबी के लिये नई प्रतिभाओं की पहचान, विश्व स्तरीय प्रशिक्षण, मानसिक रूप से सशक्त खिलाड़ी तैयार करने तथा विश्वस्तरीय सपोर्ट सिस्टम बनाने की जरूरत होगी। इन एशियाई खेलों ने हमें हकीकत का आईना दिखाया है। अब हम अभी से वर्ष 2028 में लॉस एंजिल्स के ओलंपिक खेलों की तैयारी में जुट जाएं।

> प्रतिष्ठित खेल स्पर्धा में भारतीय खिलाड़ियों ने कुल 85 पदक जीते। जिसमें 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक शामिल हैं। आइची-नागोया में संपन्न एशियाई खेलों के आखिरी दिनों में भारतीय खिलाड़ियों ने दमखम दिखा कर सोने के तमगों की संख्या बढ़ाई है। निस्संदेह, कह सकते हैं कि हम एशिया में पहले चार देशों में शुमार हैं। लेकिन यहां सवाल यह है कि भले ही हम चौथे स्थान पर रहे हैं, लेकिन इन खेलों में नंबर एक व दो रहे चीन व जापान के आगे हम कहां खड़े हैं? इस बार भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने यह भी सोचने को मजबूर किया कि आने वाले कुछ दशकों में भारत ओलंपिक की दावेदारी में कहां ठहरता है?

एशियाड का चौथा स्थान प्रथम बनने का संकल्प बने

महिला हॉकी टीम की सफलता विशेष रूप से उल्लेखनीय है। मौजूदा चौंपियन चीन को हराकर स्वर्ण पदक हासिल करना केवल एक पदक नहीं, बल्कि चार दशक से अधिक समय से चले आ रहे इंतजार का अंत है। यह जीत बताती है कि जब प्रतिभा, अनुशासन, सामूहिक भावना और लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता एक साथ आती है तो भारतीय खिलाड़ी किसी भी प्रतिद्वंद्वी को चुनौती दे सकते हैं। लेकिन दूसरी तस्वीर आत्ममंथन की मांग करती है। एथलेटिक्स में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं हुआ। निशानेबाजी, जिसे भारत की पदक संभावनाओं का मजबूत आधार माना जाता है, भी उम्मीदों पर पूरी तरह खरी नहीं उतरी। पिछली बार के मुकाबले कुल पदकों और स्वर्ण पदकों में कमी भी गंभीर संकेत है। इसलिए चौथा स्थान हमारी मंजिल नहीं, अगली छलांग का पड़ाव होना चाहिए।भारत और चीन-जापान के बीच अंतर को केवल पदक तालिका से नहीं समझा जा सकता। खेलों में शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए वर्षों तक चलने वाली वैज्ञानिक योजना, जमीनी स्तर से प्रतिभा खोज, आधुनिक प्रशिक्षण, खेल विज्ञान, पोषण, मानसिक मजबूती, चिकित्सा सहायता और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का निरंतर अनुभव जरूरी होता है। चीन ने खेलों को राष्ट्रीय शक्ति के एक महत्वपूर्ण आयाम के रूप में विकसित किया है। जापान ने खेल संस्कृति को शिक्षा, अनुशासन और जीवनशैली से जोड़ा है। भारत के सामने चुनौती यह है कि वह अपनी विशाल युवा आबादी को केवल संभावित खिलाड़ियों की संख्या के रूप में न देखे, बल्कि उसे विश्वस्तरीय खेल प्रतिभा में बदलने का तंत्र विकसित करे।

एशियाई खेलों में भारत का चौथे स्थान पर रहना निश्चित रूप से उपलब्धि है, लेकिन विश्वगुरु बनने की आकांक्षा रखने वाले भारत के लिए यह उपलब्धि आत्मसंतोष का कारण नहीं, बल्कि आत्ममंथन और नए संकल्प का अवसर होनी चाहिए। आइची-नागोया एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने 85 पदक-21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य-जीतकर अपनी क्षमता का परिचय दिया है। एशिया जैसे खेल महाशक्ति वाले महाद्वीप में शीर्ष चार देशों में स्थान बनाना सामान्य उपलब्धि नहीं है। फिर भी प्रश्न यह है कि जब चीन और जापान जैसे देश हमसे आगे हैं, तब भारत प्रथम और द्वितीय स्थान तक कब पहुंचेगा? इससे भी बड़ा सवाल यह है कि जिस भारत को हम आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सामरिक शक्ति के रूप में विश्व की अग्रिम पंक्ति में देखना चाहते हैं, उसकी खेल शक्ति अभी भी अपेक्षित ऊंचाइयों तक क्यों नहीं पहुंच पाई है? एशियाड के पदक हमें दो अलग-अलग तस्वीरें दिखाते हैं। पहली तस्वीर उत्साह जगाती है। तीरंदाजी में नौ पदक, जिनमें पांच स्वर्ण शामिल हैं, भारतीय प्रतिभा की मजबूत उपस्थिति का प्रमाण हैं। कुमकुम मोहोद का रिकर्व वर्ग में व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल करना, प्रणवी उर्स का व्यक्तिगत गोल्फ स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनना तथा बॉक्सिंग और कुश्ती में स्वर्णिम प्रदर्शन हमारी खेल प्रतिभा की व्यापकता को दर्शाता है। क्रिकेट, हॉकी और कबड्डी में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा भी कायम रहा। महिला हॉकी टीम की सफलता विशेष रूप से उल्लेखनीय है। मौजूदा चौंपियन चीन को हराकर स्वर्ण पदक हासिल करना केवल एक पदक नहीं, बल्कि चार दशक से अधिक समय से चले आ रहे इंतजार का अंत है। यह जीत बताती है कि जब प्रतिभा, अनुशासन, सामूहिक भावना और लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता एक साथ आती है तो भारतीय खिलाड़ी किसी भी प्रतिद्वंद्वी को चुनौती दे सकते हैं। लेकिन दूसरी तस्वीर आत्ममंथन की मांग करती है। एथलेटिक्स में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं हुआ। निशानेबाजी, जिसे भारत की पदक संभावनाओं का मजबूत आधार माना जाता है, भी उम्मीदों पर पूरी तरह खरी नहीं उतरी। पिछली बार के मुकाबले कुल पदकों और स्वर्ण पदकों में कमी भी गंभीर संकेत है। इसलिए चौथा स्थान हमारी मंजिल नहीं, अगली छलांग का पड़ाव होना चाहिए।भारत और चीन-जापान के बीच अंतर को केवल पदक तालिका से नहीं समझा जा सकता। खेलों में शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए वर्षों तक चलने वाली वैज्ञानिक योजना, जमीनी स्तर से प्रतिभा खोज, आधुनिक प्रशिक्षण, खेल विज्ञान, पोषण, मानसिक मजबूती, चिकित्सा सहायता और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का निरंतर अनुभव जरूरी होता है। चीन ने खेलों को राष्ट्रीय शक्ति के एक महत्वपूर्ण आयाम के रूप में विकसित किया है। जापान ने खेल संस्कृति को शिक्षा, अनुशासन और जीवनशैली से जोड़ा है। भारत के सामने चुनौती यह है कि वह अपनी विशाल युवा आबादी को केवल संभावित खिलाड़ियों की संख्या के रूप में न देखे, बल्कि उसे विश्वस्तरीय खेल प्रतिभा में बदलने का तंत्र विकसित करे। भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। कमी है तो प्रतिभा को पहचानने, तराशने और लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनाए रखने वाली सुव्यवस्थित व्यवस्था की। गांव, छोटे शहर और साधारण परिवारों से आने वाली असंख्य प्रतिभाएं आज भी उचित प्रशिक्षण, संसाधन और अवसर के अभाव में आगे नहीं बढ़ पातीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले वर्षों में खेलों के प्रति भारत का दृष्टिकोण बदला है। खेल अब केवल मनोरंजन या कुछ चुनिंदा खिलाड़ियों का क्षेत्र नहीं रह गया है, बल्कि इसे राष्ट्रीय प्रतिष्ठा, युवा शक्ति और स्वस्थ समाज के निर्माण से जोड़ा जा रहा है। खेलो इंडिया जैसे अभियानों ने जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को पहचानने की दिशा में महत्वपूर्ण वातावरण बनाया है। ओलंपिक और एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों की बढ़ती उपस्थिति भी इस परिवर्तन का संकेत है। लेकिन अब अगला चरण और अधिक महत्वाकांक्षी होना चाहिए। हमें यह नहीं पूछना चाहिए कि भारत कितने पदक जीत सकता है, बल्कि यह पूछना चाहिए कि भारत किन खेलों में विश्व की शीर्ष शक्ति बन सकता है। हमें पदक-केनद्रित सोच से आगे बढ़कर खेल-परिस्थितिकी तंत्र यानी ऐसी पूरी व्यवस्था बनानी होगी, जिसमें प्रतिभा की खोज से लेकर उसके अंतरराष्ट्रीय करियर तक हर चरण की जिम्मेदारी स्पष्ट हो। भारत में खेल और शिक्षा को लंबे समय तक एक-दूसरे का विकल्प समझा गया। यह सोच बदलनी होगी। खेल किसी विद्यार्थी की पढ़ाई में बाधा नहीं, बल्कि उसके व्यक्तित्व निर्माण का माध्यम हैं। विद्यालयों में खेल के घंटे, प्रशिक्षित कोच, आधुनिक मैदान और फिटनेस कार्यक्रम अनिवार्य होने चाहिए। यदि किसी बच्चे में असाधारण प्रतिभा दिखाई देती है तो उसकी आर्थिक स्थिति उसके भविष्य की बाधा नहीं बननी चाहिए। सरकार, निजी क्षेत्र, खेल संस्थाओं और कॉरपोरेट जगत को मिलकर ऐसी व्यवस्था बनानी होगी, जिसमें प्रतिभाशाली खिलाड़ी को प्रशिक्षण, उपकरण, पोषण, यात्रा और प्रतियोगिताओं के लिए आर्थिक सुरक्षा मिल सके। भारत की अगली चुनौती केवल पदक जीतना नहीं, बल्कि लगातार चैंपियन तैयार करना है। एक खिलाड़ी की सफलता के बाद उसी खेल में अगली पीढ़ी तैयार होनी चाहिए। इसके लिए खेल विज्ञान को प्रशिक्षण का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा। आधुनिक फिटनेस, डेटा विश्लेषण, बायोमैकेनिक्स, स्पोर्ट्स मेडिसिन, मनोविज्ञान और पोषण विज्ञान को भारतीय खेल व्यवस्था में व्यापक रूप से शामिल करना होगा। मानसिक मजबूती भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिभा के साथ दबाव संभालने की क्षमता निर्णायक बनती है। इसलिए खिलाड़ियों के लिए खेल मनोवैज्ञानिकों और मानसिक प्रशिक्षकों की नियमित व्यवस्था आवश्यक है। किसी खिलाड़ी की एक प्रतियोगिता में असफलता को उसकी क्षमता का अंतिम प्रमाण मानने के बजाय उसे सीखने और वापसी का अवसर दिया जाना चाहिए। भारतीय महिला खिलाड़ियों ने हाल के वर्षों में जिस प्रकार अपनी क्षमता सिद्ध की है, वह भारत के खेल भविष्य की सबसे सकारात्मक तस्वीरों में से एक है। महिला हॉकी की स्वर्णिम सफलता इसका ताजा उदाहरण है। तीरंदाजी, मुक्केबाजी, कुश्ती, एथलेटिक्स, गोल्फ और अन्य खेलों में भी बेटियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई है। अब जरूरत है कि ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों की बेटियों को खेलों से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएं। सुरक्षित खेल परिसर, महिला प्रशिक्षक, छात्रवृत्ति और परिवारों में खेल के प्रति सकारात्मक वातावरण इस दिशा में बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं। भारत की आधी आबादी को खेल शक्ति में पूरी तरह शामिल किए बिना विश्व की खेल महाशक्ति बनने का सपना अधूरा रहेगा। लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 दूर नहीं है। इसलिए एशियाड की उपलब्धियों और कमियों का विश्लेषण केवल समाचारों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। प्रत्येक खेल के लिए अभी से पदक की वास्तविक संभावना, संभावित खिलाड़ियों की सूची, प्रशिक्षण योजना और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का कैलेंडर तैयार होना चाहिए। हमें उन खेलों की पहचान करनी होगी जिनमें भारत अगले ओलंपिक में बड़ी छलांग लगा सकता है। साथ ही जिन खेलों में हम लगातार पिछड़ रहे हैं, वहां रणनीतिक निवेश करना होगा। लक्ष्य यह होना चाहिए कि भारत केवल कुछ पारंपरिक खेलों में नहीं, बल्कि एथलेटिक्स, तैराकी, निशानेबाजी, जिम्नास्टिक, साइकिलिंग, कुश्ती, मुक्केबाजी और अन्य ओलंपिक खेलों में व्यापक पदक क्षमता विकसित करे। भारत का चौथा स्थान यह संदेश देता है कि हम पीछे नहीं हैं, लेकिन अभी बहुत आगे जाना बाकी है। हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है, विज्ञान और तकनीक में नई उपलब्धियां हासिल हो रही हैं, शिक्षा और आधारभूत ढांचे का विस्तार हो रहा है और भारत वैश्विक मंच पर अपनी भूमिका लगातार मजबूत कर रहा है। ऐसे समय में खेलों में भी विश्वस्तरीय उत्कृष्टता हमारी राष्ट्रीय पहचान का अनिवार्य हिस्सा होनी चाहिए। खेल केवल पदक नहीं देतेय वे अनुशासन, धैर्य, नेतृत्व, टीम भावना, आत्मविश्वास और स्वस्थ जीवन की संस्कृति देते हैं। इसलिए खेलों में निवेश वास्तव में राष्ट्र के भविष्य में निवेश है। आइची-नागोया हमें गर्व करने का अवसर देता है, लेकिन उससे भी अधिक आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। चौथा स्थान मंजिल नहीं, चेतावनी और चुनौती दोनों है। अब भारत को यह संकल्प लेना होगा कि अगली एशियाई प्रतियोगिताओं में हम केवल शीर्ष चार में रहने के लिए नहीं, बल्कि प्रथम और द्वितीय स्थान के लिए मैदान में उतरेंगे। और ओलंपिक में केवल पदकों की संख्या बढ़ाने के लिए नहीं, बल्कि विश्व खेल शक्ति बनने के लिए तैयारी करेंगे। जिस भारत को विश्वगुरु बनना है, उसे विश्व खेलगुरु बनने की दिशा में भी उतनी ही गंभीरता से कदम बढ़ाने होंगे। -ललित गर्ग

क्या विश्वस्तरीय है भारत के मेडिकल कॉलेजों की पढ़ाई का स्तर

विवेक शुक्ला

भारत में मेडिकल शिक्षा का भविष्य बहुत सुनहरा दिखता है। हर साल नए कॉलेज खुल रहे हैं। सीटों की संख्या बढ़ रही है। सरकारी अस्पतालों में मरीजों की भीड़ लगी रहती है। प्राइवेट कॉलेजों में इमारत भी बड़ी है और फीस भी। फिर भी कुछ सवाल जस के तस हैं। क्या हमारे सरकारी और प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों की पढ़ाई विश्वस्तरीय है? क्या हम अमेरिका, ब्रिटेन और सिंगापुर के कॉलेजों के स्तर पर पहुँच गए हैं? सीधा जवाब यह है कि कुछ जगह हम उस स्तर के करीब हैं। बाकी ज्यादातर जगहों पर अभी लंबा रास्ता बाकी है। विश्वस्तरीय पढ़ाई का मतलब सिर्फ बड़ी इमारत नहीं होता। अमेरिका और ब्रिटेन में छात्र किताब रट कर पास नहीं होते। उन्हें मरीज के सामने खड़े होकर फैसला लेना सिखाया जाता है। कौन-सी जाँच करनी है, कौन-सी दवा देनी है, कब रेफर करना है। सिंगापुर में क्लास छोटी होती है। टीचर पहले से तैयार होते हैं। हॉस्पिटल का काम पढ़ाई से जुड़ा रहता है। किताब अलग और वार्ड अलग, ऐसा नहीं चलता। हमारे यहाँ विशेषज्ञ मानते हैं कि सरकारी कॉलेज की असली ताकत मरीज है। एम्स और कुछ बड़े अस्पतालों से जुड़े कॉलेजों में हर तरह की बीमारी दिख जाती है। छात्र वार्ड में सीखते हैं। इतना एक्सपोजर कई अमेरिकी हॉस्पिटल में भी छात्रों को नहीं मिलता। मरीज ज्यादा हैं तो सीखने का मौका भी ज्यादा है। इसी मुद्दे पर बीते दिनों राजधानी में पुष्पांजलि मेडिकॉन 2026 कांफ्रेंस में दत्ता मेघे इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च के प्रो चांसलर डॉ. वेदप्रकाश मिश्र ने कहा कि करिकुलम और क्लिनिकल एजुकेशन को अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और सिंगापुर के बराबर लाना पहला लक्ष्य है। मतलब निशाना साफ है, मंजिल अभी बाकी है। उनकी बात का सीधा मतलब यह है कि हमारे यहाँ मेडिकल कॉलेजों की संख्या तो बढ़ गई, पर स्तर उसी गति से नहीं बढ़ा। सरकारी अस्पताल मरीजों का इलाज करते हैं, यह उनकी ताकत है। कमी दूसरी जगह है। टीचर कम पड़ते हैं। लैब और शोध से जुड़ी सुविधाएँ कई जगह काफी नहीं हैं। पढ़ाई अक्सर लेक्चर पर टिकी रहती है। टीचर बोलते जाते हैं, छात्र लिखते जाते हैं। वार्ड में जो सीखा, उसकी कक्षा में ठीक से चर्चा नहीं हो पाती। प्राइवेट कॉलेज भी सब एक जैसे नहीं हैं। देश में मेडिकल कॉलेज आठ सौ के पार हैं। बड़ी संख्या में साल 1991 के बाद खुली है और इनमें प्राइवेट कॉलेज ज्यादा हैं। कुछ जगह स्किल लैब, लाइब्रेरी और टाइमटेबल अच्छे हैं। पर हर कॉलेज में मरीज उतने नहीं मिलते। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल कहते हैं कि हमारे यहाँ कई मेधावी परिवारों के गरीब बच्चे मोटी फीस की वजह से मेडिकल कॉलेज से बाहर रह जाते हैं। ये गलत है इसलिए प्राइवेट कॉलेजों की फीस को भी देखना होगा। सीट भरना और अच्छा डॉक्टर बनना, दोनों एक बात नहीं है। पढ़ाई को श्रेष्ठ और विश्वस्तरीय कैसे बनाएँ? विशेषज्ञ चार रास्ते बताते हैं। पहला, अंडरग्रेजुएट कोर्स कंपिटेंसी बेस्ड हो। आसान शब्दों में छात्र सिर्फ याद करके पास न हो। उसे पता हो कि मरीज देखकर क्या करना है। बुखार आए तो कौन-सी बात पूछनी है। साँस फूल रही हो तो पहला कदम क्या हो। हुनर पास हो, तभी डिग्री मिले। दूसरा, टीचिंग इंटीग्रेटेड हो। मतलब विषय अलग-अलग भागों में न पढ़ाए जाएँ। आज एनाटॉमी, कल फिजियोलॉजी, परसों बीमारी, ऐसा न हो। एक मरीज के आसपास सब जुड़ जाए। दिल की बनावट, दिल का काम और दिल की बीमारी एक साथ समझ आए। तीसरा, पढ़ाई मॉड्यूल में हो। मॉड्यूल यानी छोटे और पूरे हिस्से। जैसे एक महीना सिर्फ माँ और बच्चे की सेहत पर। दूसरा महीना साँस की बीमारियों पर। हर हिस्से का मकसद शुरू में साफ हो और अंत में पता चले कि छात्र ने वो हुनर सीख लिया या नहीं। चौथा, सिस्टम क्रेडिट बेस्ड हो ताकि लचीलापन आए। क्रेडिट का सीधा मतलब है कि हर विषय के अंक या घंटे गिने जाएँ। छात्र एक रास्ते पर अटका न रहे। जो हिस्सा पूरा कर लिया, उसका हिसाब जुड़ता जाए। जरूरत पड़े तो गति अपनी रख सके। पढ़ाई कठोर ढाँचे में न बँधी रहे। बारहवीं के बाद सुपर स्पेशलिटी तक अक्सर बारह साल लग जाते हैं। इसे करीब दस साल किया जा सकता है। बात साल काटने की नहीं है। हर साल का मकसद साफ होना चाहिए ताकि समय खाली लेक्चर में न कटे।

सेहत मंत्र

पौष्टिक आहार लेने से स्वस्थ रहती है आंत

पूरे शरीर को स्वस्थ रखने के लिए पेट के साथ ही आंतों का भी स्वस्थ रहना बहुत ज्यादा जरूरी माना जाता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक सभी लोगों को अपनी डाइट में पौष्टिकता से भरपूर चीजों को शामिल करना चाहिए। क्योंकि पौष्टिक डाइट ना सिर्फ आपके शरीर बल्कि आंतों की समस्या को ठीक करने में लाभकारी है। एक रिसर्च के मुताबिक फाइबर युक्त चीजों को अपनी डाइट में शामिल करने से आंतों की सेहत में सुधार किया जा सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, आंत के स्वास्थ्य को सुधारने में पौष्टिक डाइट अहम भूमिका निभाता है। इसलिए अपनी डाइट में साबुत अनाज, फल, फाइबर, सब्जियां और प्रोबायोटिक्स भरपूर चीजें शामिल कर स्वास्थ्य लाभ पाया जा सकता है। बता दें कि फाइबर का सेवन पाचन को ठीक रखने और साथ ही मल त्याग को बढ़ावा देने में सहायक होता है और कब्ज को रोकने में मदद करता है। आइए जानते हैं कि आंतों को स्वस्थ रखने के लिए आपको किन चीजों का सेवन करना चाहिए। आपने एक पुरानी कहावत तो जरूर सुनी होगी, 'एन एपल अ डे कीप डॉक्टर्स अवे'। इसका मतलब है कि रोजाना एक सेब को अपनी डाइट में शामिल करने से स्वास्थ्य लाभ पा सकते हैं। सेब में पेक्टिन नामक प्राकृतिक लैक्सेटिव पाया जाता है। साथ ही यह मल त्यागने में भी सहायक होता है। सेब में फाइबर की अच्छी मात्रा पायी जाती है। सेब खाने से पाचव बेहतर होता है और हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करता है। सेब खाने से शरीर को सभी आवश्यक पोषक तत्व मिलते हैं। बता दें कि चिया सीड्स फाइबर का एक बेहतरीन स्त्रोत है। यह पानी को अवशोषित करता है और एक जेल जैसा पदार्थ बनाता है। चिया सीड्स मल त्याग को बढ़ावा देने में सहायक है। इसके रोजाना सेवन से ना सिर्फ आंत स्वस्थ रहती हैं, बल्कि यह कब्ज जैसी समस्याओं के जोखिमों को कम करता है। चिया सीड्स को अपने आहार का हिस्सा बनाकर आप कई तरह के सेहत संबंधी लाभ पा सकते हैं। दही में प्रोबायोटिक्स पाया जाता है, जो अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ावा देने के साथ ही आंतों को स्वस्थ रखने में मददगार होता है। इसके नियमित सेवन से पेट संबंधी समस्याओं से बचा जा सकता है और पाचन तंत्र को बेहतर बनाने के लिए दही को अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए।

धर्म मंत्र

दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मंदिर है जयपुर का अक्षरधाम

जयपुर में स्थित स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर अपनी शानदार मूर्तियों और सुंदर वास्तुकला के लिए फ़ेमस है। यह मंदिर पर्यटकों का लोकप्रिय स्थान होने के साथ ही आस्था का भी केंद्र है। बता दें कि अक्षरधाम मंदिर स्वामीनारायण को समर्पित है। दुनिया के सबसे बड़े हिंदू मंदिर परिसर के रूप में स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस मंदिर से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में बताने जा रहे हैं। स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर में आपको दीवारों पर नक्काशी, सुंदर मूर्तियां और मंदिर के बाहरी हिस्से में विशाल पेंटिंग बनी हुई हैं। इतना ही नहीं यह मंदिर भारतीय वास्तुकल, सांस्कृतिक विरासत और हिंदू देवताओं की मूर्तियों की वास्तविक झलक दिखाता है। हर साल इस मंदिर में भगवान नारायण के दर्शन करने के लिए लाखों की संख्या में भक्त जयपुर पहुंचते हैं। अक्षरधाम मंदिर हरे-भरे पेड़ों और झरनों से घिरा हुआ है। श्रीहरि नारायण को समर्पित अक्षरधाम मंदिर 10वीं-20वीं शताब्दी के बीच बनवाया गया था। हालांकि वैसे तो जयपुर में कई धार्मिक स्थल हैं। लेकिन अक्षरधाम मंदिर की सुंदरता बेहद खास है। स्वामीनारायण का यह मंदिर उन लोगों में भक्ति की भावना पैदा करता है, जो इस पवित्र मंदिर में दर्शन करने आते हैं। आपको बता दें कि मंदिर में स्थापित भगवान विष्णु की मूर्ति को सोने और चांदी के गहनों से सुसज्जित किया गया है। पवित्रता, शांति और भक्ति के साथ ही सनातन धर्म को बढ़ावा देने के लिए इस मंदिर को बनाया गया है।

पर्यटन



रावण के महल में मौजूद थी सारी सुख-सुविधाएं लंकापति के रहस्यलोक में मौजूद थी लिफ्ट की सुविधा

रावण के बारे में तो आप सभी ने बहुत सी बातों के बारे में सुना होगा। रावण की बुराइयां, उसका अहंकार और उसके ज्ञान के बारे में सभी ने सुना है। लेकिन क्या आपने उसके महल के बारे में सुना या पढ़ा है। बताया जाता है कि रावण की लंका सोने की थी। लेकिन क्या आप जानते हैं कि वर्तमान में रावण का महल कहां है और वह कैसा है। सोने की लंका की हालिया तस्वीर देखने के बाद आपको यकीन नहीं होगा कि क्या यह वही लंका है। जहां पर रावण रहा करता था। बताया जाता है कि हजारों-लाखों सालों के बाद भी इस स्थान पर रावण का शव दफन है। वर्तमान में श्रीलंका में सिगिरिया नामक जगह पर रावण का महल हुआ करता था। बता दें कि रावण का महल जिस चट्टान पर हुआ करता था। वह इस अनोखी जगह पर स्थित है। रावण का साम्राज्य मध्य श्रीलंका में, बदुल्ला, अनुराधापुरा, केंडी, पोलोन्नुरुवा और नुवारा एलिया जैसी जगहों तक फैला हुआ था। कहते हैं कि रावण के महल का निर्माण कुबेर ने किया था। सिगरिया रॉक चट्टान चोटी पर एक प्राचीन महल के अवशेष हैं। जो किलेबंदी सीढ़ीदार बगीचे, तालाब, नहर, फव्वारों से घिरा हुआ है। बताया जाता है कि माता सीता को रावण ने इस स्थान पर कुछ दिनों के लिए रखा था। फिर उसने माता सीता को किसी अन्य जगह पर भेज दिया था। रावण के महल की खासियत है कि यह काफी ज्यादा ऊंचाई पर स्थित है। इसके बाद भी महल में आने वाले पानी के सिस्टम को खास तरीके से तैयार किया गया था। इतना ही नहीं यहां पर रानियों के लिए बाग भी बने हुए थे। रावण के महल के लिए कहा जाता है कि इस महल में करीबन 1000 सीढ़ियां थीं। वहीं रावण व उसके करीबियों के पास टॉप पर जाने के लिए लिफ्ट भी हुआ करती थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रगैला के जंगलों में करीबन 8 हजार फुट की ऊंचाई पर रावण के शव को रखा गया है। स्थानीय लोगों का मानना है कि रावण के शव को ममी के रूप में रखा गया है और उसके शव पर एक विशेष व अनोखा लेप लगाया गया है। जिससे कि वह शव कभी खराब ना हो। हालांकि इस बात का अभी तक कोई ठोस सबूत नहीं है।

पर्वों को लेकर डीएम ने दिए सुरक्षा व व्यवस्था के निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता



- स्वच्छता, यातायात एवं मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने के डीएम ने दिए निर्देश
- रूटों का निरीक्षण कर गड्ढामुक्त अभियान के तहत प्राथमिकता से कराएं सड़कों की मरम्मत : डीएम

बाराबंकी। आगामी नवरात्रि, दुर्गा पूजा, दशहरा एवं दीपावली पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट स्थित लोक सभागार में जिलाधिकारी श्री इशान प्रताप सिंह की अध्यक्षता में सेंट्रल पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री अर्पित विजयवर्गीय, मुख्य विकास अधिकारी श्री पंकज वर्मा, अपर जिलाधिकारी श्री निरंकार सिंह सहित संबंधित अधिकारी, समस्त उपजिलाधिकारी एवं क्षेत्राधिकारी तथा पीस कमेटी के सदस्य, धर्मगुरु, जनप्रतिनिधि एवं संभ्रांत नागरिक उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी पर्वों को दृष्टिगत रखते हुए अपने-अपने क्षेत्रों में सुरक्षा एवं मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्थाओं का पूर्व से ही व्यापक निरीक्षण कर लिया जाए। उन्होंने सभी उपजिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि वे पुलिस अधिकारियों के साथ अपने-अपने क्षेत्र में शोभायात्रा के निर्धारित रूटों, प्रमुख धार्मिक स्थलों, दुर्गापूजा पंडालों तथा मूर्ति विसर्जन स्थलों का निरीक्षण कर लें। रूट निरीक्षण के दौरान जहां कहीं सड़क के दुरुस्तीकरण की आवश्यकता हो, वहां संबंधित कार्यदायी संस्था के माध्यम से गड्ढामुक्त अभियान के अंतर्गत प्राथमिकता के आधार पर सड़क की मरम्मत कराई जाए। उन्होंने विद्युत विभाग को निर्देशित किया कि पर्वों से पूर्व क्षतिग्रस्त विद्युत पोलों को दुरुस्त कराते हुए विद्युत आपूर्ति सुचारू बनाए रखी जाए तथा आयोजन स्थलों पर विद्युत सुरक्षा के मानकों का अनिवार्य रूप से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। जिलाधिकारी ने दुर्गापूजा समितियों के पदाधिकारियों से अपील की कि सभी आयोजन निर्धारित नियमों एवं सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित किए जाएं तथा आयोजन स्थलों पर महिला सुरक्षा को विशेष प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने साफ-सफाई, प्रकाश, पेयजल, शौचालय, यातायात एवं भीड़ प्रबंधन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही शोभायात्राओं एवं सार्वजनिक आयोजनों के दौरान निर्धारित ध्वनि मानकों का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक श्री अर्पित विजयवर्गीय ने कहा कि शोभायात्राओं एवं सार्वजनिक आयोजनों के दौरान कानून-व्यवस्था को हर हाल में बनाए रखा जाएगा। उन्होंने दुर्गा प्रतिमाओं की स्थापना सार्वजनिक रास्तों एवं आवागमन को बाधित करने वाले स्थानों पर न किए जाने तथा आयोजन के दौरान सभी निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि अग्नि एवं विद्युत सुरक्षा से जुड़े अधिकारी आयोजन स्थलों का पूर्व से निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराएं। मूर्ति विसर्जन स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतते हुए आवश्यक सुरक्षा प्रबंध, प्रकाश व्यवस्था एवं भीड़ प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में उपस्थित धर्मगुरुओं, जनप्रतिनिधियों एवं संभ्रांत नागरिकों ने प्रशासन को आश्वस्त किया कि सभी पर्वों को आपसी सौहार्द एवं सामाजिक समरसता के साथ सम्पन्न कराने में पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाएगा। वरिष्ठ पत्रकार महत बी पी दास बाबा जी ने कहा नवरात्र मे दुर्गापूजा महोत्सव के बाद प्रतिमाओं का जल विसर्जन न करके भू विसर्जन किया जाए ताकि मर्यादा बनी रहे ।

जिला जज की कार्यशैली के विरोध में सड़क पर उतरे अधिवक्ता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- मुख्य गेट से लेकर कोर्ट परिसर में किया प्रदर्शन, बीच में अध्यक्ष की बिगड़ी हालत
- अस्पताल भेजे गए, प्राथमिक उपचार के बाद हुए डिस्चार्ज

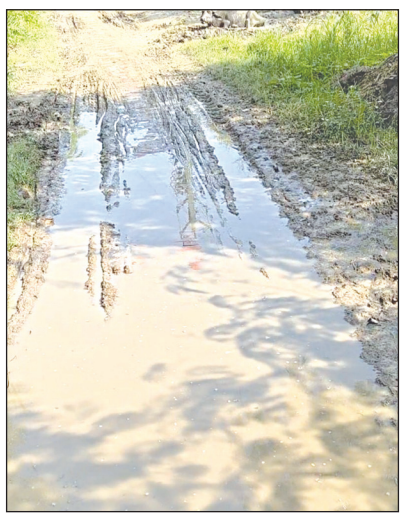


बाराबंकी। जिला जज प्रतिमा श्रीवास्तव की कार्यशैली से आक्रोशित अधिवक्ताओं ने मुख्य गेट न 01 से लेकर कोर्ट परिसर में किया धरना प्रदर्शन,जोरदार नारेबाजी।

पूर्व घोषित योजनानुसार जिला बार एसो अध्यक्ष रमन द्विवेदी,महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव के नेतृत्व में कई सैकड़ा अधिवक्तावो ने तमाम समस्याओं को लेकर धरना प्रदर्शन शुरू किया।कुछ देर के लिए अयोध्या रोड जाम भी किया।बाद में जिला जज की कोर्ट के बाहर धरना शुरू किया।घंटों चले धरने,नारेबाजी से अध्यक्ष रमन द्विवेदी की तबियत अचानक बिगड़ गई।एंबुलेंस से उन्हें जिला अस्पताल भेजा गया। जिला जज के प्रशासनिक अधिकारी राजेश श्रीवास्तव कई बार वार्ता का संदेश लेकर आए लेकिन वकीलों ने कहा कि जिला जज यहीं आकर समाधान परक वार्ता करें। अध्यक्ष के अस्पताल जाने के कुछ देर बाद महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव वा कई अधिवक्ता वार्ता को राजी हुए तो सभागार में जिला बार,कई न्यायिक अधिकारियों वा कई अधिवक्ता गणों के मध्य वार्ता हुई। वार्ता के बाद महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव ने बताया कि वार्ता सार्थक रही है,अधिकांस मांगे मान ली गई है।महामंत्री ने बताया की ओल्ड एज,विकलांग,बीमार अधिवक्ता गेट न 01 से आ सकेंगे तथा जिन अधिवक्ताओं की कुर्सी, मेज फर्नीचर टूट गया हो उन्हे प्रार्थना पत्र देकर सही कराया जा सकेगा,यह भी सहमति बनी है की को अपनी रिस्क पर बैठ सकेंगे।फिलहाल देर तक चली वार्ता के बाद धरना प्रदर्शन स्थगित हो गया।शाम 5 बजे अस्पताल से डिस्चार्ज होकर अध्यक्ष रमन द्विवेदी भी जिला बार एसो के अपने कक्ष में लोगो से भेंट की।आंदोलन के दौरान तहसीलदार सदर,अपर पुलिस अधीक्षक,पुलिस उपाधीक्षक नगर,प्रभारी कोतवाली नगर सुधीर सिंह सहित भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। अधिवक्ताओं के सामूहिक अवकाश पर होने के कारण न्यायिक कार्य भी काफी प्रभावित रहा।

बबुरिहा का 900 मीटर खड़ंजा बदहाल, डामरीकरण की मांग

कैनविज टाइम्स संवाददाता



निंदूरा, बाराबंकी। ग्राम पंचायत हसुवापारा के मजरे बबुरिहा से हनुमान मंदिर होते हुए बकरापुर डामर रोड तक जाने वाला करीब 900 मीटर लंबा खड़ंजा मार्ग बदहाल हो चुका है। जगह-जगह ईंटें उखड़ने से गहरे गड्ढे हो गए हैं। बारिश के दौरान गड्ढों में पानी भरने से कीचड़ और फिसलन की स्थिति बन जाती है।

ग्रामीणों के मुताबिक यह मार्ग बकरापुर डामर रोड तक पहुंचने का प्रमुख रास्ता है और इससे रोजाना सैकड़ों लोग, स्कूली बच्चे और किसान आवागमन करते हैं। मार्ग खराब होने से दोपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों ने मरम्मत के बजाय मार्ग का स्थायी समाधान करते हुए डामरीकरण कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से स्थलीय निरीक्षण कराकर सड़क निर्माण की प्रक्रिया शुरू कराने की मांग की है। ग्राम पंचायत सचिव शैलेश यादव ने बताया कि प्रार्थना पत्र के साथ कार्ययोजना तैयार कर एडीओ पंचायत के माध्यम से जिलाधिकारी के अनुमोदन के लिए प्रस्ताव भेजा जाएगा। ग्राम प्रधान के अनुसार जिला पंचायत स्तर से मार्ग की कई बार नाप भी हो चुकी है, लेकिन आगे कार्रवाई नहीं हो सकी।

ग्राम विकास योजनाओं की समीक्षा, डीएम ने दिए समयबद्ध कार्य के निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- जलभराव वाले स्थलों को चिन्हित कर बीबीजी रामजी योजना अथवा पंचायत निधि से नालों की सफाई प्राथमिकता से कराएं: डीएम
- प्रस्तावित मतदान केंद्रों पर एएमएफ की सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कराने के निर्देश

बाराबंकी। जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभागार में ग्राम विकास, पंचायती राज, गौ आश्रय स्थलों एवं स्वच्छता योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित हुई।ग्रामों में जलभराव की समस्या की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जलभराव की समस्या वाले ग्रामों को चिन्हित कर बीबीजी रामजी योजना अथवा पंचायत निधि से नालों की साफ-सफाई का कार्य प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि जल निकासी की व्यवस्था प्रभावी रहे और वर्षा के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए संबंधित अधिकारी स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यक कार्य समय से पूर्ण कराएं।

जिलाधिकारी ने आगामी सामान्य निर्वाचन-2027 के दौरान प्रस्तावित मतदान केंद्रों पर एएमएफ (आवश्यक न्यूनतम सुविधाएं) की सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों पर जिन भी व्यवस्थाओं अथवा कार्यों की आवश्यकता है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर समय से पूर्ण करा लिया जाए, ताकि निर्वाचन के दौरान मतदाताओं एवं मतदान कार्मिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। गौ आश्रय स्थलों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने हरे चारे के उत्पादन को बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी डिप्टी सीवीओ को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र के खंड विकास अधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुए गौ आश्रय स्थलों में चारा, पानी, साफ-सफाई एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुदृढ़ बनाए रखें। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि गौ आश्रय स्थलों में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था अथवा शिकायत को गंभीरता से लिया जाएगा और संबंधित अधिकारी की जवाबदेही निर्धारित की जाएगी।

निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन अन्नपूर्णा भवनों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों के शेष कार्यों को गुणवत्ता पूर्ण ढंग से शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के साथ किसी प्रकार का समझौता न किया जाए तथा संबंधित अधिकारी नियमित रूप से स्थलीय निरीक्षण करते हुए कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता का अनुश्रवण सुनिश्चित करें। महिला स्वयं सहायता समूहों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने ग्रामीण परिवेश की अधिक से अधिक महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने के निर्देश दिए।

निंदूरा की दो शिक्षिकाओं को मिला उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार



निंदूरा, बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। विश्व शिक्षक दिवस के अवसर पर निंदूरा क्षेत्र की दो शिक्षिकाओं को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए पूर्व कुलपति प्रो. एचएन मिश्रा उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार-2026 से सम्मानित किया गया। प्राथमिक विद्यालय हेमापुरवा की प्रधानाध्यापिका ममता देवी और उच्च प्राथमिक विद्यालय निंदूरा की सहायक अध्यापिका पूजा पाण्डेय को यह सम्मान एचएन मिश्रा विश्वविद्यालय, कानपुर में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया। पूजा पाण्डेय विद्यालय में बच्चों को नियमित योग का अभ्यास कराने के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मार्गदर्शन और विभिन्न शैक्षिक नवाचारों के माध्यम से शिक्षण कार्य करती हैं। वहीं ममता देवी गतिविधि आधारित शिक्षा, टीएलएम, क्राफ्ट वर्क और अन्य नवाचारों के जरिए बच्चों को सरल व रुचिकर ढंग से पढ़ाने पर जोर देती हैं। दोनों शिक्षिकाओं के शैक्षिक कार्यों को देखते हुए विश्वविद्यालय की ओर से उन्हें पुरस्कार के लिए आमंत्रित किया गया था। सम्मान मिलने पर क्षेत्र के शिक्षकों और अभिभावकों ने दोनों को बधाई देते हुए इसे निंदूरा क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बताया।

बहुउद्देशीय सेवा शिविर में दूसरे दिन लगे विभागीय स्टॉल

सिद्धौर, बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। सेवा सेतु अभियान के तहत सिद्धौर ब्लॉक सभागार में चल रहे पांच दिवसीय बहुउद्देशीय सेवा शिविर के दूसरे दिन मंगलवार को विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर ग्रामीणों को योजनाओं और सरकारी सुविधाओं की जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल पर चिकित्सकों और कर्मचारियों ने स्वास्थ्य संबंधी जानकारी व सेवाएं दीं। कृषि विभाग ने किसानों को कृषि योजनाओं की जानकारी दी। बाल विकास परियोजना विभाग की ओर से भी महिलाओं और ग्रामीणों को विभागीय योजनाओं के बारे में जागरूक किया गया। इसके अलावा खाद्य एवं रसद, स्वच्छता समेत अन्य विभागों के स्टॉल भी लगाए गए। शिविर में ग्रामीणों को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी और सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। शिविर 9 अक्टूबर तक चलेगा।

65 ग्रामीणों के हुए निशुल्क एक्स-रे, 14 के लिए बलगम के नमूने

मसौली, बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। केंद्र सरकार के टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत मंगलवार को पंचायत भवन बड़ागांव में निशुल्क एक्स-रे एवं स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। जिला क्षय रोग चिकित्सालय के तत्वावधान में आयोजित शिविर में 65 ग्रामीणों के निशुल्क एक्स-रे किए गए, जबकि संभावित टीबी मरीजों के 14 बलगम के नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए। शिविर में एसटीएस मनीष श्रीवास्तव, एसटीएलएस विनय कुमार और एक्स-रे टेक्नीशियन महेंद्र सिंह की देखरेख में ग्रामीणों की जांच की गई। प्रधान प्रतिनिधि नूर मोहम्मद ने ग्रामीणों से स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की अपील की। एसटीएस मनीष श्रीवास्तव ने कहा कि दो सप्ताह से अधिक समय तक खांसी या बुखार रहने पर तत्काल टीबी की जांच करानी चाहिए। समय पर पहचान होने पर क्षय रोग का इलाज संभव है।

भैंस को कार ने मारी टक्कर, मौके पर मौत

मसौली, बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। मसौली पशु बाजार में कीमती भैंस बेचने आए पशुपालक की उम्मीदों पर उस समय पानी फिर गया, जब सड़क पार करते समय तेज रफ्तार कार ने भैंस को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में भैंस की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार चालक वाहन समेत फरार हो गया। सतरिख थाना क्षेत्र के टेरी गांव निवासी राजकुमार यादव मंगलवार को अपनी भैंस बेचने मसौली पशु बाजार आए थे। वाहन से उतारने के दौरान भैंस छूटकर भाग गई। पशुपालक ने बड़गांव क्रॉसिंग के पास उसे पकड़ लिया और वापस बाजार ले जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आई बालेनो कार ने भैंस को टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। राजकुमार यादव के मुताबिक भैंस की कीमत करीब एक लाख रुपये लग चुकी थी और वह एक लाख दस हजार रुपये की मांग कर रहे थे। हादसे में पशुपालक को करीब एक लाख रुपये का नुकसान हुआ है। घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया।

श्रीराम कथा में शामिल होने के लिए उपमुख्यमंत्री को दिया निमंत्रण



बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। कस्बा रामनगर के पुरानी तहसील प्रांगण में आगामी 27 अक्टूबर से 4 नवंबर तक आयोजित होने वाली श्रीराम कथा में उपमुख्यमंत्री बृजेश कुमार पाठक को आमंत्रित किया गया है। भाजपा नेता गौरीकांत दीक्षित, समाजसेवी रविकांत पांडेय, पवन कुमार ओझा और एबीपी नगर मंत्री निखिल पांडेय ने लखनऊ में उपमुख्यमंत्री से मुलाकात कर उन्हें कथा का निमंत्रण पत्र सौंपा। उपमुख्यमंत्री ने निमंत्रण स्वीकार किया। आयोजकों के अनुसार रामनगर में पहली बार आयोजित हो रही श्रीराम कथा मानस मर्मज्ञ संत अतुल कृष्ण भारद्वाज के श्रीमुख से होगी। कथा में सभी दलों के जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किए जाने की बात आयोजकों ने कही है।

तरन्नुम और चाहत ने जीती प्रतियोगिता

100 विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा, गांधी के जीवन-दर्शन और अगस्त क्रांति पर लिखे विचार





कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। गांधी जयंती सप्ताह के छठे दिन गांधी भवन में बच्चों की कलम से गांधी दर्शन कागज पर उतर आया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में करीब 100 से ज्यादा विद्यार्थियों ने महात्मा गांधी के जीवन, विचारों, सत्य-अहिंसा और स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान पर अपने विचारों को शब्द दिए। प्रतियोगिता में तरन्नुम और चाहत वर्मा ने अपने-अपने वर्ग में पहला स्थान हासिल किया। कक्षा छह से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित प्रतियोगिता में 'महात्मा गांधी को जैसा मैंने जाना', 'गांधी आज हमारे जीवन में' और 'अगस्त क्रांति और महात्मा गांधी' विषय रखे गए। ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल स्कूल, राजकीय इंटर कॉलेज, जमील उर रहमान किदवाई इस्लामिया गर्ल्स इंटर कॉलेज और पायनियर मोंटेसरी स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। जूनियर वर्ग में जमील उर रहमान किदवाई इस्लामिया गर्ल्स इंटर कॉलेज की तरन्नुम प्रथम, पायनियर माण्टेसरी स्कूल की बारी श्रीवास्तव द्वितीय और ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल स्कूल के आर्यन सिंह तृतीय रहे। सीनियर वर्ग में ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल स्कूल की चाहत वर्मा प्रथम, पायनियर माण्टेसरी स्कूल की आस्था विश्वकर्मा द्वितीय और जमील उर रहमान किदवाई इस्लामिया गर्ल्स इंटर कॉलेज की सना बानो तृतीय रहीं। मुख्य अतिथि गांधीवादी अनिल चौहान ने कहा कि गांधी जयंती समारोह ट्रस्ट का उद्देश्य नई पीढ़ी को गांधी के विचारों से जोड़ना है। वहीं ट्रस्ट अध्यक्ष राजनाथ शर्मा ने कहा कि शिक्षा केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि नैतिक मूल्यों के विकास का आधार भी है। गांधीजी का सत्य, अहिंसा और सादगी का संदेश विद्यार्थियों के जीवन में मार्गदर्शक बन सकता है। विजेताओं को सात अक्टूबर को गांधी भवन में एमएलसी सीपी चंद पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान करेंगे। संचालन रंजय शर्मा ने किया। इस मौके पर विनय कुमार सिंह, हुमायूं नईम खान, पाटेश्वरी प्रसाद, अंकित शर्मा, अनुपम सिंह राठौर, रामू वर्मा, मनीष सिंह, उमेश श्रीवास्तव आदि कई लोग मौजूद रहे।

जननी-जनक महोत्सव में 175 वरिष्ठ नागरिक सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता



बाराबंकी। बनीकोडर क्षेत्र के छन्दवल स्थित चाइल्ड फ्रेण्डली स्कूल परिसर में मंगलवार को 20वां जननी-जनक महोत्सव एवं वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह आयोजित हुआ। स्वयंसेवी संस्था बेसिक उत्थान एवं ग्रामीण सेवा संस्थान/बिरजू संस्थान की ओर से आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से आए 175 वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया गया। इस दौरान बेटे-बेटियों और बहुओं ने माता-पिता का पूजन कर उनकी सेवा और सम्मान का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित अवधी साहित्यकार डॉ. रामबहादुर मिश्र ने की। संस्था अध्यक्ष रत्नेश कुमार ने कहा कि माता-पिता जीवन के प्रथम गुरु हैं और उनकी सेवा-सम्मान को एक दिन तक सीमित न रखकर जीवन का संस्कार बनाया जाना चाहिए। वक्ताओं ने संयुक्त परिवारों के विघटन और बुजुर्गों के अकेलेपन के बीच ऐसे आयोजनों को पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करने वाला बताया। समारोह में वरिष्ठ नेत्र सर्जन डॉ. विवेक वर्मा, पूर्व उप शिक्षा निदेशक वसुमती अग्निहोत्री, डॉ. अर्जुन पाण्डेय, पूनम सिंह, शैलेन्द्र सिंह सहित सामाजिक, शैक्षिक, चिकित्सा और साहित्यिक क्षेत्र की कई हस्तियां मौजूद रहीं। वक्ताओं ने कहा कि माता-पिता की सेवा से बढ़कर कोई पूजा नहीं है। कार्यक्रम के समापन पर आयोजित विशाल भंडारे में करीब एक हजार लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

गेट नंबर-1 से वाहनों की एंट्री बंद, अधिवक्ताओं का हंगामा

बाराबंकी। जनपद न्यायालय परिसर के गेट नंबर-1 से वाहनों की एंट्री बंद किए जाने का फैसला अधिवक्ताओं के विरोध का कारण बन गया। जिला बार एसोसिएशन के आह्वान पर मंगलवार को सैकड़ों अधिवक्ताओं ने सामूहिक अवकाश रखकर कचहरी परिसर में प्रदर्शन किया और जिला जज के निर्णय को वापस लेने की मांग को लेकर जमकर नारेबाजी की। अधिवक्ताओं का कहना है कि गेट नंबर-1 से वाहनों का प्रवेश बंद होने से सबसे अधिक परेशानी बुजुर्ग और शारीरिक रूप से असमर्थ अधिवक्ताओं को हो रही है। प्रदर्शन में जिला बार एसोसिएशन अध्यक्ष रमनलाल द्विवेदी समेत कार्यकारिणी के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में अधिवक्ता शामिल रहे। प्रदर्शन के दौरान अध्यक्ष रमनलाल द्विवेदी ने कहा कि करीब 85 वर्ष की उम्र के कई अधिवक्ता नियमित रूप से कचहरी आते हैं। वहीं बैसाखी के सहारे चलने वाले अधिवक्ताओं के लिए भी लंबी दूरी तय करना मुश्किल है। ऐसे में गेट नंबर-1 से वाहनों की आवाजाही पर रोक का फैसला व्यावहारिक नहीं है। उन्होंने अधिवक्ताओं की सुविधा को देखते हुए पूर्व व्यवस्था बहाल करने की मांग की। विरोध प्रदर्शन के बाद जिला बार अध्यक्ष रमनलाल द्विवेदी की अचानक तबीयत बिगड़ गई। आनन-फानन में उन्हें जिला अस्पताल स्थित ट्रामा सेंटर बाराबंकी ले जाया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार जारी है। अध्यक्ष की तबीयत बिगड़ने की सूचना से अधिवक्ताओं में चिंता फैल गई। वहीं गेट नंबर-1 को लेकर अधिवक्ताओं का विरोध अब और मुखर होता दिखाई दे रहा है।

त्योहारों से पहले खाद्य विभाग अलर्ट

कैनविज टाइम्स संवाददाता

दीपावली से पहले होटल, रेस्टोरेंट और मिठाई की दुकानों पर बढ़ेगी निगरानी, नवरात्र में व्रत सामग्री की भी होगी विशेष जांच

हैदरगढ़, बाराबंकी। त्योहारों के मौसम में खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग के बीच मिलावटखोरी और अस्वच्छ तरीके से खाद्य सामग्री की बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने कमर कस ली है। आगामी नवरात्र दीपावली समेत विभिन्न त्योहारों के मद्देनजर हैदरगढ़ क्षेत्र में होटल, रेस्टोरेंट, मिठाई की दुकानों और अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों पर विशेष निगरानी बढ़ाई जाएगी। खाद्य निरीक्षक पल्लवी तिवारी लगातार क्षेत्र में सक्रिय रहते हुए प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण कर रही हैं। जांच के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वच्छता, भंडारण व्यवस्था और खाद्य सुरक्षा मानकों के पालन की पड़ताल की जा रही है। गड़बड़ी मिलने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।आगामी शारदीय नवरात्र को लेकर भी विभाग विशेष अभियान चलाने की तैयारी में है। इस दौरान व्रत में प्रयोग होने वाली खाद्य सामग्री पर विशेष नजर रहेगी। कुट्टू का आटा, सिंघाड़े का आटा, साबूदाना, मखाना, सेंधा नमक, मूंगफली, घी, दूध समेत अन्य व्रत सामग्री की गुणवत्ता की जांच की जाएगी। संदिग्ध खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर परीक्षण के लिए भेजे जाएंगे और जांच में मानक विपरीत अथवा मिलावटी पाए जाने पर संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।त्योहारों के दौरान मिठाई, खोया, दूध से बने उत्पाद, तेल, मसाले और अन्य खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ जाती है। ऐसे समय में मिलावट की आशंका भी बढ़ती है। खुले में रखे खाद्य पदार्थ धूल, धुएं और मक्खियों के संपर्क में आने से स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। इसके बावजूद बड़ी संख्या में लोग केवल स्वाद और कीमत देखकर खाद्य सामग्री खरीद लेते हैं। ऐसे में उपभोक्ताओं को भी जागरूक रहने और खाद्य पदार्थों की स्वच्छता व गुणवत्ता पर ध्यान देने की आवश्यकता है। खाद्य निरीक्षक पल्लवी तिवारी ने कहा कि आगामी शारदीय नवरात्र में खाद्य सुरक्षा के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। व्रत में प्रयोग होने वाली खाद्य सामग्री की विशेष जांच की जाएगी। इसके साथ ही दीपावली और अन्य त्योहारों के मद्देनजर खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण बढ़ाया जाएगा। खाद्य पदार्थों में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पाए जाने पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। त्योहार खुशियों का अवसर हैं और इन खुशियों में लोगों के स्वास्थ्य से कोई समझौता न हो, इसके लिए विभागीय निगरानी के साथ उपभोक्ताओं की जागरूकता भी जरूरी है। सुरक्षित और स्वच्छ खाद्य सामग्री का चयन ही स्वस्थ समाज की पहली शर्त है।

खाद्य सुरक्षा को लेकर अभियान नियमित रूप से चलता रहता है और आगे भी जारी रहेगा। आगामी नवरात्र एवं अन्य त्योहारों को देखते हुए विशेष अभियान चलाया जाएगा। लोगों के स्वास्थ्य के साथ किसी भी तरह का खिलवाड़ कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। खुले में बिकने वाली खाद्य सामग्री के सेवन से भी लोगों को बचना चाहिए। विशेषकर बारिश के मौसम में खुले में रखे और कटे हुए फलों के सेवन से संक्रमण फैलने की आशंका रहती है। शहर के साथ-साथ ग्रामीण अंचल भी टीम की निगरानी में रहेंगे और खाद्य पदार्थों में गड़बड़ी मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। **श्रीमती पल्लवी तिवारी**
खाद्य निरीक्षक, हैदरगढ़

टिकट चेकिंग की खबर से मचा हड़कंप, चलती ट्रेन से कूदे यात्री



बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता।। मंगलवार सुबह रसौली रेलवे स्टेशन पर टिकट चेकिंग अभियान के दौरान बेटिकट यात्रियों में हड़कंप मच गया। अयोध्या से लखनऊ जा रही ट्रेन संख्या 64215 में डीआरएम सुनील कुमार वर्मा और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कुलदीप तिवारी की मौजूदगी में चेकिंग शुरू होते ही कई यात्री ट्रेन की गति धीमी होते ही चलती ट्रेन से कूदकर भागने लगे। इस दौरान कुछ यात्री प्लेटफार्म पर गिर पड़े, लेकिन कार्रवाई के डर से भाग निकले। वहीं कई बेटिकट यात्री बचने के लिए ट्रेन के शौचालय में जा छिपे। चेकिंग टीम ने इन्हें बाहर निकालकर पकड़ा और ट्रेन से लखनऊ ले गई, जहां उनसे जुर्माना वसूला गया। अचानक हुई कार्रवाई से स्टेशन पर काफी देर तक अफरातफरी का माहौल बना रहा।



सितंबर माह के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ नामित हुए गिल और अभिषेक शर्मा

एजेंसी

नई दिल्ली। सितंबर माह के आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के लिए भारत के शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा को जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा के साथ नामित किया गया है। महिला वर्ग में श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू, भारत की श्री चरणी और शेफाली वर्मा को जगह मिली है। अभिषेक शर्मा ने सितंबर में चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 229 रन बनाए, जिसमें अफगानिस्तान के खिलाफ रिकॉर्ड 30 गेंदों में शतक भी शामिल है। वहीं, शुभमन गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो एकदिवसीय मैचों में 333 रन बनाए, जिसमें उनका दूसरा दोहरा शतक भी शामिल रहा। जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय श्रृंखला में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। भारतीय कप्तान शुभमन गिल पांचवीं बार आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार जीतने की दौड़ में हैं। उन्होंने तिरुवनंतपुरम



में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच में 110 रन बनाए। इसके बाद उन्होंने केवल 133 गेंदों में 223 रन की तूफानी पारी खेलकर सबसे तेज एकदिवसीय दोहरा शतक बनाया। उनकी पारी की बदौलत भारत ने 406 रन के विशाल लक्ष्य को आठ विकेट शेष रहते और 39 गेंद पहले हासिल कर लिया। जिम्बाब्वे के ऑलराउंडर सिकंदर रजा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय श्रृंखला में 57, 45 और नाबाद 81 रन बनाए तथा गेंदबाजी में भी किफायती रहे। उन्होंने तीन एकदिवसीय मैचों में 92.89 के स्ट्राइक रेट से 183 रन बनाए और 5.46 की इकॉनमी से तीन विकेट लिए। इस दौरान तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 90 रन बनाने के साथ दो विकेट भी हासिल किए। पिछले साल सितंबर में यह पुरस्कार जीत चुके अभिषेक शर्मा ने भारत की ओर से सबसे तेज टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने 2017 में श्रीलंका के खिलाफ रोहित शर्मा के 35 गेंदों में शतक के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। फिरोजशाह कोटला में अफगानिस्तान के खिलाफ श्रृंखला के तीसरे मैच में बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज अभिषेक ने सिर्फ 34 गेंदों में 108 रन बनाए। यह किसी आईसीसी पूर्ण सदस्य देश के बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सबसे तेज शतक भी रहा। तीन बार पुरस्कार जीत चुकी श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने सात टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 140.37 के स्ट्राइक रेट से 226 रन बनाए और 14 विकेट लिए। उनकी कप्तानी में श्रीलंका ने महिला एशिया कप और एशियाई खेलों दोनों के फाइनल में जगह बनाई। एशियाई खेलों में वह अपनी टीम की सबसे ज्यादा रन बनाने वाली और संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली खिलाड़ी रहीं। महिला एशिया कप में इंडोनेशिया के खिलाफ पांच रन देकर सात विकेट लेना उनका सबसे शानदार प्रदर्शन रहा, जिसमें हैट्रिक भी शामिल थी।

आईपीएल 2027 सीजन से पहले दिल्ली कैपिटल्स के कोच बने सौरव गांगुली

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 सीजन से पहले दिल्ली कैपिटल्स ने मंगलवार को भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को अपनी टीम का हेड कोच नियुक्त किया है। गांगुली 2019 में एडवाइज़र के तौर पर दिल्ली कैपिटल्स से जुड़े थे।

मीडिया को जारी की गई जानकारी के मुताबिक, इन सालों में उन्होंने कैपिटल्स के साथ कई अहम भूमिकाएँ निभाई हैं, जिनमें पुरुष और महिला दोनों टीमों के लिए 'डायरेक्टर ऑफ़ क्रिकेट' का पद भी शामिल है। अपनी नियुक्ति पर सौरव गांगुली ने कहा कि वह हेड कोच की भूमिका निभाने के लिए उत्साहित हैं और दिल्ली कैपिटल्स उनके दिल के बहुत करीब है। उन्होंने मालिकों, मैनेजमेंट, स्टाफ और खिलाड़ियों के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे जुड़ाव का ज़िक्र किया और कहा कि वह नए सीज़न के लिए एक मज़बूत और निडर टीम बनाने के लिए प्रतिभाशाली स्क्वाड के साथ काम करने



को लेकर उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, ''मैं आईपीएल में हेड कोच की भूमिका निभाने के लिए उत्सुक हूँ। दिल्ली कैपिटल्स एक ऐसी फ्रैंचाइज़ी है जो मेरे दिल के बहुत करीब है और जिसके साथ मेरा कई सालों से मज़बूत रिश्ता रहा है। मैंने मालिकों, मैनेजमेंट, सपोर्ट स्टाफ़ और खिलाड़ियों के साथ मिलकर काम किया है, जिससे यह मेरे लिए एक रोमांचक ज़िम्मेदारी बन गई है। हमारे पास एक प्रतिभाशाली ग्रुप है और हमने हाल के समय में अच्छा क्रिकेट खेला है। मैं स्क्वाड के साथ काम करने, नए सीज़न और एक मज़बूत और निडर टीम बनाने के लिए उत्सुक हूँ। दिल्ली कैपिटल्स के चेयरमैन और को-ओनर पार्थ जिंदल ने कहा कि गांगुली हमेशा से फ्रैंचाइज़ी का अहम हिस्सा रहे हैं और हेड कोच के तौर पर उनकी नियुक्ति पर गर्व ज़ाहिर किया। उन्होंने कहा कि गांगुली का अनुभव, लीडरशिप और विज़न टीम को आईपीएल टाइटल के लिए मज़बूती से तैयारी करने में मदद करेगा, साथ ही खिलाड़ियों और स्टाफ़ को उनसे सीखने का मौका भी देगा। उन्होंने कहा, ''दादा हमेशा से दिल्ली कैपिटल्स परिवार का अहम हिस्सा रहे हैं। मुझे यह बताते हुए बहुत गर्व और सम्मान महसूस हो रहा है कि भारत के सबसे महान कप्तानों और एडमिनिस्ट्रेटर्स में से एक, अब दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच के तौर पर कोचिंग की दुनिया में कदम रख रहे हैं। मैं उन्हें इस भूमिका में देखने के लिए उत्साहित हूँ और मुझे यकीन है कि उनकी देखरेख और दूरदर्शी लीडरशिप में दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल टाइटल के लिए चुनौती देने के लिए सबसे अच्छी तरह तैयार होगी। मैं हमारे सभी खिलाड़ियों और स्टाफ़ के साथ दादा से सीखने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूँ और जल्द ही दिल्ली की टीम को एक्शन में देखने के लिए उत्सुक हूँ।''

हरमनप्रीत कौर ने सभी प्रारूपों में छोड़ी भारत की कप्तानी, कहा- मैंने अपना कर्तव्य निभाया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की एकदिवसीय विश्व कप विजेता कप्तान हरमनप्रीत कौर ने सभी प्रारूपों की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया है। हरमनप्रीत 2018 से पूर्णकालिक टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान और 2022 से एकदिवसीय कप्तान थीं। टेस्ट क्रिकेट में भी वह भारत की कप्तान थीं। उन्होंने महान खिलाड़ी मिताली राज के बाद टीम की कमान संभाली थी। हरमनप्रीत ने इंस्टाग्राम पर अपने भावुक संदेश में लिखा, आज मैं सभी प्रारूपों में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तानी से हट रही हूं। यह आसान फैसला नहीं है। इसमें वर्षों की यादें, भावनाएं, त्याग और ऐसे पल जुड़े हैं, जो जीवन भर मेरे साथ रहेंगे। मैंने इस टीम और भारतीय महिला क्रिकेट को अपना सब कुछ दिया है– अपना खून, अपना पसीना, अपना समय और कई बार अपने खेल तथा निजी महत्वाकांक्षाओं का एक हिस्सा भी। ऐसे मौके आए जब मुझे अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन, अपने विकास और अपने लिए जो कुछ चाहती थी, उसे पीछे रखना पड़ा, क्योंकि मेरा मानना था कि टीम को हमेशा सबसे पहले रखना चाहिए। उन्होंने आगे लिखा, ह्लकप्तान के तौर पर मुझे कठिन फैसले लेने पड़े। ऐसे फैसले जिन्हें हमेशा समझा नहीं गया, जो हमेशा आसान नहीं थे और कभी-कभी जिनकी व्यक्तिगत कीमत भी चुकानी पड़ी। लेकिन मैंने जो भी फैसला लिया, उसका एक ही उद्देश्य था–इस टीम को बेहतर बनाना और दूसरी खिलाड़ियों को आगे बढ़ने, खुद पर विश्वास करने और अपना सर्वश्रेष्ठ रूप बनने का अवसर देना। हरमनप्रीत ने दक्षिण अफ्रीका को घरेलू मैदान पर हराकर भारत को पहली बार वरिष्ठ महिला आईसीसी विश्व कप खिताब दिलाया और इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया। वह भारत की पहली महिला कप्तान बनीं, जिनकी अगुवाई में टीम ने वरिष्ठ स्तर का आईसीसी विश्व कप जीता।



उन्होंने लिखा, ह्लमैंने यह सब देखा है। मैंने सबसे बुरे दौर, दिल टूटने वाले पल, आलोचना, संदेह और ऐसे दिन देखे हैं जब कुछ भी हमारे पक्ष में नहीं जा रहा था। और मैंने सबसे ऊंचे मुकाम भी देखे हैं–जीत, जश्न, अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का गर्व और ऐसे पल, जिन्होंने हर त्याग को सार्थक बना दिया। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारत ने रिकॉर्ड चार एशिया कप खिताब जीते। उनकी कप्तानी में भारत ने 2012, 2016, 2022 और 2026 में एशिया कप अपने नाम किया। उन्होंने एशियाई खेलों में भी लगातार दो स्वर्ण पदक दिलाए और भारत ने हांगझोऊ 2022 तथा आइची-नागोया 2026 में शीर्ष स्थान हासिल किया। कप्तानी छोड़ने के फैसले पर हरमनप्रीत ने कहा, ह्लआज मैं अपने दिल में भावनाओं का सैलाब लेकर कप्तानी छोड़ रही हूं, लेकिन साथ ही मन में शांति भी है। क्योंकि मुझे वास्तव में विश्वास है कि मेरी टीम अच्छी स्थिति में है। यह प्रतिभा, चरित्र, विश्वास और भविष्य वाली टीम है, जिसे लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं और जिसका हिस्सा बने रहना चाहती हूं। मुझे लगता है कि मैंने अपना कर्तव्य निभाया है। मैंने इस टीम को अपना सब कुछ दिया। मैंने इस जिम्मेदारी को गर्व के साथ निभाया और मैं हमेशा भारतीय महिला क्रिकेट की अगुवाई करने का अवसर मिलने के लिए आभारी रहूंगी। अब मेरे लिए पन्ना पलटने का समय है।

एशियाई खेलों में स्वर्ण के बाद लक्ष्मण ने टीम की तैयारी और कप्तान श्रेयस अय्यर के नेतृत्व को सराहा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने एशियाई खेलों में लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक जीतकर अपना खिताब बरकरार रखा। शनिवार 3 अक्तूबर को निसिन के कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए पुरुष क्रिकेट फाइनल में भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 19 रन से हराया। टीम के मुख्य कोच वीवीएस लक्ष्मण ने जीत के बाद खिलाड़ियों की अनुकूलन क्षमता, तैयारी और कप्तान श्रेयस अय्यर के नेतृत्व की जमकर सराहना की। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के इंस्टाग्राम पर साझा किए गए वीडियो में लक्ष्मण ने कहा कि जापान में टीम को मौसम, यात्रा और अभ्यास के सीमित अवसरों जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन खिलाड़ियों ने फिटनेस बनाए रखने और हर उपलब्ध अभ्यास



अवसर का पूरा फायदा उठाने में कोई कमी नहीं छोड़ी। लक्ष्मण ने कहा, जापान आने के समय से ही हमें मौसम, यात्रा, अच्छे अभ्यास सत्रों और तैयारी की कमी जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन एक बार भी मुझे ऐसा नहीं लगा कि टीम या टीम में शामिल कोई खिलाड़ी बड़े मुकाबले के लिए तैयार होने को लेकर उत्सुक नहीं था। मुझे लगा कि वे सभी अच्छी तरह तैयार थे। भले ही हम इंडोर थे, लेकिन सभी ने अपने फिटनेस सत्र किए और जब भी हमें मैदान पर जाकर अभ्यास करने का मौका मिला, हमने उसका इस्तेमाल किया। इसलिए कुल मिलाकर जिस तरह का परिणाम आया है, उससे मैं वास्तव में बहुत खुश हूं। लक्ष्मण ने टीम की अनुकूलन क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने सेमीफाइनल और फाइनल में चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद सकारात्मक और पेशेवर रवैया बनाए रखा। उन्होंने कहा, ह्लएक चीज जिस पर मुझे वास्तव में गर्व है, वह है खिलाड़ियों की अनुकूलन क्षमता। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों या हालात के बावजूद दोनों मैचों में उनके रवैये में एक बार भी लचीलापन नहीं आया। हम जानते हैं कि सेमीफाइनल की पिच मुश्किल थी, लेकिन उन्होंने सकारात्मक इरादा दिखाया। और फिर फाइनल में भी बल्ले और गेंद दोनों से वे बेहद पेशेवर थे। फाइनल में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में छह विकेट पर 211 रन बनाए। अभिषेक शर्मा ने 28 गेंदों में 61 रन की तूफानी पारी खेली। तिलक वर्मा 22 गेंदों में नाबाद 51 रन बनाकर लौटे, जबकि शिवम दुबे ने 14 गेंदों में तेज 27 रन बनाए।

फ्रेंचाइजी क्रिकेट के लिये टेस्ट से संन्यास चिंताजनक, पर खिलाड़ियों को दोष नहीं दे सकते : स्टीवर्ट

बेंगलुरु। क्रिकेट के नियमों और भावना के संरक्षक मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) के क्रिकेट प्रमुख फ्रेजर स्टीवर्ट ने कहा कि फ्रेंचाइजी आधारित टी20 लीग खेलने के लिये क्रिकेटरों का टेस्ट से जल्दी संन्यास लेना चिंता का विषय है लेकिन उन्हें कम खेलकर अधिक पैसा कमाने की चाह के लिये दोषी नहीं ठहराया जा सकता। स्टीवर्ट ने दिन के टेस्ट में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल को प्रयोग के लिये अनुमति देने के आईसीसी के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इससे पारंपरिक प्रारूप में रूचि फिर पैदा होगी। स्टीवर्ट ने कहा कि आईसीसी और मेरा मानना है कि द्विपक्षीय श्रृंखला में दोनों देशों को तय करने का अधिकार होना चाहिये कि क्या वे गुलाबी गेंद का इस्तेमाल करना चाहते हैं। स्टीवर्ट कर्नाटक क्रिकेट अंपायर संघ के साथ साझेदारी में एमसीसी के 'लॉ आफ क्रिकेट' ऐप के कन्नड़ संस्करण के लांच के लिये यहां मौजूद थे।

विश्व बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.1 फीसदी किया

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व बैंक ने एक बार फिर भारतीय अर्थव्यवस्था पर भरोसा जताया है। पश्चिम एशिया संकट और वैश्विक उथल-पुथल के बीच मूडीज तथा एसएंडपी के बाद अब विश्व बैंक ने भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाकर 7.1 फीसदी कर दिया है। विश्व बैंक ने मंगलवार को जारी नवीनतम 'इंडिया डेवलपमेंट अपडेट' रिपोर्ट में चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.1 फीसदी कर दिया। यह अप्रैल में लगाए गए 6.6 फीसदी से 0.5 फीसदी अधिक है। जीडीपी दर अनुमान में यह इजाफा (अप्रैल-जून) पहली तिमाही के उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन के कारण की गई है। विश्व बैंक ने अपनी रिपोर्ट में कहा, ''हमने चालू वित्त वर्ष



2026-27 के लिए जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को अप्रैल के 6.6 फीसदी से बढ़ाकर 7.1 फीसदी कर दिया है क्योंकि व्यापार एवं भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद वृद्धि उम्मीद से बेहतर रही है। विश्व बैंक की जारी रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआत में ग्रामीण खपत शहरी मांग से आगे रही। इसे कृषि क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन, ग्रामीण आय सहायता, खाद्य सब्सिडी और कम मुद्रास्फीति से समर्थन मिला है। आयकर में राहत और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती के बाद साल के बाकी बचे हिस्से में शहरी खपत मजबूत हुई। इससे अप्रैल के बाद से वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद औद्योगिक गतिविधियां उम्मीद से बेहतर रही हैं। उल्लेखनीय है कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.8 फीसदी रही है। वहीं, वित्त वर्ष 2025-26 में यह 7.7 रही थी, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 7.1 फीसदी थी।

आरबीआई गवर्नर बुधवार को सुबह 10 बजे करेंगे मौद्रिक नीति समिति के फैसलों का ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा 7 अक्टूबर को सुबह 10 बजे तीन दिवसीय द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के फैसलों की घोषणा करेंगे। इसके बाद दोपहर 120 बजे एक प्रेस कांफ्रेंस भी होगी। आर्थिक मामलों के जानकारों ने आरबीआई की नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी तक की बढ़ोतरी किये जाने की संभावना जताई है। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने आर्थिक स्थितियों की समीक्षा और प्रमुख नीतिगत दरों पर निर्णय लेने के लिए सोमवार को मुंबई में अपनी 3 दिवसीय समीक्षा बैठक शुरू की। रिजर्व बैंक ने कहा कि 07 अक्टूबर को मॉनेटरी पॉलिसी स्टेटमेंट और मॉनेटरी पॉलिसी के बाद होने वाली प्रेस कांफ्रेंस का लाइव स्ट्रीम देखें। लिंक https://youtube.com/live/YzOwHYFuEZQ?si=XMYxl7IArDCRZIxg सुबह 10 बजे मॉनेटरी पॉलिसी स्टेटमेंट और दोपहर 12 बजे मॉनेटरी पॉलिसी के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए जुड़ें'। अर्थशास्त्रियों और बैंक अधिकारियों का मानना है कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के दोबारा गहराने से पैदा हुए मुद्रास्फीति के दबाव के बीच रिजर्व बैंक अक्टूबर माह की मौद्रिक नीति की समीक्षा में रेपो रेट में 0.25 फीसदी की वृद्धि कर सकता है। इससे पहले ब्रोकरेज फर्म नोमुरा ने अक्टूबर-दिसंबर की मौद्रिक समीक्षा की बैठकों में नीतिगत दर रेपो रेट में 0.25-0.25 फीसदी तक की बढ़ोतरी का अनुमान जताया है। आरबीआई ने अगस्त में हुई पिछली एमपीसी बैठक में रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर बरकरार रखा था। साल 2025 में रेपो रेट में कुल 1.25 फीसदी की कटौती करने के बाद पिछली चार लगातार बैठकों में रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर स्थिर रखा था।

यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री सितंबर में 32 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 4.27 लाख इकाई: फाडा

एजेंसी

मुंबई। भारत में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री सितंबर में सालाना आधार पर 32.1 प्रतिशत बढ़कर 4,27,213 इकाई के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। इस दौरान कुल वाहन खुदरा बिक्री 25,36,920 इकाई रही, जो सितंबर 2025 की तुलना में 31.82 प्रतिशत अधिक है। उद्योग निकाय फाडा ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

फ़ेडरेशन ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल डीलर्स (फाडा) के अनुसार, पिछले महीने दोपहिया वाहनों की मांग 33.08 प्रतिशत बढ़कर 17,90,188 इकाई रही जबकि सितंबर 2025 में यह 13,45,153 इकाई थी। वहीं, तिपहिया वाहनों की बिक्री 22.25 प्रतिशत बढ़कर 1,32,570 इकाई रही जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 1,08,444 इकाई थी। बयान में कहा गया कि सितंबर 2026 में वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 37.62 प्रतिशत बढ़कर 1,03,557 इकाई रही।



फाडा के अध्यक्ष साई गिरिधर ने कहा, ''सितंबर 2026, भारतीय वाहनों की खुदरा बिक्री के लिहाज से अब तक का सबसे अच्छा सितंबर रहा। उद्योग ने 25,36,920 इकाइयों की बिक्री दर्ज की, जो सालाना आधार पर 31.82 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि फाडा की छह में से पांच श्रेणियों में यह अब तक का सबसे अच्छा सितंबर रहा। इसके साथ ही किसी भी वित्त वर्ष की पहली छमाही में भी खुदरा बिक्री का यह अब तक का सबसे ऊंचा स्तर रहा। पहली छमाही की बिक्री सालाना आधार पर 20.77 प्रतिशत बढ़कर 1,55,12,319 इकाई रही। गिरिधर ने कहा कि खुदरा बिक्री अगस्त की तुलना में 4.69 प्रतिशत बढ़ी। सितंबर के असामान्य आधार प्रभाव को अलग रखें तो भी वित्त वर्ष 2026-27 के पहले पांच महीनों में वृद्धि करीब 17 प्रतिशत रही, जो अधिक वास्तविक अंतर्निहित रफ्तार को दर्शाती है। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती को 22 सितंबर 2025 को लागू किया गया था। फाडा ने कहा कि यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री सितंबर में अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर रही। शहरी व ग्रामीण बाजारों में बिक्री क्रमशः 32.11 प्रतिशत और 32.09 प्रतिशत बढ़ी, यानी दोनों में लगभग समान वृद्धि हुई। फाडा ने कहा कि ईंधन के मिश्रण में इस महीने का सबसे महत्वपूर्ण संकेत देखने को मिला। अगस्त में पहली बार वैकल्पिक ईंधन की हिस्सेदारी पेट्रोल से अधिक होने के बाद सितंबर में दोनों लगभग बराबरी पर आ गए। पेट्रोल की हिस्सेदारी मामूली बढ़त के साथ 41.27 प्रतिशत रही, जबकि वैकल्पिक ईंधन की हिस्सेदारी 41 प्रतिशत रही। इसमें सीएनजी की हिस्सेदारी 23.11 प्रतिशत, हाइब्रिड की 9.44 प्रतिशत और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की 8.45 प्रतिशत रही। इस तरह अगस्त में वैकल्पिक ईंधन की पेट्रोल से आगे निकलने की स्थिति कोई निर्णायक बदलाव नहीं थी, बल्कि एक महत्वपूर्ण मोड़ थी। अब पेट्रोल और वैकल्पिक ईंधन लगभग बराबरी पर हैं और हर महीने इनमें से किसी एक की हिस्सेदारी आगे रहती है। इस दौरान ईवी की हिस्सेदारी नए उच्चस्तर पर पहुंची, जबकि सीएनजी की हिस्सेदारी घटी।

विमान ईंधन की ऊंची कीमतों को लेकर एयरलाइन, तेल कंपनियों से बातचीत जारी: नागरिक उड्डयन मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण विमान ईंधन की ऊंची कीमतों को लेकर मंत्रालय एयरलाइन तथा तेल कंपनियों के साथ बातचीत कर रहा है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन ने राजधानी नई दिल्ली में इंडियन फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट (आईक्यूएफएम) सम्मेलन से इतर यह बात कही। नायडू ने बताया कि एक जॉइंट वेंचर के जरिए भारत को दो साल के भीतर अपना पहला स्वदेशी सिविलियन एयरक्राफ्ट मिल जाएगा। नायडू ने कहा, ''सबसे महत्वपूर्ण बातों में से एक यह है कि पश्चिम एशिया संकट एटीएफ की कीमतों पर कितना बोझ डाल रहा है।



हम विमानन कंपनियों और तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के साथ बातचीत कर रहे हैं। नागर विमानन मंत्री ने उम्मीद जताई कि संयुक्त उद्यम के जरिये भारत में दो साल के भीतर पहला स्वदेशी नागरिक विमान तैयार हो जाएगा। नायडू ने यह भी कहा कि सरकार देश में जेट इंजन बनाने की संभावना पर भी विचार करेगी लेकिन यह एक लंबी प्रक्रिया होगी। इससे पहले देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने विमान ईंधन की बढ़ती कीमतों के मद्देनजर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए ईंधन अधिभार बढ़ाने का ऐलान सोमवार को की थी। इंडिगो ने कहा था कि हाल के महीनों में एटीएफ की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना हुआ है, खासकर पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक स्थिति के बाद। एयरलाइन के अनुसार विमान ईंधन की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हुई है जो हाल में मासिक आधार पर करीब 14 फीसदी से अधिक रही है। इससे एटीएफ की लागत पिछले एक दशक में सबसे ऊंचे स्तरों में पहुंच गई है। उल्लेखनीय है कि एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की बढ़ती हुई कीमतों के कारण विमानन कंपनियों को मुश्किलों का भी सामना करना पड़ रहा है। एटीएफ किसी भी एयरलाइन की परिचालन लागत का करीब 40 फीसदी है।

राहुल गांधी धरने पर

चुनाव आयोग के खिलाफ विपक्ष का प्रदर्शन, बोले—ज्ञानेश कुमार से मिले बिना नहीं जाएंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के विरोध और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफ़े की मांग को लेकर राहुल गांधी और प्रियंका गांधी समेत विपक्षी नेता मंगलवार को सात घंटे से अधिक समय से आकाशवाणी भवन परिसर में धरने पर बैठे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि वह मुख्य चुनाव आयुक्त से मुलाकात किए बिना वहां से नहीं हटेंगे।

राहुल गांधी ने कहा, वे बिना मिले कहीं नहीं जाएंगे। कांग्रेस नेता लगातार निर्वाचन आयोग से मिलने और अपने सवालों का जवाब लेने की मांग कर रहे हैं। धरने के दौरान एक अधिकारी तिरंगा लेकर खड़े एक कार्यकर्ता के पास पहुंचा। अधिकारी ने तिरंगे में लगे डंडे से किसी को चोट लगने की आशंका जताई। इसी दौरान राहुल गांधी तेजी से वहां पहुंचे और अधिकारी से तिरंगे को नहीं छूने को कहा। प्रियंका गांधी भी



तिरंगे के सामने खड़ी हो गईं। दोनों नेताओं ने कहा कि यह केवल डंडा नहीं बल्कि राष्ट्रीय ध्वज है। मौके पर कुछ देर के लिए तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। इंडिया गठबंधन का 'लोकतंत्र बचाओ मार्च' मंगलवार सुबह करीब 10 बजे संसद भवन के मकर द्वार से शुरू हुआ। विपक्षी सांसदों का मार्च निर्वाचन आयोग के मुख्यालय तक जाना प्रस्तावित था, लेकिन पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया।

पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर बसों में बैठाया। इसी दौरान राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने रास्ता बदलकर आकाशवाणी भवन परिसर में प्रवेश किया और वहां धरने पर बैठ गए। पुलिस अधिकारियों ने प्रियंका गांधी समेत कांग्रेस नेताओं से धरना समाप्त करने की अपील की, लेकिन प्रदर्शनकारी वहां से हटने को तैयार नहीं हुए। राहुल गांधी ने कहा कि संविधान उन्हें प्रदर्शन करने का अधिकार देता है। उन्होंने कहा कि यदि दिल्ली पुलिस को परिसर में प्रदर्शन से परेशानी है तो प्रदर्शन के लिए दूसरी जगह उपलब्ध कराई जा सकती है। विरोध प्रदर्शन के दौरान कुछ युवा कांग्रेस और एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया। युवा कांग्रेस अध्यक्ष उदय भानु चिब ने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया जा रहा है। पुलिस की ओर से सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्रवाई की बात कही गई है। खबर लिखे जाने तक धरना जारी रहा और राहुल गांधी समेत विपक्षी नेता अपनी मांगों पर अड़े रहे।

संस्कृत भारत की अनेक भाषाओं को एक माला में पिरोने वाली स्वर्णिम डोर : उपराष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने मंगलवार को कहा कि संस्कृत भारत की अनेक भाषाओं को एक भव्य माला में पिरोने वाली स्वर्णिम डोर है। उन्होंने कहा कि देश की प्राचीन ज्ञान परंपरा को संरक्षित, अध्ययन, व्याख्यायित करने के साथ भावी पीढ़ियों के लिए सुलभ बनाना आवश्यक है।

उपराष्ट्रपति ने यहां श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के दूसरे दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संस्कृत के पुनरुत्थान और भारतीय ज्ञान परंपरा के संवर्धन के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है। उन्होंने कहा कि संस्कृत की दुर्लभ पांडुलिपियों को संरक्षित कर भावी पीढ़ियों तक पहुंचाया जाना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने विश्वविद्यालय की यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि संस्कृत विद्यापीठ से केंद्रीय विश्वविद्यालय तक पहुंचने वाली इस संस्था को अब संस्कृत अध्ययन के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय



उत्कृष्टता केंद्र के रूप में स्थापित होने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय के ए++ नैक ग्रेड हासिल करने और भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न क्षेत्रों में शोध कार्यों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत की प्रत्येक भाषा ने देश को समृद्ध किया है लेकिन संस्कृत ऐसी स्वर्णिम डोर है जो देश की अनेक भाषाओं के मोतियों को एक भव्य माला में जोड़ती है। उन्होंने परिसर में सुभाषितों के माध्यम से संस्कृत को जीवंत बनाए रखने, 44 वर्षों से 'विद्यापीठ पंचांग' के प्रकाशन तथा प्राकृत और वास्तु शास्त्र जैसे शास्त्रीय विषयों के अध्ययन की भी सराहना की। राधाकृष्णन ने शिक्षकों और विद्यार्थियों से भारत की पांडुलिपि विरासत की खोज, संरक्षण, आलोचनात्मक संपादन और अप्रकाशित संस्कृत पांडुलिपियों के प्रकाशन के लिए काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 'ज्ञान भारतम मिशन' के तहत पांडुलिपियों के संरक्षण और दस्तावेजीकरण के लिए 500 करोड़ रुपये के मूल कोष के साथ भारत की विशाल पांडुलिपि विरासत को देश और दुनिया के लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। दीक्षांत समारोह में स्नातक विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने उन्हें आजीवन सीखते रहने और आचार्यों तथा माता-पिता से मिले मूल्यों को आगे बढ़ाने की सलाह दी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में उन्होंने संस्कृत के संरक्षण और प्रचार-प्रसार के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं से नशे और मादक पदार्थों के सेवन से दूर रहने तथा अनुशासन, खेल, अच्छी संगति और सार्थक गतिविधियों को अपनाने की अपील की। उन्होंने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया का विवेकपूर्ण और सीमित इस्तेमाल करने तथा अपना समय पढ़ने, सीखने, कौशल विकास और वास्तविक रिश्तों को मजबूत करने में लगाने की सलाह दी।

करुणा और सेवा भावना के साथ काम करें चिकित्सक, दूरदराज के क्षेत्रों में सेवा से पीछे न हटें : राष्ट्रपति

एजेंसी

शिमला। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने चिकित्सकों से चिकित्सा पेशे को केवल आजीविका का साधन न मानकर करुणा, संवेदनशीलता और निःस्वार्थ सेवा का माध्यम बनाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों का व्यवहार ऐसा होना चाहिए, जिससे मरीजों को आत्मीयता का अनुभव हो और संस्थान की प्रतिष्ठा बढ़े। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों को ईश्वर की संज्ञा दी जाती है और मानवता की सेवा उनका मुख्य उद्देश्य होना चाहिए।

राष्ट्रपति ने मंगलवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर के पहले दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने एम्स बिलासपुर के प्रथम बैच के 89 प्रशिक्षु डॉक्टरों को उपाधियां प्रदान कीं और पांच मेधावी छात्रों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। उन्होंने प्रथम बैच के सभी उत्तीर्ण छात्रों और स्वर्ण पदक विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि इस संस्थान के पहले बैच का हिस्सा होना उनके लिए गर्व और ऐतिहासिक क्षण है। राष्ट्रपति ने कहा कि डॉक्टरों का मूल कर्तव्य बीमारी की सटीक पहचान और उसका इलाज करना है, लेकिन इसके साथ मरीज के प्रति संवेदनशीलता और करुणा का भाव भी जरूरी है। डॉक्टर का सहानुभूतिपूर्ण और आत्मीय व्यवहार मरीज के इलाज में मददगार साबित होता है। उन्होंने युवा चिकित्सकों से कहा कि वे ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के प्रति प्रेम और अपनत्व का भाव रखें। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश की कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में दुर्गम क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना एक बड़ी चुनौती है। चिकित्सकों के प्रयास और मनोबल से इस चुनौती का सामना किया जा सकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि एम्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थान से प्रशिक्षित डॉक्टर दूरदराज और पहाड़ी क्षेत्रों में अपनी सेवाएं देने से पीछे नहीं हटेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि कई बार डॉक्टर दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में सेवाएं देने से कतराते हैं, लेकिन एम्स जैसे संस्थान से निकलने वाले चिकित्सकों से देश को अलग उम्मीद है। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना चिकित्सकों के जीवन का मुख्य ध्येय होना चाहिए। सच्ची आत्मसंतुष्टि निःस्वार्थ सेवा से मिलती है। स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती लागत का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि दवाओं और आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की कीमतें आम लोगों के लिए चिंता का विषय हैं।

एडवांस्ड हाई-एल्टीट्यूड पैराशूट का पहला लाइव जंप, 13,700 फीट पर लैंडिंग की

एजेंसी

नई दिल्ली। कानपुर की ऑर्डिनेंस पैराशूट फैक्टरी में निर्मित एडवांस्ड हाई-एल्टीट्यूड पैराशूट (एएचएपी) का पहला परीक्षण मंगलवार को डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ) ने सबसे ज्यादा ऊंचाई वाले ड्रॉप जोन में से एक न्योमा पर किया। यह जंप समुद्र तल से 16 हजार फीट ऊपर किया गया। पैराशूट से पैराट्रूपर्स 15500 फीट से कूदे और 13,700 फीट पर लैंडिंग की। इस जंप ने बहुत ज्यादा ऊंचाई वाले इलाकों में एएचएपी पैराशूट के असर और सामरिक इस्तेमाल को साबित किया।

डीआरडीओ के मुताबिक आगरा स्थित एरियल डिलीवरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट ने इसे डिजाइन और विकसित किया है, जो पैराट्रूपर्स को बड़े पैमाने पर ड्रॉप करने के लिए एक स्टैटिक लाइन पैराशूट सिस्टम है। एएचएपी कई तरह के डिप्लॉयमेंट मोड देता है, इसकी



ऑपरेशनल ऊंचाई रेंज बहुत बड़ी है (18 हजार फीट तक) और इसमें उतरने की सबसे सुरक्षित दर है, जो खास तौर पर ज्यादा ऊंचाई वाले इलाकों के लिए भारतीय रक्षा बलों की सामरिक जरूरतों के लिए सही है। ज्यादा ऊंचाई पर स्टैटिक लाइन पैराशूट जंप मुश्किल और स्वाभाविक रूप से जोखिम भरे होते हैं, क्योंकि ओपनिंग शॉक बहुत ज्यादा होता है और नीचे उतरने की दर भी बहुत ज्यादा होती है। यह प्रणाली भारतीय रक्षा बलों के लिए 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के तहत एक बहुत बड़ी तकनीकी सफलता है। यह बड़े पैमाने पर पैराट्रूपर्स (सैनिकों) को एक साथ सुरक्षित रूप से उतारने के लिए बनाई गई एक स्टैटिक लाइन पैराशूट प्रणाली है। यह पैराशूट प्रणाली 18 हजार फीट तक की अत्यधिक ऊंचाई वाले दुर्गम और कठिन पहाड़ी क्षेत्रों में भारतीय सेना की रणनीतिक जरूरतों को पूरा करने के लिए उपयुक्त है। उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हवा के कम दबाव और अत्यधिक गति के कारण पारंपरिक पैराशूट से छलांग लगाना बेहद जोखिम भरा होता है। एएचएपी को विशेष रूप से इस तरह डिज़ाइन किया गया है कि यह हवा के तेज झटकों को कम करता है और इसकी धीमी एवं सुरक्षित उतरने की गति सैनिकों को कठिन परिस्थितियों में भी सुरक्षित लैंडिंग की गारंटी देती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एएचएपी स्वदेशी पैराशूट सिस्टम के पहले सफल लाइव जंप के लिए डीआरडीओ, रक्षा बलों, डीपीएसयू और इंडस्ट्री को बधाई दी और इसे आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक और बड़ा कदम बताया। रक्षा सचिव और डीआरडीओ के चेयरमैन राजेश कुमार सिंह ने सिस्टम के डिजाइन और डेवलपमेंट से जुड़े टीम मेंबर्स को बधाई दी।

राहुल को फिर से लॉन्च करने की एक और कोशिश भाजपा का 'इंडिया' गठबंधन के मार्च पर तंज

एजेंसी

नयी दिल्ली। भाजपा ने मंगलवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफ़े की मांग को लेकर निर्वाचन आयोग तक विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के मार्च की आलोचना करते हुए दावा किया कि यह कांग्रेस और उसके सहयोगियों द्वारा अराजकता पैदा करने और राहुल गांधी को फिर से लॉन्च करने का एक और प्रयास था।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, पार्टी प्रवक्ता संबित पात्रा ने गांधी की आलोचना की और उन पर उच्चतम न्यायालय को गलत तरीके से उद्धृत करके भ्रम फैलाने और अपनी राजनीति को बढ़ावा देने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उच्चतम न्यायालय में सोमवार को हुई एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई का हवाला देते हुए पात्रा ने कहा कि अदालत ने यह नहीं कहा कि फॉर्म-छह अवैध था। इससे पहले, गांधी ने 'एक्स' पर दावा किया था कि अब यह संदेह से परे स्थापित हो चुका है कि सीईसी ने फॉर्म-छह को अवैध रूप से और एकतरफा बदल दिया।

रक्षा मंत्री ने विशाखापट्टनम में लॉन्च किया पहला फ्लीट सपोर्ट शिप 'सूर्या'

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को विशाखापट्टनम के हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड में पहला फ्लीट सपोर्ट शिप 'सूर्या' लॉन्च किया। इसके अलावा दूसरे फ्लीट सपोर्ट शिप एफएसएस-5 की कील रखी और अपग्रेडेड स्लिपवे-4 एवं 300 टन के गोलियथ क्रेन का उद्घाटन किया। ये भारत की स्वदेशी शिपबिल्डिंग क्षमता मजबूत करने और भारतीय नौसेना की ऑपरेशनल पहुंच एवं सहनशीलता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। रक्षा मंत्री ने विशाखापट्टनम को बड़े मैरीटाइम इंडस्ट्रियल हब के रूप में विकसित करने का आह्वान किया और भारतीय शिपयार्ड से आत्मनिर्भरता से आगे बढ़कर वैश्विक प्रतिस्पर्धा की ओर बढ़ने का आग्रह किया।

इस मौके पर रक्षा मंत्री ने कहा कि इन तीनों माइलस्टोन का महत्व अलग-अलग उपलब्धियों से कहीं ज़्यादा है। हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड न केवल अपनी जहाज बनाने की क्षमता को मजबूत कर रहा है, बल्कि भारत की समुद्री ताकत की नींव भी मजबूत कर रहा है। उन्होंने 1948 में विशाखापट्टनम में आजाद भारत में बने पहले जहाज 'जला उषा' की लांचिंग को याद करते हुए भारत की पुरानी समुद्री विरासत पर जोर देते हुए कहा कि देश का समुद्र से रिश्ता बहुत पुराने समय से है। उन्होंने आठ दशकों से ज्यादा समय से देश की समुद्री और रक्षा जरूरतों में इसके योगदान की तारीफ की। फ्लीट सपोर्ट शिप प्रोग्राम के बारे में रक्षा मंत्री ने कहा कि ये जहाज हिंद महासागर क्षेत्र में नौसेना की पहुंच, ताकत और ऑपरेशनल असर को मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि दूर के समुद्री इलाकों में लंबे समय तक काम करने वाली नेवी को न सिर्फ जंगी जहाज चाहिए, बल्कि लॉजिस्टिक्स, मेंटेनेंस, लगातार सपोर्ट और ऑपरेशनल ताकत भी चाहिए। फ्लीट सपोर्ट शिप्स समुद्र में सामान भरकर और नेवी के ऑपरेशन्स को लगातार सपोर्ट देकर यह जरूरी क्षमता देते हैं। रक्षा मंत्री ने शिप 'सूर्या' के लॉन्च को नेवी की ऑपरेशनल पहुंच और ताकत को



विशाखापट्टनम को बड़े मैरीटाइम इंडस्ट्रियल हब के रूप में विकसित करने का आह्वान

मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम बताया, जबकि एफएसएस-5 की कील लेइंग भारत के समुद्री भविष्य के लिए एक और मजबूत नींव है।

उन्होंने बताया कि पिछले एक दशक में भारत के डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम में बड़ा बदलाव आया है, जिसमें एडवांस्ड सिस्टम और प्लेटफॉर्म के घरेलू डिजाइन और मैन्युफैक्चरर पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने समय पर डिलीवरी, प्रोडक्टिविटी, स्वदेशी डिज़ाइन क्षमता, सप्लाई चेन में लचीलापन, स्किल्ड मैनपावर, क्षमता और लागत कॉम्पिटिटिवनेस को ऐसे खास एरिया के रूप में पहचाना जो भारत की शिपबिल्डिंग क्षमता को ग्लोबल कॉम्पिटिटिवनेस में बदलने की क्षमता तय करेंगे। इस कार्यक्रम में नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन, आंध्र प्रदेश के सड़क, बिल्डिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर और विकास मंत्री जनार्दन रेड्डी, विशाखापट्टनम के सांसद श्रीभारत मथुकुमिल्ली, रक्षा उत्पादन सचिव संजीव कुमार, पूर्वी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल संजय भल्ला, पूर्वी समुद्र तट के तटरक्षक कमांडर एडिशनल डायरेक्टर जनरल डॉनी माइकल, हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर रियर एडमिरल सी रघुराम (रिटायर्ड) और भारतीय नौसेना और रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

पेज एक का शेष

एआई के क्षेत्र...

कहा कि आज भारत की मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग का करीब 55 प्रतिशत उत्तर प्रदेश में हो रहा है, जबकि देश में बनने वाले इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट में यूपी का योगदान करीब 60 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि एक दशक पहले आईटी और आईटीईएस के माध्यम से प्रदेश का निर्यात करीब 12 से 15 हजार करोड़ रुपये था, जो अब एक लाख करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है। सरकार का लक्ष्य अगले चार वर्षों में इसे 2.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाना है। इसी प्रकार इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात भी एक दशक पहले करीब 3,800 करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर 45,000 करोड़ रुपये हो गया है। वर्ष 2030 तक इसे दो लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आईटी सेक्टर अब केवल नोएडा तक सीमित नहीं है। लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, मेरठ और आगरा में आईटी पार्क संचालित हैं। प्रदेश में सात सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क कार्यरत हैं, जबकि वाराणसी, बरेली, कानपुर और गोरखपुर में नए आईटी पार्क विकसित किए जा रहे हैं। गौतमबुद्ध नगर में 12 आईटी और आईटीईएस स्पेशल इकोनॉमिक जोन हैं। नई स्टार्टअप नीति के तहत नोएडा और लखनऊ को यू हब यानी डीप टेक हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। लखनऊ में देश की पहली एआई सिटी और व्यापक एआई इकोसिस्टम विकसित करने की दिशा में भी तेजी से काम हो रहा है। मुख्यमंत्री ने एचसीएल के सामाजिक सरोकारों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि एचसीएल टेक ने उत्तर प्रदेश में केवल बिजनेस नहीं किया, बल्कि सामाजिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सीतापुर और बुलंदशहर में आवासीय कैंपस और स्कूलों के माध्यम से बच्चों के जीवन में बदलाव लाने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले 10-11 वर्षों में एचसीएल के कार्यक्रम 50 लाख से अधिक लोगों और 3,000 से अधिक गांवों तक पहुंचे हैं। ग्रामीण महिलाओं और स्वयंसेवी समूहों को स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ाने, बच्चों को बेहतर शिक्षा से जोड़ने और ग्रामीण क्षेत्रों में विकास के नए अवसर पैदा करने का कार्य किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास का अर्थ केवल बड़े शहरों में बड़े कैंपस बनाना नहीं है। वास्तविक विकास तब है, जब गांव का किसान बेहतर तकनीक से जुड़े, बहन-बेटियों को आजीविका के नए अवसर मिलें, गांव के बच्चों को बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें तथा ग्रामीण युवा नई अर्थव्यवस्था और नए अवसरों का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि एक ओर एचसीएल का ग्लोबल टेक्नोलॉजी कैंपस और दूसरी ओर गांवों में सामुदायिक विकास के कार्यक्रम-ग्लोबल इनोवेशन और ग्रासरूट डेवलपमेंट का यह संगम ही इन्क्लूसिव ग्रोथ का वास्तविक मॉडल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डिजिटल इंडिया का दूरदर्शी विजन देश के सामने रखा था, तब विरोधी दलों ने इसकी खिल्ली उड़ाई थी। लोग सवाल करते थे कि भारत में डिजिटल क्रांति कैसे संभव होगी। इसी तरह जब जनधन खाते खोले गए तो उनका भी मजाक उड़ाया गया और कहा गया कि गरीबों के खाते खुलवाने से क्या होगा। लेकिन आज डीबीटी के माध्यम से गरीबों तक शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाने में तकनीक की निर्णायक भूमिका सामने है। मुख्यमंत्री ने कहा कि करीब पांच दशक पहले जब शिव नाडर जी ने एचसीएल की नींव रखी होगी, तब भी लोगों ने सवाल उठाए होंगे कि यह प्रयास कितना आगे बढ़ पाएगा, लेकिन उनके दूरदर्शी विजन ने एचसीएल को वैश्विक कंपनी के रूप में स्थापित किया। यूपी की धरती से शुरू हुई एचसीएल की वैश्विक यात्रा इस बात का प्रमाण है कि बड़े सपनों और दूरदर्शी सोच पर शुरुआत में सवाल उठ सकते हैं, लेकिन विजन और सामर्थ्य उन्हें दुनिया के सामने सफलता की कहानी बना देते हैं। इस अवसर पर एचसीएल ग्रुप की अध्यक्ष रोशनी नादर मल्होत्रा, शिव नादर फाउंडेशन के अध्यक्ष शिखर मल्होत्रा, उत्तर प्रदेश ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के सीईओ और निवर्तमान चीफ सेक्रेटरी मनोज कुमार सिंह, यूपी के आईटी एंड इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रिंसिपल सेक्रेटरी आलोक कुमार और अन्य अधिकारी और कर्मचारीगण उपस्थित रहे। एचसीएल टेक की चेयरपर्सन रोशनी नादर मल्होत्रा ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश एचसीएल ग्रुप की कर्मभूमि और उसका घर है। इसी धरती ने संस्थापक शिव नादर के भारत को ग्लोबल टेक्नोलॉजी मैप पर स्थापित करने के सपने को आधार दिया। उन्होंने कहा कि 2016 में लखनऊ में एचसीएल आईटी सिटी में निवेश का निर्णय केवल कारोबारी फैसला नहीं, बल्कि इस विश्वास का प्रतीक था कि सही अवसर, इंफ्रास्ट्रक्चर और वातावरण उपलब्ध होने पर ग्लोबल टेक्नोलॉजी और टैलेंट महानगरों से बाहर भी विकसित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि एचसीएल आईटी सिटी की 10वीं वर्षगांठ पर फ़ेज-2 का शुभारंभ, 500 करोड़ रुपये का निवेश और करीब 6,000 प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर उत्तर प्रदेश के युवाओं और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं। रोशनी नादर ने बताया कि एचसीएल स्थानीय कॉलेजों के 1,000 छात्रों के लिए एआई प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शुरू कर रहा है, जिससे उन्हें भविष्य के लिए फ्यूचर-रेडी स्किल्स और नए करियर अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि एचसीएल फाउंडेशन के माध्यम से उत्तर प्रदेश में करीब 50 लाख लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और राज्य सरकार के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के विकास और आर्थिक प्रगति की इस यात्रा का हिस्सा बनना एचसीएल ग्रुप के लिए गौरव की बात है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर एचसीएल आईटी सिटी लखनऊ के फ़ेज-2 विस्तार का शुभारंभ किया। लगभग 500 करोड़ रुपये के निवेश से 20 एकड़ भूमि पर करीब 9.5 लाख वर्गफुट का नया क्षेत्र विकसित किया जाएगा, जिसमें नया आईटी भवन, करीब 5,000 सीटों की क्षमता, मल्टीलेवल कार पार्किंग और कैफ़ेटेरिया जैसी आधुनिक सुविधाएं शामिल होंगी। इस विस्तार से लखनऊ में करीब 6,000 नए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने की उम्मीद है। इस अवसर पर एचसीएल फाउंडेशन के विभिन्न कार्यक्रमों से जुड़े पांच विशेष लाभार्थियों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सम्मानित किया गया। इनमें प्रतिमा देवी को करीब 1.5 लाख रुपये मूल्य का रोटावेटर एवं हैरो, चांदनी सिंह को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल करने पर प्रमाणपत्र एवं शॉल, छित्तो देवी को जलकुंभी हस्तशिल्प के माध्यम से आजीविका सृजन के लिए 50 हजार रुपये मूल्य की रस्सी निर्माण एवं फ्लैटनिंग मशीन, मास्टर लवकुश को क्लब फुट के सफल उपचार के लिए प्रमाणपत्र एवं शॉल तथा रोशनी को डेयरी आधारित आजीविका को बढ़ावा देने के लिए पशुपालन कार्यक्रम के तहत 30 हजार रुपये की अनुदान राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया।

भाजपा के आठों...

विश्वास के मंत्र को सरकार और संगठन दोनों मोर्चों पर जमीन पर उतारा गया है। संचालन मुख्यालय प्रभारी गोविंद नारायण शुक्ला ने किया। इस मौके पर प्रदेश सरकार के कई मंत्री, पार्टी पदाधिकारी और समर्थक मौजूद रहे। इससे पूर्व सोमवार को देर रात तक भाजपा मुख्यालय में वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना और सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर की मौजूदगी में सभी प्रत्याशियों के नामांकन पत्र भरे जाने का काम चलता रहा।

ससुर अशोक की...

राष्ट्रीय संयोजक बनाया था। मायावती ने अपने संदेश से यह संकेत देने का भी प्रयास किया है कि आकाश की आने वाले विधानसभा चुनाव में सक्रिय भूमिका होगी और बसपा में अब जल्द कोई फ़ेरबदल नहीं होगा।

जीएसटी रिफंड...

जाएगी। अभी 61 फीसदी करदाताओं को बिना अधिकारी के हस्तक्षेप के तीन कार्यदिवस में पंजीकरण मिल रहा है। बाकी आवेदकों के लिए भी प्रक्रिया सरल करने की तैयारी है, ताकि अनावश्यक सवाल पूछने और आवेदन खारिज होने की स्थिति कम हो.

ब्रह्मांड के...

वेधशालाओं में से एक है, जो अंटार्कटिका के दक्षिणी ध्रुव के पास बर्फ की लगभग एक किलोमीटर से अधिक गहराई में स्थापित है। इसमें हजारों प्रकाश-संवेदनशील डिटेक्टर लगे हैं जो न्यूट्रिनो की गतिविधि को रिकॉर्ड करते रहते हैं। हैल्जेन का जन्म मार्च 1944 में बेल्जियम में हुआ। न्यूट्रिनो खगोल विज्ञान के क्षेत्र में दुनिया के चुनिंदा वैज्ञानिकों में शामिल हैं। अंटार्कटिका में अमंडसन-स्कॉट साउथ पोल स्टेशन पर मौजूद आइसक्यूब न्यूट्रिनो ऑब्जर्वेटरी के मुख्य शोधकर्ता हैं। यह दुनिया का सबसे बड़ा न्यूट्रिनो डिटेक्टर है जो 2010 से काम कर रहा और निरंतर नई चीजें सामने आ रही हैं। हैल्जेन ने मंगलवार को इटली से फोन पर नोबेल समिति से बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए बहुत बड़ा आश्चर्य है। मुझे ये पुरस्कार मिलेगा इसकी उम्मीद नहीं थी। हैल्जेन ने कहा कि पहले भी उनके नोबेल पुरस्कार जीतने की संभावना जताई गई थी, लेकिन घोषणा के बाद मैं पूरी तरह से हैरान हूं।

तीन एक्सप्रेसवे के...

52 गांवों की 555.94 हेक्टेयर, बिजनौर के 109 गांवों की 1058.44 हेक्टेयर तथा हरिद्वार के 28 गांवों की 406.39 हेक्टेयर भूमि की जरूरत होगी। अमरोहा और बिजनौर में भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, हरिद्वार में अभी नहीं शुरू हो पायी है। राज्य सरकार से सहमति मिल चुकी है लेकिन एमओयू अभी नहीं हो पाया है। राज्य सरकार पहले ही साफ कर चुकी है कि हरिद्वार में भी टोल उत्तर प्रदेश ही वसूलेगा। तैयारी के हिसाब से माना जा रहा है कि विधानसभा चुनाव से पहले शिलान्यास करा दिया जाएगा।

उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री ने कई स्वास्थ्य सेवाओं का किया शुभांरभ

■आशा कार्यकर्ता का मानदेय हुआ छह हजार रुपये

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आशा सम्मेलन में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी कई पहलों की शुरुआत के साथ-साथ आशा कार्यकर्ता का मासिक मानदेय 3,000 से बढ़ाकर 6,000 किया गया है। उन्होंने अनमोल योजना का विस्तार, जीबी पंत अस्पताल में सोट्टो सेंटर और नर्सिंग होम मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल का शुभांरभ किया। यह कार्यक्रम



त्यागराज स्टेडियम में आयोजित किया गया। इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह भी मौजूद रहे। उपराज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समावेशी विकसित भारत के विजन के अनुरूप आज दिल्ली में स्वास्थ्य सेवा से जुड़ी अहम पहलों की शुरुआत की गई। उन्होंने कहा कि हमारी फ्रंटलाइन आशा कार्यकर्तों की अहम भूमिका को देखते हुए उनके मासिक मानदेय को 3,000 से बढ़ाकर 6,000 रुपये कर दिया गया है। साथ ही नवजात शिशुओं की एडवांस्ड स्क्रीनिंग के लिए अनमोल योजना का विस्तार किया गया है। इसके साथ-साथ जीबी पंत अस्पताल में एक समर्पित सोट्टो सेंटर और नर्सिंग होम मैनेजमेंट के लिए एक पारदर्शी पोर्टल को भी शुभांरभ किया गया है। उपराज्यपाल ने कहा कि टेक्नोलॉजी, मजबूत स्वास्थ्य सेवाएं और संवेदनशीलता के साथ एक स्वस्थ विकसित दिल्ली की दिशा में आगे बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आशा कार्यकर्ता के लिए प्रोत्साहन राशि 3,000 से बढ़ाकर 6,000 रुपये की गई है। इससे दिल्ली की 6,690 आशा कार्यकर्ता को आर्थिक संबल मिलेगा और घर-घर स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि जीबी पंत अस्पताल में सोट्टो सेंटर शुरू होने से अब अंगदान और प्रत्यारोपण की पूरी प्रक्रिया में बेहतर समन्वय होगा और जरूरतमंद मरीजों तक समय पर सहायता पहुंच सकेगी।

पंजाब में 2022 से अब तक मत्स्य पालन विभाग में 55 नियुक्तियां

कैनविज टाइम्स संवाददाता

■विभाग की प्रशासनिक और तकनीकी क्षमता हुई मजबूत, मछली पालकों को मिलेंगी बेहतर सेवाएं : खुड्डियां

चंडीगढ़। पंजाब के पशुपालन, डेयरी विकास एवं मत्स्य पालन मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने मंगलवार को मत्स्य पालन विभाग में नवनियुक्त दो कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। नियुक्ति पाने वालों में एक बहुउद्देश्यीय मत्स्य कुशल कर्मी और एक मछुआरा शामिल है। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार विभाग को और अधिक मजबूत बनाने तथा मछली पालकों को बेहतर सुविधाएं एवं तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार काम कर रही है। गुरमीत सिंह खुड्डियां ने बताया कि वर्ष 2022 से अब तक मत्स्य पालन विभाग में विभिन्न पदों पर कुल 55 अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भर्ती की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि इन नियुक्तियों से विभाग की कार्यक्षमता में वृद्धि हुई है और प्रशासनिक तथा तकनीकी स्तर पर मानव संसाधन मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि मत्स्य पालन क्षेत्र ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है और बड़ी संख्या में किसान एवं अन्य लोग मछली पालन को आय के साधन के रूप में अपना रहे हैं। ऐसे में विभाग में पर्याप्त संख्या में प्रशिक्षित एवं सक्षम कर्मचारियों की मौजूदगी जरूरी है, ताकि मछली पालकों को समय पर मार्गदर्शन, तकनीकी सहायता और विभागीय सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। मंत्री ने कहा कि नवनियुक्त कर्मचारियों की जिम्मेदारी केवल विभागीय कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें जमीनी स्तर पर मछली पालकों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए उनकी समस्याओं के समाधान में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि नवनियुक्त कर्मचारी पूरी जिम्मेदारी, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। खुड्डियां ने कहा कि सरकार का उद्देश्य मत्स्य पालन क्षेत्र को प्रोत्साहित कर किसानों की आय के अतिरिक्त स्रोतों को मजबूत करना है। इसके लिए विभागीय स्तर पर जरूरी मानव संसाधन को बढ़ाने के साथ-साथ मछली पालकों को आधुनिक तकनीक और बेहतर तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में विभाग में हुई नियुक्तियों से कामकाज को गति मिली है। इससे विभाग की योजनाओं और सेवाओं को लाभार्थियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में मदद मिलेगी। सरकार आगे भी आवश्यकता के अनुसार विभाग को और सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी।

संक्षिप्त समाचार

छह घंटे में लूट की गुत्थी सुलझी, तीन आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। डीबीजी रोड थाना पुलिस ने लूट के एक मामले को छह घंटे के भीतर सुलझाते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान करोलबाग निवासी तुलसी (31), दीपक उर्फ चंपक (19) और उत्तर प्रदेश के बरेली निवासी छोटू उर्फ डोरेमोन (24) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से लूटा गया मोबाइल फोन बरामद कर लिया है, जबकि चार हजार रुपये की बरामदगी के प्रयास जारी हैं। पुलिस के अनुसार, तीन अक्टूबर की रात करीब 10:15 बजे पीड़ित घर लौट रहा था। वह कलकादास चौक के पास पहुंचा, तभी तीन युवकों ने उसे घेर लिया। एक आरोपित ने उसके हाथ पकड़ लिए, जबकि दूसरे ने उसकी पैंट की जेब से मोबाइल फोन निकाल लिया। तीसरे आरोपित ने उसकी शर्ट की जेब से चार हजार रुपये निकाल लिए। वारदात के बाद तीनों आरोपित मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर डीबीजी रोड थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को एक आरोपित के नाम तुलसी के बारे में जानकारी मिली। पुलिस टीम उसके झुग्गी स्थित ठिकाने पर पहुंची, लेकिन वह वहां नहीं मिला। इसके बाद पुलिस ने इलाके में उसके संभावित ठिकानों और आवाजाही वाली जगहों पर निगरानी बढ़ाई। लगातार प्रयास और स्थानीय स्तर पर जुटाई गई जानकारी के आधार पर पुलिस टीम ने चार अक्टूबर को करोलबाग इलाके से तीनों आरोपितों को उनके संभावित ठिकानों से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में तीनों ने लूट की वारदात में शामिल होने की बात स्वीकार की। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपितों ने इसके अलावा अन्य कितनी वारदातों को अंजाम दिया है। पुलिस के मुताबिक, तुलसी पहले भी डीबीजी रोड थाने में आर्म्स एक्ट के मामले में गिरफ्तार हो चुका है। उसके खिलाफ वर्ष 2023 में आर्म्स एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। वहीं, दीपक उर्फ चंपक के खिलाफ वर्ष 2024 में डीबीजी रोड थाने में झपटमारी और चोरी से संबंधित मामला दर्ज है। छोटू उर्फ डोरेमोन का फिलहाल कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड सामने नहीं आया है। मामले में एफआईआर नंबर 361/2026 के तहत बीएनएस की धारा 309(4)/3(5) में केस दर्ज किया गया है। पुलिस टीम में एसआई सुरेंद्र शर्मा, हेड कांस्टेबल सुजीत तथा कांस्टेबल नीरज, प्रतीक और रवि शामिल रहे। पुलिस अब लूटे गए चार हजार रुपये बरामद करने के साथ आरोपितों के अन्य आपराधिक मामलों में शामिल होने की जानकारी जुटा रही है।

रोमानिया की राजदूत सुश्री सेना लतीफ ने राज्यपाल कटारिया से की शिष्टाचार भेंट

चंडीगढ़। भारत में रोमानिया की राजदूत सेना लतीफ ने मंगलवार को पंजाब के राज्यपाल एवं केन्द्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया से पंजाब लोक भवन, चंडीगढ़ में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर भारत और रोमानिया के मैत्रीपूर्ण संबंधों तथा विभिन्न क्षेत्रों में आपसी सहयोग की संभावनाओं पर सार्थक चर्चा हुई।

सम्राट हेमू की जयंती एवं विजयोत्सव पर सात अक्टूबर को भव्य समारोह

नई दिल्ली। रौनियार शिरोमणि सम्राट हेमचंद्र विक्रमादित्य 'हेमू' की जयंती एवं विजय दिवस के उपलक्ष्य में रौनियार वैश्य सभा, दिल्ली (रजि.) की ओर से आगामी सात अक्टूबर को भव्य समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह नई दिल्ली स्थित हिमाचल भवन में दोपहर 3:30 बजे से आयोजित होगा। रौनियार वैश्य सभा के राष्ट्रीय संयोजक एवं मीडिया प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि सम्राट हेमचंद्र विक्रमादित्य 'हेमू' की जयंती और विजयोत्सव के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में उनके शौर्य, वीरता और राष्ट्र के प्रति योगदान को स्मरण किया जाएगा। समारोह में समाज के लोगों के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े प्रतिनिधियों, प्रबुद्धजनों और अन्य गणमान्य लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य सम्राट हेमू के ऐतिहासिक जीवन और उनके संघर्षों को स्मरण करने के साथ समाज में उनके योगदान और वीरता की जानकारी को व्यापक स्तर तक पहुंचाना है। आयोजकों ने कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को देश के इतिहास और वीर योद्धाओं के योगदान से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। रौनियार वैश्य सभा ने सभी आमंत्रित अतिथियों और समाज के लोगों से समय पर कार्यक्रम में पहुंचकर समारोह की गरिमा बढ़ाने की अपील की है। आयोजकों के अनुसार, समारोह को लेकर आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। रौनियार वैश्य सभा की ओर से आमंत्रित सभी लोगों से अधिक से अधिक कार्यक्रम में शामिल होकर इसे सफल बनाने का आग्रह किया गया है।

पिपरा में पुलिस छापेमारी के दौरान मचा हड़कंप पुनपुन नदी में कूदे 50-60 लोग, डूबने से दो की मौत

पटना। पटना जिले के पिपरा थाना क्षेत्र के बेहरावां गांव में मंगलवार को पुलिस की छापेमारी के दौरान अचानक अफरा-तफरी मच गई। पुलिस की भारी मौजूदगी और कार्रवाई से बचने के लिए करीब 50 से 60 लोगों के पुनपुन नदी में छलांग लगाने की बात सामने आई है। इस दौरान नदी में डूबने से दो लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में मातम और दहशत का माहौल है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, पुलिस ने अचानक बेहरावां गांव को चारों तरफ से घेर लिया। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को देखकर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। लोग कुछ समझ पाते, इससे पहले ही गांव में भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। कार्रवाई से बचने के लिए कई लोग नदी की ओर भागने लगे और देखते ही देखते करीब 50-60 लोगों ने पुनपुन नदी में छलांग लगा दी। ग्रामीणों का आरोप है कि इस दौरान कुछ लोगों की ओर से पुलिस पर ईंट-पत्थर भी चलाए गए। इसके बाद पुलिस की ओर से भी नदी की तरफ ईंट-पत्थर फेंके जाने का आरोप लगाया गया है। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ग्रामीणों के मुताबिक, पुलिस की कार्रवाई से बचने के लिए नदी में कूदे लोग तैरकर दूसरे किनारे जाने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान नदी के आसपास अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। आरोप है कि लगातार ईंट-पत्थर गिरने के कारण नदी में मौजूद लोगों को बाहर निकलने में परेशानी हुई। जो लोग तैरने में सक्षम थे, वे किसी तरह नदी के दूसरे किनारे पहुंच गए और अपनी जान बचाने में सफल रहे। लेकिन सभी लोग सुरक्षित बाहर नहीं निकल सके। घटना में फुलवारी शरीफ के ढिबरा निवासी आकाश मांझी और करीब 60 वर्षीय राम मांझी की नदी में डूबने से मौत हो गई। बताया गया है कि आकाश मांझी अपनी नानी के घर बेहरावां आया हुआ था। पुलिस कार्रवाई के दौरान मची भगदड़ के बीच वह भी नदी में कूद गया था।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सासाराम बाईपास का किया लोकार्पण, 'रोहतास जल संजीवनी' अभियान शुरू

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सासाराम। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को रोहतास जिले के सासाराम में बेदा से मोकर तक सिंचाई नहर के बांध पर रेल ओवर ब्रिज (आरओबी)/पुल सहित निर्मित दो-लेन सासाराम बाईपास पथ का लोकार्पण किया। 122.39 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस बाईपास के शुरू होने से क्षेत्र में आवागमन को सुगम बनाने में मदद मिलेगी। लोकार्पण के बाद मुख्यमंत्री ने कायाकल्प अभियान के तहत सासाराम बाईपास के समीप जीर्णोद्धार किए गए पोखर का निरीक्षण किया। उन्होंने पोखर के जीर्णोद्धार, साफ-सफाई और जल संरक्षण से संबंधित कार्यों की जानकारी ली तथा अधिकारियों को जलस्रोतों के बेहतर रखरखाव के लिए आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कायाकल्प अभियान



के तहत 'रोहतास जल संजीवनी' का शुभारंभ किया। अभियान का उद्देश्य जिले के तालाबों, पोखरों, जलाशयों और अन्य जलस्रोतों का जीर्णोद्धार, साफ-सफाई तथा नियमित रखरखाव सुनिश्चित करना है, ताकि वर्षा जल का अधिक से अधिक संग्रहण और संरक्षण किया जा सके। इसके तहत जिले के पारंपरिक और महत्वपूर्ण जलस्रोतों को पुनर्जीवित करने पर विशेष जोर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जिले के जलस्रोतों की नियमित साफ-सफाई और रखरखाव सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि तालाबों, पोखरों और जलाशयों को अतिक्रमण एवं प्रदूषण से मुक्त रखने के साथ इनके संरक्षण में स्थानीय लोगों की सहभागिता भी सुनिश्चित की जाए। जलस्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन से वर्तमान के साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए भी जल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकती है। कार्यक्रम में खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री सह रोहतास जिले के प्रभारी मंत्री अशोक चौधरी, उद्योग एवं खेल मंत्री श्रेयसी सिंह, विधायक वशिष्ठ सिंह, विधायक मुरारी प्रसाद गौतम सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इस अवसर पर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, राज्य की कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक प्रीता वर्मा समेत अन्य वरीय अधिकारी भी उपस्थित थे।

ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की तत्परता से घायलों को मिला समय पर इलाज

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित अशोक विहार ट्रैफिक सर्कल के प्रेमबाड़ी पुल के पास सोमवार सुबह ई-रिक्शा फिसलने से दो लोग घायल हो गए। हादसे के समय मौके पर ड्यूटी कर रहे ट्रैफिक पुलिस के दो कर्मचारियों ने बिना देर किए घायलों की मदद की और ऑटो रिक्शा की व्यवस्था कर उन्हें अस्पताल पहुंचाया। समय पर अस्पताल पहुंचने से दोनों घायलों को तत्काल उपचार मिल सका। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार दुर्घटना सोमवार सुबह करीब 10:05 बजे हुई। एक ई-रिक्शा प्रेमबाड़ी पुल से आजादपुर की ओर जा रहा था, तभी अचानक नियंत्रण खोने से वह सड़क पर फिसल गया। हादसे में 38 वर्षीय मोहम्मद आसिफ और एक 20 वर्षीय युवती गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के समय अशोक विहार ट्रैफिक सर्कल में तैनात सब-इंस्पेक्टर (एसआई) रमेश चंद और हेड कांस्टेबल मनीष प्रेमबाड़ी पुल पर अपनी ड्यूटी पर थे। दुर्घटना होते ही दोनों जवान तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायलों की नाजुक हालत को देखते हुए तुरंत एक ऑटो रिक्शा से दोनों घायलों को अशोक विहार स्थित दीप चंद बंधु अस्पताल भिजवाया। अस्पताल के डॉक्टरों ने दोनों घायलों को तुरंत आपातकालीन उपचार उपलब्ध कराया।

राज्यपाल की मंजूरी के बाद नवादा विधि महाविद्यालय में शुरू होगी एलएलएम की पढ़ाई : डॉ. डीएन मिश्रा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नवादा। नवादा विधि महाविद्यालय में एलएलएम की पढ़ाई शुरू होने का रास्ता लगभग साफ हो गया है। भारतीय विधिज्ञ परिषद (बीसीआई) ने नवादा विधि महाविद्यालय के साथ मगध विश्वविद्यालय की विधि संकाय में भी एलएलएम पाठ्यक्रम शुरू करने की स्वीकृति प्रदान कर दी है। हालांकि, इसके लिए आवश्यक ऑर्डिनेंस एंड रेगुलेशन का मामला वर्तमान में बिहार के राज्यपाल सह कुलाधिपति के स्तर पर लंबित है। राज्यपाल की स्वीकृति मिलते ही नवादा विधि महाविद्यालय में एलएलएम की पढ़ाई शुरू करने की प्रक्रिया आगे बढ़ जाएगी। यह जानकारी नवादा विधि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. धर्मानंद



मिश्रा ने मंगलवार को आयोजित विशेष प्रेस वार्ता में दी। विधि छात्रों के विशेष आग्रह पर आयोजित प्रेस वार्ता में प्राचार्य ने एलएलएम की पढ़ाई शुरू होने में हो रहे विलंब के संबंध में स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय ने एलएलएम पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए निर्धारित सभी आवश्यक अहर्ताएं पूरी कर ली हैं। इसके बाद भारतीय विधिज्ञ परिषद ने नवादा विधि महाविद्यालय तथा मगध विश्वविद्यालय की विधि संकाय में एलएलएम की पढ़ाई की स्वीकृति प्रदान की है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि अब मुख्य रूप से राज्यपाल सह कुलाधिपति की स्वीकृति आवश्यक है। ऑर्डिनेंस एंड रेगुलेशन यानी पाठ्यक्रम से संबंधित नियम एवं विनियम की स्वीकृति के लिए मामला राजभवन में लंबित है। उन्होंने उम्मीद जताई कि राज्यपाल की स्वीकृति मिलने के बाद जल्द ही महाविद्यालय में एलएलएम की पढ़ाई शुरू करने की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। इधर, एलएलएम की पढ़ाई शुरू होने में हो रही देरी से विधि छात्रों में नाराजगी है। छात्रों का कहना है कि बीसीआई से स्वीकृति मिलने और महाविद्यालय द्वारा आवश्यक अहर्ताएं पूरी किए जाने के बावजूद मामला राजभवन में लंबित रहना दुर्भाग्यपूर्ण है।

नुक्कड़ नाटक के जरिए ट्रैफिक पुलिस ने 300 छात्रों को दिया सड़क सुरक्षा का पाठ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की उत्तरी रेंज ने मंगलवार को सड़क हादसों पर अंकुश लगाने और विद्यार्थियों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से बख्तावरपुर स्थित मदर खजानी स्कूल में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। नरेला ट्रैफिक सर्कल के तहत आयोजित कार्यक्रम में करीब 300 छात्रों ने हिस्सा लिया। सड़क सुरक्षा प्रकोष्ठ के सहयोग से हुए इस कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से छात्रों को सड़क पर जिम्मेदारी के साथ व्यवहार करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम डीसीपी ट्रैफिक उत्तरी रेंज डॉ. सचिन कुमार सिंघल के निर्देशन और निगरानी में आयोजित किया गया। नुक्कड़ नाटक के जरिए छात्रों को यातायात नियमों की अनदेखी से होने वाले सड़क हादसों और उनके गंभीर परिणामों के बारे में रोचक एवं सरल तरीके से समझाया गया। कलाकारों ने अभिनय के माध्यम से यह संदेश दिया कि सड़क पर छोटी-सी लापरवाही भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। ट्रैफिक पुलिस ने छात्रों को दोपहिया वाहन पर सफर करते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने और कार में सीट बेल्ट लगाने की सलाह दी। पुलिसकर्मियों ने कहा कि वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल दुर्घटना का बड़ा कारण बन सकता है, इसलिए ड्राइविंग के दौरान मोबाइल से पूरी तरह दूरी बनाए रखना जरूरी है। इसके साथ ही शराब पीकर वाहन नहीं चलाने और यातायात संकेतों का पालन करने के लिए भी छात्रों को जागरूक किया गया।

प्रारूप नामावली के सापेक्ष अंतिम सूची में जिले में बढ़े वोटर

नई टिहरी। एडीएम व उप जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेंद्र नेगी की अध्यक्षता में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के तहत निर्वाचक नामावली के अंतिम प्रकाशन के संबंध में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। मंगलवार को कलेक्ट्रेट में हुई बैठक में बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देश पर 1 जुलाई की अर्हता तिथि के आधार पर जिले की सभी छह विधानसभा क्षेत्रों की निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन 3 अक्टूबर को किया जा चुका है। 4 जुलाई 2026 को प्रकाशित प्रारूप निर्वाचक नामावली में जिले में कुल 463628 मतदाता पंजीकृत थे। अंतिम प्रकाशन के बाद मतदाताओं की संख्या 466638 हो गई है। कुल 3010 मतदाता बढ़े। अंतिम सूची में 243051 पुरुष, 223583 महिला, 4 तृतीय लिंग मतदाता शामिल हैं। घनसाली विधानसभा में कुल 86346, देवप्रयाग में 75801, नरेंद्रनगर में 79507, प्रतापनगर में 74594, टिहरी में 67185 और धनोल्टी में 83205 मतदाता दर्ज किए गए हैं। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को निर्वाचक नामावली की हार्ड व सॉफ्ट कॉपी उपलब्ध कराई है। एडीएम नेगी ने बताया कि अंतिम रूप से प्रकाशित निर्वाचक नामावली की प्रतियां संबंधित पदाभिहित स्थलों, मतदेय स्थलों, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालयों में उपलब्ध कराई हैं। सीईओ उत्तराखंड की वेबसाइट पर भी ऑनलाइन उपलब्ध है। यदि कोई व्यक्ति निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी के निर्णय से असंतुष्ट है तो अपील कर सकता है। नामावली अपडेट प्रक्रिया जारी रहेगी। बताया कि 1 अक्टूबर 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले पात्र नागरिक निर्धारित प्रारूप में आवेदन कर सकते हैं। बैठक में भाजपा से जयेंद्र पंवार, कांग्रेस से गब्बर सिंह रावत, नवीन सेमवाल, सतीश चमोली, बसपा से सुशील पांडेय मौजूद रहे।

उत्तराखंड से राज्यसभा सीट के लिए भाजपा उम्मीदवार दिनेश आर्य ने दाखिल किया नामांकन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड से राज्यसभा की एक सीट के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार दिनेश आर्य ने मंगलवार को विधानसभा परिसर में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। उन्होंने निर्वाचन अधिकारी के समक्ष नामांकन पत्र प्रस्तुत किया। नामांकन के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य महेंद्र भट्ट, मंत्री धन सिंह रावत, सुबोध उनियाल सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता, सांसद और विधायक मौजूद रहे। मुख्यमंत्री धामी ने नामांकन के अवसर पर दिनेश आर्य को शुभकामनाएं दीं।

भाजपा ने चार अक्टूबर को उत्तराखंड से राज्यसभा की इस सीट के लिए दिनेश आर्य को अपना उम्मीदवार घोषित किया था। यह सीट मौजूदा राज्यसभा सदस्य नरेश बंसल



का कार्यकाल 25 नवंबर 2026 को पूरा होने के बाद रिक्त होगी। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार, राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि छह अक्टूबर निर्धारित है। नामांकन पत्रों की जांच सात अक्टूबर को होगी, जबकि उम्मीदवार नौ अक्टूबर तक अपना नाम वापस ले सकेंगे।यदि आवश्यकता पड़ती है तो 16 अक्टूबर को मतदान कराया जाएगा और उसी दिन मतगणना भी होगी।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063